

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 55 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 21 अक्टूबर 2026(बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

दशहरे पर देशभर में रावण दहन, मोदी ने तीर चलाकर किया दहन



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दशहरे के अवसर पर देशभर में रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आईपी एक्सटेंशन मैदान पहुंचे, जहां उन्होंने रामलीला के कलाकारों की आरती उतारी और प्रतीकात्मक रूप से तीर चलाकर रावण दहन किया। विभिन्न शहरों में रावण के विशाल पुतले आकर्षण का केंद्र रहे। हरियाणा के पंचकूला में 221 फीट ऊंचे रावण का दहन किया गया, जिसे देश का सबसे ऊंचा रावण का पुतला बताया जा रहा है। वहीं, बिहार की राजधानी पटना में 90 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन हुआ। दिल्ली के आईपी एक्सटेंशन मैदान में आयोजित रामलीला कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। उन्होंने रामलीला के कलाकारों की आरती उतारी और इसके बाद प्रतीकात्मक तीर चलाकर रावण के पुतले का दहन किया। दशहरे के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। ससस पटना में रावण दहन देखने पहुंचे 2.5 लाख लोग बिहार के पटना स्थित गांधी मैदान में 90 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया।

यूसुफ पठान पर BJP सरकार मेहरबान

जैसे ही वह TMC छोड़कर NDA का सपोर्टर बना, उसे वडोदरा में करोड़ों का सरकारी प्लॉट फ्री में दे दिया गया!

2012 से रुकी हुई फाइल पर 14 साल बाद अचानक खुलासा: 500 स्क्वायर मीटर का प्लॉट गिफ्ट में और 478 स्क्वायर मीटर में 45% की छूट!

कांग्रेस प्रवक्ता निशांत रावल के BJP से तीखे सवाल और जोरदार आंदोलन का आह्वान!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद/वडोदरा। पॉलिटिक्स में पार्टी बदलने और सत्ता के लालच में किस तरह का सेटिंग गेम खेला जाता है, इसका एक और सनसनीखेज और बड़ा स्कैम सामने आया है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुने गए पूर्व इंटरनेशनल क्रिकेटर और MP यूसुफ पठान जैसे ही TMC छोड़कर BJP की लीडरशिप वाले के सपोर्टर बने, वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और गुजरात सरकार ने उन पर करोड़ों रुपये की बारिश कर दी। अचानक, 2012 से रुके हुए सरकारी प्लॉट की फाइल पर 14 साल के 'ब्रह्म ज्ञान' के बाद, यूसुफ पठान के नाम पर 978 स्क्वायर मीटर का सरकारी प्लॉट फ्री और रियायती रेट पर देने का फैसला हुआ, जिससे पूरे राज्य की पॉलिटिक्स में भारी हंगामा मच गया!

दल बदलते ही एहसान: 500 स्क्वायर मीटर का प्लॉट 'गिफ्ट' और बाकी पर 45' डिस्काउंट! गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्पोक्सपर्सन निशांत रावल की तरफ से जारी एक धमाकेदार प्रेस रिलीज के मुताबिक, इस पूरे खेल के लिए एक बड़ा पॉलिटिकल सेटअप और लालच जिम्मेदार है 2012 में मांग और 2026 में मंजूरी यूसुफ पठान ने 2012 में वडोदरा में अपने रेजिडेंशियल एरिया के पास एक 978 स्क्वायर मीटर का सरकारी प्लॉट अपने नाम पर ट्रांसफर करने की मांग की थी, जो सालों से रुका हुआ था। TMC छोड़ते ही लॉटरी लग गई:यूसुफ पठान दलबदल करके NDA के सपोर्टर बन गए, तो तुरंत VMC और BJP सरकार ने इस 978 स्क्वेयर मीटर के प्लॉट में से 500 स्क्वेयर मीटर बिल्कुल फ्री (गिफ्ट के तौर पर) दे दिया!

बचे हुए प्लॉट में बड़ी राहत: बचे हुए 478 स्क्वेयर मीटर प्लॉट की सरकारी वैल्यूएशन पर 45' की भारी सरकारी राहत देकर प्लॉट देने का प्रस्ताव पास किया गया है। 'जब क्रिकेटर था तब सम्मान याद नहीं रहा, MP बनते ही करोड़ों की ज़मीन दे दी! BJP सरकार के इस दोहरे रवैये पर हमला करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता निशांत रावल ने तीखे सवाल उठाए हैं

1. एक MP को तोड़ने की कीमत?: जब तक यूसुफ पठान इंटरनेशनल क्रिकेटर थे, तब तक कॉर्पोरेशन या सरकार को उन्हें प्लॉट देकर सम्मान देने का ख्याल नहीं आया? क्या एक BJP सपोर्टर को MP बनते ही एक साल में करोड़ों का प्लॉट दे दिया गया? 2. कांग्रेस छोड़कर आए नेताओं को भी प्लॉट दें: BJP सरकार को कांग्रेस छोड़कर BJP में आए और मंत्री-MLA बने नेताओं और महाराष्ट्र, गोवा, असम, मणिपुर में अलग हुए विपक्षी नेताओं को भी 1,000 स्क्वायर मीटर के प्लॉट मुफ़्त में बांटने चाहिए!



3. गरीब और मिडिल क्लास को राहत क्यों नहीं: गुजरात की जनता ने BJP को 156 सीटें देकर भारी वोट दिया है। क्या MPs सरकार किराए के मकानों में रहने वाले गरीब और मिडिल क्लास परिवारों को 500 स्क्वायर फीट के प्लॉट मुफ़्त में देगी? या सिर्फ़ भ्रष्ट MPs पर मेहरबानी होगी? 'पक्को गुजरात' का आखिरी नतीजा: कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेगी! कांग्रेस पार्टी ने वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और राज्य सरकार द्वारा पास किए गए इस विवादित प्रस्ताव के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का बिगुल बजा दिया है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता निशांत रावल ने साफ़ अपील की है 'कांग्रेस इस मुद्दे पर लोगों के बीच जाएगी और एक बड़ा जन आंदोलन खड़ा करेगी। जब तक वडोदरा नगर निगम इस गैर-कानूनी और पक्षपाती प्रस्ताव को वापस नहीं ले लेता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा! ' सत्ता के बल पर सरकारी ज़मीनों पर कब्ज़ा करने के इस खेल के खिलाफ़ अब जनता में बहुत गुस्सा है। देखना यह है कि BJP सरकार इस प्रस्ताव को वापस लेगी या कांग्रेस का आंदोलन सड़कों पर भड़केगा!

भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौता लागू, भारतीय सामानों को 100% शुल्क-मुक्त एंट्री

भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच 20 अक्टूबर से मुक्त व्यापार समझौता लागू हो गया है। इसके तहत न्यूज़ीलैंड में भारतीय उत्पादों को सभी टैरिफ श्रेणियों में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। समझौते के तहत न्यूज़ीलैंड अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर यानी करीब 1.90 लाख करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रहा है। दोनों देशों का लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को लगभग 38 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। समझौते में आईटी, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सेवा क्षेत्रों में भारतीय पेशेवरों के लिए अवसरों के साथ 5,000 अस्थायी रोजगार वीजा का प्रावधान भी किया गया है।

राहुल गांधी का आरएसएस पर हमला, बोले- पुरुषों का और संविधान विरोधी पंथ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए उसे पुरुषों का और संविधान विरोधी पंथ बताया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल ने आरोप लगाया कि आरएसएस महिलाओं को पुरुषों की संपत्ति मानता है। उन्होंने अपनी विचारधारा को 'शिव-शक्ति' से जोड़ते हुए कहा कि वह इसमें विश्वास करते हैं और इसी वजह से संघ के खिलाफ लड़ने में उन्हें खुशी मिलती है। राहुल ने यह भी दावा किया कि संघ से जुड़ी महिलाएं भी उनके पक्ष में हैं। राहुल गांधी की यह टिप्पणी आरएसएस की विचारधारा और महिलाओं की स्थिति को लेकर कांग्रेस की ओर से की जा रही आलोचना का हिस्सा है। उन्होंने अपने बयान में लैंगिक समानता का मुद्दा उठाते हुए संघ पर महिलाओं के प्रति असमान सोच को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

नवरात्र में डायन और तंत्र-मंत्र का भय दिखाकर ठगी, फर्जी बाबाओं के जाल में फंस रहे लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। नवरात्र के दौरान कुछ कथित तांत्रिक लोगों को डायन, बलि और अनहोनी का डर दिखाकर पैसे ऐंठने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे मामलों में संतान संबंधी परेशानियों और पारिवारिक भय का फायदा उठाकर लोगों को झाड़-फूंक से समस्या दूर करने का भरोसा दिलाया जाता है। पटना के फुलवारी, मनेर और पटना सिटी समेत कई इलाकों में इस तरह की कथित गतिविधियों की पड़ताल किए जाने की जानकारी सामने आई है। फुलवारी स्थित खोजा इमली की मजार पर तांत्रिक ताहिर और उसके साले सोनू से जुड़े मामले का भी उल्लेख किया गया है। ऐसे दावों की सत्यता की जांच जरूरी है। लोगों को अंधविश्वास के आधार पर पैसे देने से बचना चाहिए और ठगी की आशंका होने पर पुलिस को सूचना देनी चाहिए।



अफवाह फैलाने वाले की तलाश जारी, 13 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भगदड़ के तीन दिन बाद भी पुलिस उस व्यक्ति की पहचान नहीं कर पाई है, जिसने पंडाल का हिस्सा गिरने की अफवाह फैलाई थी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि घोषणा किसने की और उसके पीछे क्या वजह थी। अधिकारियों के मुताबिक, इसी घोषणा के बाद श्रद्धालुओं में घबराहट फैल गई और भगदड़ मच गई। घटना में शनिवार शाम 19 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 25 लोग घायल हुए थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे यह साबित हो कि पंडाल का कोई हिस्सा वास्तव में गिरने की स्थिति में था। जांच के दौरान पंडाल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। यहां कुल 30 कैमरे लगाए गए थे, जिनमें से 13 कैमरों की फुटेज घटना वाले स्थान को कवर करती है।



हवाई किरायों पर सीधे नियंत्रण नहीं करेगी सरकार, आपात स्थिति में तय कर सकेगी सीमा

एयरलाइंस को एक महीने पहले डीजीसीए को देनी होगी किराये की जानकारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि नए नियमों के तहत हवाई किरायों को सीधे नियंत्रित नहीं किया जाएगा। एयरलाइंस यात्रियों की मांग और उपलब्ध सीटों के आधार पर टिकटों की कीमत तय कर सकेंगी। हालांकि, आपात स्थिति में सरकार को किराये की सीमा निर्धारित करने का अधिकार होगा, ताकि यात्रियों से अत्यधिक किराया वसूलने पर रोक लगाई जा सके। सूत्रों के मुताबिक, प्रस्तावित व्यवस्था के तहत एयरलाइंस को अपनी उड़ानों के किराये की जानकारी कम से कम एक महीने पहले नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को देनी होगी। इसके साथ ही यह जानकारी अपनी वेबसाइट पर भी प्रदर्शित करनी होगी। डीजीसीए किरायों की निगरानी करेगा, ताकि एयरलाइंस निर्धारित सीमा का



उल्लंघन न करें। इस व्यवस्था का उद्देश्य हवाई टिकटों की कीमतों में पारदर्शिता बढ़ाना और यात्रियों को अचानक बढ़ने वाले किरायों से राहत दिलाना है। इससे पहले केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि एयरलाइंस की ओर से मनमाने ढंग से किराया बढ़ाने पर रोक लगाने के लिए दो सप्ताह के भीतर नए नियम लागू किए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट में यह मामला सामाजिक कार्यकर्ता एस. लक्ष्मीनारायण की याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया था। याचिका में त्योहारों और छुट्टियों के दौरान हवाई टिकटों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी तथा छिपे हुए शुल्कों पर रोक लगाने की मांग की गई है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद किराया तय करने में एयरलाइंस को पहले की तरह व्यावसायिक स्वतंत्रता मिलने की संभावना है, लेकिन आपात परिस्थितियों में सरकार हस्तक्षेप कर सकेगी। नियमों के लागू होने और उनकी निगरानी की प्रक्रिया से यह स्पष्ट होगा कि यात्रियों को महंगे टिकटों से कितनी राहत मिलती है।

भारत में स्मार्टफोन बिक्री 26% घटी, 10 साल के निचले स्तर पर पहुंचा बाजार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भारत में जुलाई से सितंबर 2026 के दौरान स्मार्टफोन की बिक्री में 26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। मार्केट रिसर्च फर्म ओम्डिया के मुताबिक, इस तिमाही में देशभर में करीब 3.58 करोड़ स्मार्टफोन बिके। वर्ष 2016 के बाद यह किसी भी तिमाही की सबसे कम बिक्री बताई जा रही है। फोन की बढ़ती कीमतों और पुराने मोबाइल को लंबे समय तक इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति को इसकी प्रमुख वजह माना जा रहा है। इस दौरान सैमसंग पहले स्थान पर रही, जबकि वीवो, ओप्पो और शाओमी की बिक्री में गिरावट आई। एपल ने आईफोन की मांग के दम पर पांचवें स्थान पर जगह बनाई। सैमसंग 67 लाख फोन बेचकर पहले स्थान पर रही। करीब ढाई साल बाद कंपनी ने दोबारा शीर्ष स्थान हासिल किया। सस्ते और प्रीमियम स्मार्टफोन की मांग, आसान किस्तों और एक्सचेंज ऑफर्स ने बिक्री को सहारा दिया। वहीं, वीवो 64 लाख फोन के साथ दूसरे, ओप्पो 49 लाख के साथ तीसरे और शाओमी 47 लाख फोन बेचकर चौथे स्थान पर रही। एपल ने 39 लाख फोन की बिक्री के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। ओम्डिया के अनुसार, वीवो की बिक्री में सालाना आधार पर 34 प्रतिशत, ओप्पो में 24 प्रतिशत और शाओमी में 28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, आईफोन 16 और 17 की मांग के साथ नए मॉडल की पेशकश ने एपल की बिक्री को समर्थन दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी ब्रांडों की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी भी एक साल पहले के 75 प्रतिशत से घटकर 68 प्रतिशत रह गई। स्मार्टफोन की बढ़ती कीमतें, महंगे कलपुर्जे और ग्राहकों का खरीदारी टालना बाजार पर दबाव बना रहे हैं। वर्ष 2027 में भी सुस्ती बने रहने की आशंका है।

गांधीनगर में भारत रक्षा मंच और गंगा समग्र के संयुक्त उपक्रम से भव्य दुर्गा दौड़ और शस्त्रपूजन कार्यक्रम आयोजित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। विजयादशमी के पावन पर्व पर भारत रक्षा मंच और गंगा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में गांधीनगर में भव्य दुर्गा दौड़ और शस्त्रपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय संस्कृति, शक्ति उपासना, नारीशक्ति के सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण के उच्च संदेश के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, महिलाएं, बेटियां, सामाजिक अग्रणी और गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान 41 बेटियों को तलवार दीक्षा दी गई और महिलाओं में आत्मरक्षा, आत्मविश्वास, साहस तथा राष्ट्रभावना की जागृति का संदेश दिया गया। विजयादशमी के पर्व पर शस्त्रपूजन की परंपरा को उजागर करते हुए आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का गौरवपूर्ण प्रदर्शन देखने को मिला। शस्त्रपूजन के माध्यम से शक्ति, शौर्य, साहस





और धर्म की रक्षा के संकल्प को अभिव्यक्त किया गया। साथ ही दुर्गा दौड़ के जरिए समाज में एकता, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक जागरूकता का संदेश प्रसारित किया गया। 41 बेटियों को तलवार दीक्षा, नारीशक्ति के सशक्तिकरण का संकल्प कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 41 बेटियों को दी गई तलवार दीक्षा रही। इस अवसर पर बेटियों को शारीरिक और मानसिक रूप से सक्षम बनने, आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने तथा आवश्यकता के समय अपनी आत्मरक्षा के लिए सजग रहने का संदेश दिया गया। नारीशक्ति समाज की शक्ति है और सशक्त महिला ही सशक्त परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है–इस भावना को कार्यक्रम में विशेष महत्व दिया गया। इस अवसर पर आयोजक संस्थाओं द्वारा भारतीय संस्कृति में नारीशक्ति के महत्व को उजागर किया गया। माता दुर्गा के शक्ति स्वरूप से प्रेरणा लेकर बेटियों में साहस, अनुशासन, संस्कार और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित हो–इस उद्देश्य से तलवार दीक्षा का आयोजन किया गया।

अंबाजी में मौत के जुलूस किसकी इजाज़त से निकले? दिवाली पर भक्तों की जान खतरे में डालने वाला एडमिनिस्ट्रेशन का खुला खेल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। दुनिया की जननी मां अंबा के दर्शन के लिए लाखों भक्त शक्तिपीठ अंबाजी आते हैं। लेकिन जैसे ही आने वाले दिवाली त्योहार और नवरात्रि-त्योहार का मौसम आ रहा है, कुछ भड़काने वालों ने अंबाजी की पवित्र धरती पर 'मौत के जुलूस' और खतरनाक सवारियों का गंदा खेल शुरू कर दिया है। सबसे बड़ा और ज्वलंत सवाल यह है कि वही सवारियां और छागडोल, जिन पर एडमिनिस्ट्रेशन ने पहले गंभीर सुरक्षा कारणों से सख्त बैन लगा दिया था, रातों-रात अंबाजी-दांता रोड पर कैसे दिखाई दिए? क्या एडमिनिस्ट्रेशन किसी बड़े हादसे का इंतज़ार कर रहा है? मिली जानकारी के मुताबिक, अभी अंबाजी और दांता रोड के आस-पास बड़े पैमाने पर सवारियां और छागडोल लगाने का काम चल रहा है। जब स्थानीय जागरूक नागरिकों और मीडिया ने इसकी जांच की, तो कई चौंकाने वाली बातें सामने आईं एडमिनिस्ट्रेटिव इजाज़त की कमी: क्या डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर, ममलतदार या लोकल पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन ने इन खतरनाक सवारियों के लिए कानूनी इजाज़त दी है? या यह सब गैर-कानूनी तरीके से वसूली और कमीशन के चक्कर में हो रहा है? टेक्निकल फिटनेस के सवाल: हज़ारों फीट ऊंची और हवा में उड़ने वाली सवारियों की स्ट्रक्चरल ताकत, इंजीनियरिंग फिटनेस और जाइरो-टेस्ट किसने किए? जब दिवाली जैसे भीड़भाड़ वाले त्योहारों में लाखों भक्त आते हैं, तो ऐसे मेलों और समारोहों में सेफ्टी स्टैंडर्ड पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। लेकिन अंबाजी में हो रही इन राइडर्स में इंश्योरेंस और सेफ्टी कवर: अगर कोई एक्सीडेंट होता है और बेकसूर भक्त या बच्चे मारे जाते हैं, तो इसकी ज़िम्मेदारी कौन लेगा? क्या इस मेले के ऑर्गनाइज़र के पास सरकार से मंजूर इंश्योरेंस और सेफ्टी सर्टिफिकेट हैं?



मुंबई के जुहू में हुई गोलीबारी की घटना के बाद अभिनेता टाइगर श्रॉफ की सेहत में सुधार हो रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नेता और अधिवक्ता आशीष शेलार ने टाइगर श्रॉफ के घर पहुंचकर उनसे मुलाकात की और उनका हाल जाना। इससे पहले हमले के बाद जब पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मिलने पहुंचे थे, तब टाइगर के सीने, कंधे और दाहिने हाथ पर पट्टियां बंधी हुई दिखाई दी थीं। वहीं इस मामले में आरोपियों ने खुलासा किया कि टाइगर उनके असली टार्गेट नहीं थे। वे मुंबई किसी अन्य हाई-प्रोफाइल शख्सियत की हत्या के इरादे से आए थेदावा-टाइगर श्रॉफ नहीं थे असली टार्गेट मामले में सूत्रों के हवाले से एनडीटीवी ने दावा किया है कि शूटरों का असली निशाना टाइगर श्रॉफ नहीं थे। रविवार शाम जुहू में फुटबॉल मैच खेलकर लौट रहे टाइगर की कार पर बिहार के ऋतिक उर्फ रोशन (22) और हरियाणा के रेहान (18) व फूल सिंह (18) ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थीं। मंगलवार को पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे मुंबई किसी अन्य हाई-प्रोफाइल शख्सियत की हत्या के इरादे से आए थे, लेकिन कड़ी सुरक्षा के कारण वहां तक न पहुंच पाने पर उन्होंने प्रशंसकों की रील्स के जरिए टाइगर की सुरक्षा का जायजा लिया और उन्हें अपना निशाना बना लिया। हमलावरों ने उनके इंस्टाग्राम अकाउंट्स से लोकेशन ट्रैक कर बॉलीवुड में दहशत फैलाने के लिए टाइगर पर 7 राउंड फायरिंग की थी, जिसके बाद बंदूक जाम होने पर वे और उनका ड्राइवर घायल अवस्था में गाड़ी चलाकर वहां से निकलने में कामयाब रहे।



फर्जी सुसाइड स्टोरी का दुखद अंतः महुधा पुलिस ने पापी पति की हत्या का पर्दाफाश किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महुधा/खेड़ा। खेड़ा जिले के महुधा थाना इलाके से एक बहुत ही चौंकाने वाली और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पत्नी की बेरहमी से हत्या करने के बाद उसे सुसाइड करवाकर सच्चाई छिपाने की कोशिश करने वाले पापी पति और उसके साथियों का महुधा पुलिस ने पर्दाफाश किया है। जो शुरू में सुसाइड का मामला लग रहा था, खेड़ा पुलिस की डिटेल्ड और तेज जांच में बेरहमी से हत्या का पता चला, जिससे पूरे इलाके में भारी हंगामा मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक, महुधा इलाके में एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। घटना के बाद एक झूठी कहानी बनाई गई कि परिणीता ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है, ताकि पुलिस और समाज को लगे कि यह सुसाइड का मामला है। लेकिन घटनास्थल की डिटेल में जांच और बॉडी की हालत देखने के बाद महुधा पुलिस के अनुभवी अधिकारियों को शक हुआ कि मामले में कुछ गड़बड़ है। पुलिस ने झूठी कहानी पर यकीन करने के बजाय गहराई से जांच शुरू की। पुलिस ने बॉडी को पैनल पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा था। PM रिपोर्ट की शुरुआती डिटेल्स और फोरेंसिक सबूतों ने सुसाइड के इस नाटक से पर्दा हटा दिया था। रिपोर्ट से साफ हो गया कि महिला ने फांसी लगाकर नहीं बल्कि गला रेतकर जान दी थी। हत्या का खुलासा होते ही पुलिस ने परिणीता के पति से कड़ी और कड़ी पूछताछ की।

BJP के ही म्युनिसिपल प्रेसिडेंट की 'प्लीज़ रेत माइनिंग बंद करो' की अपील से पॉलिटिक्स में भूचाल आ गया

छोटाउदेपुर। छोटाउदेपुर ज़िले से एक बहुत बड़ी खबर सामने आई है जो पॉलिटिक्स को गरमा देगी और रूलिंग पार्टी की नींव हिला देगी। छोटाउदेपुर शहर और ज़िले भर के गांवों में जल्द ही पानी की गंभीर और भयानक किल्लत पैदा होने वाली है, और एक सनसनीखेज आरोप लगाया गया है कि इसके लिए कोई और नहीं बल्कि खुद BJP सरकार, लोकल MP, MLAऔर सिस्टम के करप्ट अधिकारी ज़िम्मेदार हैं। नई बनी छोटाउदेपुर म्युनिसिपल प्रेसिडेंट डॉ. रजनीबेन राठवा (जो खुद BJP से जुड़ी हैं) ने खुलेआम बयान दिया है कि, 'प्लीज़ रेत माइनिंग बंद करो', जिससे पूरे राज्य में हलचल मच गई है। बेकाबू रेत खनन की वजह से छोटा उदेपुर में पानी का संकट मंडरा रहा है। लोकल लेवल से मिली जानकारी के मुताबिक, छोटा उदेपुर और उसके आस-पास के इलाकों में लंबे समय से बेकाबू और गैर-कानूनी रेत खनन (रेत चोरी) जोरों पर चल रहा है। नदियों के तल से बेकाबू रेत निकालने की वजह से पानी के सोर्स सूख रहे हैं और ऐसी भयानक स्थिति बन गई है कि आने वाले दिनों में पीने के पानी के लिए हाहाकार मच जाएगा। इस गंभीर स्थिति को समझते हुए, BJP की अपनी नगर अध्यक्ष डॉ. रजनीबेन राठवा ने, पार्टी या पद की परवाह किए बिना, सीधे BJP सरकार, प्रशासन और नेताओं से अपील की कि अगर यह रेत खनन तुरंत नहीं रोका गया, तो लोगों को बहुत बड़ी परेशानी होगी। BJP नेताओं और अधिकारियों में गुस्सा फैल गया, लेकिन लोगों का उन्हें ज़बरदस्त सपोर्ट मिला।

पादरा के युवक के लिए नर्मदा नहर बनी अंधेरीः थसरा में संधेली के पास दुखद हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

थसरा/पादरा। खेड़ा जिले के थसरा तालुका में संधेली के पास से गुजरने वाली नर्मदा मेन नहर से एक बहुत ही चौंकाने वाली और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पादरा के रहने वाले परमार अजीतसिंह 17 तारीख को रहस्यमयी हालात में घर से निकलने के बाद अचानक लापता हो गए। इस बीच, थसरा में संधेली के पास नर्मदा नहर में उनके डूबने के शक को लेकर बड़ा हंगामा हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही सिस्टम चालू हो गया है और फिलहाल SDRF की टीमें युवक की तलाश के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। अजीतसिंह परमार 17 तारीख से लापता थे मिली जानकारी के मुताबिक, पादरा इलाके में रहने वाले परमार अजीतसिंह 17 अक्टूबर को अचानक अपने घर से निकले और वापस नहीं लौटे। उनके परिवार वालों ने बहुत चिंता के साथ उनकी तलाश की। इस दौरान पुलिस और परिवार को खबर मिली कि उनका मूवमेंट खसरा पंथक की तरफ है। इस जांच के दौरान, इस बात का पक्का शक हुआ कि वह खसरा के संदेली गांव के पास नर्मदा नहर के पास नहर में गिर गए या डूब गए, और तुरंत लोकल एडमिनिस्ट्रेशन को इन्फॉर्म किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए, सिस्टम ने तुरंत एक्शन लिया है। नर्मदा नहर के गहरे पानी में लापता युवक अजीतसिंह की तलाश के लिए एक स्पेशल SDRF टीम को लगाया गया है। नहर के बीच में युवक को ढूंढने के लिए नावों और डाइवर्स की मदद से इंटेंसिव रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। एक तरफ युवक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और नहर के किनारे रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं दूसरी तरफ पुलिस भी इस बात की जांच कर रही है कि यह मामला हादसा है या किसी और वजह से हुआ है।

साउथ गुजरात के हेल्थ सेक्टर में बड़ा धमाकाः कामरेज में 1500 बेड का एक बड़ा हॉस्पिटल और सुपर स्पेशियलिटी सेंटर बनेगा

महानगर मेट्रो ब्यूर

सूरत/कामरेज। साउथ गुजरात के लोगों के लिए हेल्थ सेक्टर में एक बहुत ज़रूरी और ऐतिहासिक खबर सामने आई है। कामरेज विधानसभा इलाके में जल्द ही एक बहुत बड़ा और मॉडर्न हेल्थ कॉम्प्लेक्स बनने वाला है। इस बड़े प्रोजेक्ट को बिना रुकावट और बिना रुकावट बिजली सप्लाई पक्का करने के लिए, एक खास 66 KV सबस्टेशन समेत सभी इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं की प्लानिंग तेज़ी से शुरू कर दी गई है। राज्य के हेल्थ मिनिस्टर और कामरेज से पॉपुलर MLA श्री प्रफुलभाई पंशेरिया की अध्यक्षता में हुई एक हाई-लेवल मीटिंग में इस बारे में एक एक्शन प्लान बनाया गया है। कामरेज में हेल्थ सेक्टर में एक बहुत बड़ा और मॉडर्न हेल्थ कॉम्प्लेक्स बनने वाला है। काम ... हेल्थ सेक्टर में क्रांतिः मीटिंग में अधिकारियों को सख्त गाइडेंस यह पक्का करने के लिए कि कामरेज में बनने वाले इस ड्रीम प्रोजेक्ट का काम समय पर और अच्छे से प्लान करके आगे बढ़े, हेल्थ मिनिस्टर श्री प्रफुलभाई पनशेरिया ने और सिविल डिपार्टमेंट के सीनियर अधिकारियों के साथ एक बड़ी और गंभीर रिव्यू मीटिंग की। इस मीटिंग में, मिनिस्टर ने साफ तौर पर निर्देश दिया कि प्रोजेक्ट में कोई देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हॉस्पिटल को 24 घंटे बिना रुकावट बिजली सप्लाई पक्का करने के लिए, एक 66 चड्ढ सबस्टेशन बनाया जाए और सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर का काम पूरी तरह से सिंक्रोनाइज़ (कोऑर्डिनेटेड) करके आगे बढ़ाया जाए यह हेल्थ कॉम्प्लेक्स न सिर्फ हॉस्पिटल बल्कि पूरे साउथ गुजरात के लिए लाइफसेवर साबित होगा। इसमें ये एडवांस्ड सुविधाएं दी जाएंगी एक बड़ा 1,500 बेड का जनरल ब्रॉड स्पेशियलिटी हॉस्पिटल जहां आम और मुश्किल बीमारियों का इलाज फ्री/रियायती रेट पर मिलेगा। 500 से ज़्यादा बेड वाले सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल कार्डियक और न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट (दिल और दिमाग की बीमारियों के लिए) यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी डिपार्टमेंट (किडनी से जुड़ी बीमारियों के लिए) कैंसर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल (कैंसर के एडवांस्ड इलाज के लिए) विष्य के डॉक्टर तैयार करने के लिए मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च का एक खास सेंटर। अभी तक गंभीर बीमारियों या सुपर स्पेशियलिटी इलाज के लिए लोगों को दूर-दूर जाना पड़ता था या प्राइवेट हॉस्पिटल का महंगा खर्च उठाना पड़ता था। लेकिन कामरेज में बनने वाले 2000 से ज़्यादा बेड वाले इस हेल्थ कॉम्प्लेक्स से सूरत, तापी, नवसारी, भरूच और नर्मदा समेत पूरे दक्षिण गुजरात के लाखों लोगों को एक ही छत के नीचे वर्ल्ड-क्लास इलाज मिलेगा।



साधु के वेश में छिपे हवसखोर 'कुसाधु' को महानगर मेट्रो का खुला चैलेंज

साध्वियों के साथ अश्लील वीडियो कॉल और फोन सेक्स के घिनौने खुलासेः करोड़ों के भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर PR टीम रखकर बचाव करने के हथकंडों की खुली पोल!

जैन समाज की पवित्रता को कलंकित करने वाले सागरचंद्र सागर के काले कारनामों का पर्दाफाश!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। अहिंसा, परमो धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने वाले शांतिप्रिय जैन समाज की मान-मर्यादा और प्रतिष्ठा को धूल में मिलाने का पाप कोई आम शैतान नहीं, बल्कि साधु के पवित्र वेश में छिपे कुछ भ्रष्ट और हवसखोर तत्व कर रहे हैं। जैन धर्म की गरिमा को तार-तार करने और साध्वियों के साथ बेहद शर्मनाक व घृणित कृत्य करने वाले तथाकथित जैन मुनि सागरचंद्र सागर और उनके सागर समुदाय के इन तथाकथित कुसाधुओं की असलियत अब 'महानगर मेट्रो' के सामने पूरी तरह बेनकाब हो गई है। साधु के चोले की आड़ में अपनी हवस की आग बुझाने के लिए मासूम और धर्म के रास्ते पर चलने वाली साध्वियों को शिकार बनाने वाले इन चेहरों के खिलाफ अब जैन समाज में भयंकर उबाल और आक्रोश है!

1. साध्वियों के साथ अश्लील वीडियो कॉल और फोन सेक्स की गंदी हकीकत

संत और मुनि का जीवन संयम, त्याग और परम पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। लेकिन सागरचंद्र सागर जैसे कुसाधुओं ने इस पावन परंपरा पर बदनुमा दाग लगाया है। इन गंदी मानसिकता वाले तत्वों द्वारा जैन साध्वियों के साथ अश्लील वीडियो कॉल और फोन सेक्स किए जाने के अकाट्य प्रमाण और खुलासे सामने आते ही पूरे जैन जगत में भूचाल आ गया है।

बहू-बेटियों की असुरक्षाः इस तरह के कुसाधुओं के कृत्यों के कारण आज जैन समाज की बहुएं और बेटियां भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं।

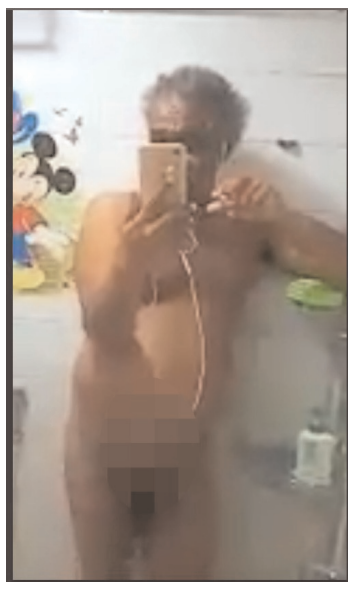
सागर समुदाय का संरक्षणः इस पूरे कुकर्म के गिरोह में यदि कभी किसी का कोई कांड या घोटाला बाहर आता है, तो यह सागरचंद्र सागर खुद आगे आकर ऐसे कुसाधुओं को बचाता है और उन्हें संरक्षण देता है।

2. करोड़ों का भ्रष्टाचार और बचाव के लिए पानी की तरह पैसा बहाने का खेल सिर्फ चरित्रहीनता ही नहीं, बल्कि धर्म के नाम पर धंधा और व्यापार चलाने में भी ये कुसाधुओं का गिरोह किसी से पीछे नहीं है। दीक्षा समारोह और उछावणी के नाम पर भोले-भाले भक्तों से करोड़ों रुपए का भारी भ्रष्टाचार किया जाता है। इस काली कमाई के दम पर लाखों रुपए साध्वियों को और अपने बचाव के लिए सोशल मीडिया पर सक्रिय पेड ट्रोलर्स व PR टीमों पर पानी की तरह बहाए जाते हैं। जब इस काले सच के फोटो और दस्तावेज सार्वजनिक हुए, तो शुरुआत में सागरचंद्र सागर की तरफ से फर्जी मेडिकल या लैब रिपोर्ट पेश करके यह साबित करने की कोशिश की गई कि उनके खिलाफ कोई गहरी साजिश रची गई है! इन झूठे कागजों के आधार पर कुछ लोग भ्रमित भी हुए, लेकिन जब जैन समाज के प्रबुद्ध और प्रतिष्ठित लोगों ने गहराई से तह तक जाकर पड़ताल की, तो इस पाखंडी की सारी रासलीला और काले कारनामे पूरी तरह बेनकाब हो गए!

3. सोशल मीडिया पर प्रायोजित बचाव के पैंतरे अपनी करतूतों और पापों



को छुपाने के लिए सागरचंद्र सागर ने एक खास सोशल मीडिया टीम खड़ी कर रखी है, जिसका एकमात्र काम ऐसे कुसाधुओं के पक्ष में फर्जी पत्रक और बचाव वाले पोस्टर वायरल करना है। इस समय ऐसे ही बचाव के पर्चे मोबाइल पर धड़ल्ले से तैर रहे हैं, जो इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि 'चोर की दाढ़ी में तिनका' है। जो व्यक्ति अंदर से पूरी तरह बेकसूर हो, उसे सोशल मीडिया पर भाड़े के कारिंदों से अपने समर्थन में पोस्टर छपवाने की आखिर क्या जरूरत है? जैन समाज भगवान महावीर के अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलने वाला अत्यंत शांतिप्रिय समाज है। लेकिन ऐसे घृणित मानसिकता वाले कुसाधुओं के कारण आम जनमानस का विश्वास संत समाज से उठ रहा है। 'महानगर मेट्रो' इस कुसाधु सागरचंद्र सागर को खुली चुनौती देता है 'यदि तुम्हारे अंदर जरा भी सच्चाई बची है, यदि तुम वाकई निर्दोष हो, तो मीडिया और पूरे जैन समाज के सामने आओ! अपने पुख्ता सबूतों के साथ मैदान में उतरो और सही-गलत का फैसला होने दो! सिर्फ पैसों के दम पर सोशल मीडिया पर फर्जी पोस्टर घुमाने से तुम्हारे काले कारखाने छिपने वाले नहीं हैं! ऐसे कुसाधुओं को साधु के पवित्र वेश से मुक्त करके आम आदमी के वेश में धकेल देना चाहिए और जैन समाज से बहिष्कृत कर देना चाहिए, तभी



जैन समाज की खोई हुई प्रतिष्ठा वापस लौटेगी और समाज एकजुट हो सकेगा!

साधु वेश में कथित अनैतिक कृत्यों के आरोप

अहमदाबाद। जैन समाज की प्रतिष्ठा और साध्वियों की सुरक्षा को लेकर विवाद गहराने का दावा करते हुए 'महानगर मेट्रो' ने कथित आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। सामग्री में साध्वियों को अश्लील वीडियो कॉल और फोन के जरिए परेशान करने, धार्मिक आयोजनों के नाम पर आर्थिक अनियमितताओं तथा सोशल मीडिया पर बचाव अभियान चलाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं से बड़ी अपील कीः 'अगर कहीं भी वोट चुराने या छेड़छाड़ करने की कोशिश हो, तो कार्यकर्ताओं की ज़िम्मेदारी है कि वे उन्हें रंगे हाथों पकड़ें'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/दिल्ली। आने वाले चुनावों और देश की राजनीति में लोकतंत्र के होने को लेकर कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीधे तौर पर प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ बिगुल फूंका है। एक अहम प्रोग्राम के दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बहुत ही आक्रामक और लड़ाकू तेवर दिखाए हैं। उन्होंने साफ कहा है, 'कांग्रेस के कार्यकर्ता देश के संविधान के सच्चे रक्षक हैं और अगर कहीं भी वोट चुराने या चुनाव में छेड़छाड़ करने की कोशिश होती है, तो उन्हें पकड़ना कार्यकर्ताओं की ज़िम्मेदारी है।' राहुल गांधी के इस सनसनीखेज बयान ने देश के राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। 'वोट चोरी के खिलाफ सतर्क रहें': कार्यकर्ताओं को दिए गए सख्त निर्देश अपने संबोधन में, राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने और लोकतंत्र की रक्षा के लिए मोर्चा संभालने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में संविधान और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। इस संबोधन में, उन्होंने इन मुख्य बातों पर ज़ोर दिया संविधान की रक्षाः हर कांग्रेस कार्यकर्ता सिर्फ़ पार्टी का सदस्य नहीं है, बल्कि देश के संविधान और लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा करने वाला एक योद्धा है। चुनाव प्रक्रिया पर कड़ी नज़र रखेंः अगर वोटिंग, EVM मैनेजमेंट और गिनती के दौरान कहीं भी कोई गड़बड़ी या 'वोट चोरी' दिखती है, तो कार्यकर्ताओं को बिना डरे तुरंत कार्रवाई करनी होगी और उन्हें रंगे हाथों पकड़ना होगा। जनता के जनादेश की रक्षाः लोकतंत्र में, जनता का वोट सबसे ऊपर होता है, और इसे किसी भी कीमत पर चुराया या दबाया नहीं जाएगा। रूलिंग पार्टी और एस्टैब्लिशमेंट के खिलाफ़ आक्रामक रणनीति राहुल गांधी के इस बयान को आने वाली राजनीतिक लड़ाइयों के लिए कांग्रेस की आक्रामक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। देशभर में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और पोलिंग बूथ लेवल तक के कार्यकर्ताओं में नई एनर्जी भरने के लिए यह संबोधन बेहद अहम माना जा रहा है। राहुल गांधी के इस कड़े और दमदार हमले के राजनीतिक जुबानी जंग और तेज होने की पूरी संभावना है। कि राहुल गांधी के इस आह्वान के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता ग्राउंड लेवल पर किस तरह की एक्टिविज्म दिखाते हैं!

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर खूनी हादसाः भरूच के मनुबार के पास कार और टेम्पो में भीषण टक्कर, वडोदरा के एक युवा PSI समेत 3 की दिल दहला देने वाली मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच/वडोदरा। भरूच के पास मनुबार गांव के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक बहुत ही दुखद और खूनी हादसा हुआ है। वडोदरा से भरूच की ओर पूरी स्पीड से आ रही एक कार और टेम्पो की आमने-सामने की टक्कर में तीन होनहार नौजवानों की मौके पर ही मौत हो गई। यह भीषण हादसा इतना भयानक था कि कार पूरी तरह से तबाह हो गई (बॉडी कुचल गई) और अंदर बैठे नौजवान लहूलुहान हालत में फंसे रहे। वडोदरा के 27 साल के PSI यश पटेल समेत 3 दोस्त जलकर मर गए। इस भयानक हादसे में सबसे दुखद बात यह सामने आई है कि मरने वालों में वडोदरा के सिर्फ़ 27 साल के होनहार PSI यश पटेल भी थे। समय के क्रूर पंजों ने एक ही पल में तीन नौजवानों के हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। मरने वालों की जानकारीः कार में कुल 4 लोग सवार थे, जिसमें तीन नौजवानों की मौके पर ही मौत हो गई। जैसे ही तीन होनहार नौजवानों और वह भी खाकी वर्दी वाले PSI की मौत की खबर जंगल में आग की तरह फैली, वडोदरा और भरूच में मातम का काला साया छा गया। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि कार पूरी तरह से तबाह हो गई! शुरुआती जानकारी के मुताबिक, युवक कार से वडोदरा से भरूच जा रहे थे। एक्सप्रेसवे पर मनुबार गांव के पास से गुजरते समय अचानक टेंपो और कार का एक्सीडेंट हो गया। धमाका इतना भयानक था कि आसपास के लोग दौड़कर आए। कार का पूरा अगला हिस्सा खिलौने की तरह चकनाचूर हो गया। घटनास्थल पर खून के धब्बे और चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया।



धोराजी में ड्रग माफिया पर पुलिस की कार्रवाईः 964 ग्राम गांजा के साथ तीन लोग सलाखों के पीछे!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धोराजी। राज्य में ड्रग कारोबार के खिलाफ पुलिस की चलाई जा रही मुहिम के बीच देवभूमि और सौराष्ट्र इलाकों से बड़ी खबर सामने आई है। धोराजी पुलिस ने धोराजी शहर और आस-पास के इलाकों में नशीले पदार्थ बेचने वाले लोगों पर कार्रवाई की है। पुलिस ने एक टिप-ऑफ के आधार पर छापेमारी कर तीन लोगों को लगभग 964 ग्राम भारी मात्रा में गांजा के साथ पकड़ने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। इस घटना से असामाजिक तत्वों में काफी हड़कंप मच गया है। पुलिस की रेड और छापे की रोमांचक जानकारी मिली जानकारी के मुताबिक, धोराजी पुलिस स्टेशन की टीम इलाके में पेट्रोलिंग कर रही थी और उसी दौरान एक खास टिप-ऑफ मिली कि कुछ लोग गैर-कानूनी तरीके से बड़ी मात्रा में नारकोटिक्स, यानी गांजा रखकर बेच या उसकी तस्करी कर रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में ड्रग्स बेचने या रखने आए मुख्य लोगों को मौके से ही रंगे हाथों पकड़ लिया।



देवभूमि द्वारका के भनवड़ में खूनी खेलः 'साइड देने' जैसी मामूली बात पर 20 साल के विजय परमार की बेरहमी से हत्या!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भनवड़। देवभूमि द्वारका जिले के भनवड़ पंथक से एक बहुत ही चौंकाने वाली, दिल दहला देने वाली और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गाड़ी चलाते समय सड़क पर 'साइड देने' जैसी मामूली और मामूली बात पर गुस्साए तीन लोगों ने 20 साल के विजय परमार की चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या कर दी है। इस भयानक जानलेवा हमले से पूरे भनवड़ और द्वारका इलाके में हड़कंप मच गया है और लोगों में बहुत गुस्सा है।

क्या है इस पूरे खूनी खेल की कहानी?

मिली जानकारी के मुताबिक, शनिवार रात 20 साल का विजय परमार भानवड़ में सब-स्टेशन के पास से गुज़र रहा था, तभी गाड़ी को साइड देने या लेने को लेकर वहां मौजूद इनाज घुघा, हुसैन घुघा और असलम हिंगोरा नाम के लोगों से उसकी लड़ाई और आम बहस हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि नशे में या गुस्से में इन तीनों आरोपियों ने अपनी क्रूरता दिखानी शुरू कर दी। बात बढ़ने पर आरोपी भड़क गए और उन्होंने विजय परमार पर जानलेवा हमला कर दिया और उसे अंधाधुंध चाकू मारे।

उन्होंने अपने बेटे को बचाने दौड़े माता-पिता को भी नहीं बख्शा!

इस भयानक घटना के दौरान, विजय के माता-पिता अपनी आंखों के सामने अपने बेटे पर हमला होते देख उसे बचाने दौड़े। लेकिन दरिंदे बन चुके तीनों आरोपियों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं और विजय के माता-पिता को भी पीट-पीटकर घायल कर दिया। खून से लथपथ और गंभीर चोटों से जूझ रहे विजय की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पूरा इलाका परिवार की चीख-पुकार से गूंज उठा। पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। घटना की खबर मिलते ही भानवड पुलिस स्टेशन की टीम और बड़े अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। मृतक विजय के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी।



पुलिस ने कुछ ही घंटों में इस हत्या के जुर्म में शामिल तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लियाः

1. इनाज घुघा
2. हुसैन घुघा
3. असलम हिंगोरा को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कड़ी कानूनी जांच चल रही है। एक हंसते-खेलते लड़के की मामूली कहासुनी में हत्या से एक परिवार हमेशा के लिए अंधेरे में डूब गया है।

उदेपुर डिस्ट्रिक्ट प्राइमरी एजुकेशन एसोसिएशन चुनाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। डिस्ट्रिक्ट प्राइमरी एजुकेशन एसोसिएशन चुनाव को लेकर एक ज़रूरी खबर सामने आई है। जिले के सात तालुकों में से छह तालुकों के पदाधिकारियों के बिना किसी विरोध के एकमत से चुने जाने से टीचर्स कम्युनिटी में खुशी का माहौल है। फॉर्म वापस लेने के आखिरी दिन चुनाव टालने की कोशिशें कामयाब रहीं। हालांकि, अभी भी संभावना है कि नसवाड़ी तालुक में पदाधिकारियों को चुनने के लिए चुनाव होंगे। छोटाउदेपुर जिले में डिस्ट्रिक्ट प्राइमरी एजुकेशन एसोसिएशन चुनाव को लेकर पिछले कुछ दिनों से प्रोसेस चल रहा था। जिले के सात तालुकों - छोटाउदेपुर, बोडेली, नसवाड़ी, क्वांट, संखेड़ा, पविजेतपुर और कदवाल में टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों को चुना जाना था। इस बीच, फॉर्म वापस लेने के आखिरी दिन टीचर्स के बीच आम सहमति बनाकर चुनाव टालने की कोशिशें की गईं। इसके चलते पता चला है कि गुलाब पैनल के छह तालुका के पदाधिकारी बिना विरोध के चुने गए हैं। छह तालुका में पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चुनाव होने से अब नसवाड़ी तालुका में भी चुनाव होने की संभावना है। हालांकि, नसवाड़ी तालुका में भी चुनाव सर्वसम्मति से होगा या नहीं, इस बारे में स्थिति अभी साफ नहीं हुई है।



क्या गुजरात पर बड़ा पावर क्राइसिस मंडरा रहा है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य में बढ़ती एनर्जी ज़रूरतों और संभावित पावर क्राइसिस के बादलों के बीच गांधीनगर से एक बड़ी खबर सामने आई है। गुजरात में इंडस्ट्रीज़ और आम जनता को पावर की कोई कमी न हो, यह पक्का करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल खुद सामने आए हैं। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एनर्जी डिपार्टमेंट की एक बहुत ही अहम और हाई-लेवल रिव्यू मीटिंग हुई,



जिसमें राज्य के पावर सेक्टर को लेकर कुछ सख्त और दूरगामी फैसले लिए गए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री के घर पर हुई यह मीटिंग करीब डेढ़ घंटे तक चली। इस मीटिंग में राज्य के एनर्जी डिपार्टमेंट के बड़े अधिकारी मौजूद थे। मीटिंग का मेन एजेंडा यह पक्का करना था कि राज्य में बिजली की सप्लाई बिना रुकावट बनी रहे और पावर प्लांट्स को समय पर काफ़ी कोयला मिले। हाल ही में, गुजरात के बिजली के मामलों और कोयले के एलोकेशन को लेकर दिल्ली में केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालयों के साथ डिटेल में बातचीत हुई थी, जिसके तुरंत बाद मुख्यमंत्री ने यह रिव्यू मीटिंग बुलाई और एक्शन प्लान को तुरंत लागू करने की अपील की। गुजरात एक इंडस्ट्रियल राज्य होने की वजह से यहाँ बिजली की खपत बहुत ज़्यादा है। सरकार ने पहले ही यह पक्का करने के लिए कदम उठाए हैं कि गर्मी या त्योहारों के मौसम में और बिजली की डिमांड बढ़ने पर थर्मल पावर स्टेशनों में कोयले की कमी न हो। राज्य के पावर प्लांट्स में काफ़ी मात्रा में कोयला मौजूद है। अगर और बिजली खरीदने की ज़रूरत पड़ती है, तो उसकी प्लानिंग पहले से कर ली जाती है।

आम आदमी पार्टी के नेता यसुदान गढ़वी की हुंकार ने गुजरात की राजनीति में राजनीतिक भूचाल ला दिया है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। गुजरात की राजनीति में आने वाले 2027 के विधानसभा चुनावों में अभी समय बचा है, लेकिन राजनीतिक पारा अभी से सातवें आसमान पर पहुंच गया है। आम आदमी पाटीके राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री और वरिष्ठ नेता यसुदान गढ़वी ने सार्वजनिक मंच से सरकार के खिलाफ बेहद आक्रामक और लड़ाकू रुख अपनाकर राजनीतिक गलियारों में भारी हलचल मचा दी है। 'हम 2027 में जेल का बदला ब्याज समेत लेंगे' यह घातक और कड़ा बयान देकर यसुदान गढ़वी ने सत्ताधारी पार्टी पर सीधा और खुला हमला बोला है। चैतर वसावा और AAP' नेताओं पर केस को लेकर सरकार पर हमला आम आदमी पार्टी के आदिवासी चेहरे और रू्क चैतर वसावा और पार्टी के दूसरे नेताओं पर पहले हुई कार्रवाई और उन्हें जेल भेजने के मुद्दे पर AAP' नेताओं ने अब आक्रामक रणनीति अपनाई है। यसुदान गढ़वी ने अपने बयान में साफ धमकी दी है कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए जिस तरह के हथकंडे अपनाए गए हैं, जनता 2027 के चुनाव में इसका जवाब ब्याज के साथ देगी। AAP' और BJP के बीच 2027 की लड़ाई पहले से ही अपने पीक पर है। गुजरात में विपक्ष के तौर पर आम आदमी पार्टी अब सरकार को घेरने के लिए एक इंच भी जमीन छोड़ने को तैयार नहीं है। यसुदान गढ़वी के इस जोरदार बयान ने साफ कर दिया है कि आने वाले दिनों में गुजरात की राजनीति और रोमांचक और टकराव वाली होगी। क्या सरकार के खिलाफ यह लड़ाई 2027 में कोई बड़ा बदलाव लाएगी?

अहमदाबाद रिवरफ्रंट पर फ्लावर पार्क के सामने करोड़ों की मल्टी-लेवल पार्किंग लॉट पूरे साल 'धीरजभाई' बनकर पड़ी है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और उससे जुड़ी यूनिट्स लोगों के टैक्स के करोड़ों रुपये, यानी खून-पसीने की कमाई, कैसे बर्बाद कर रही हैं, इसका एक और जीता-जागता और चौंकाने वाला उदाहरण सामने आया है। साबरमती रिवरफ्रंट पर फ्लावर पार्क के सामने करोड़ों की लागत से बनी एडवांस्ड मल्टी-लेवल स्मार्ट



पार्किंग लॉट पिछले एक साल से पूरी तरह से बेकार पड़ी है और सजावट की चीज़ की तरह पड़ी है। इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बाद भी आज हालत यह है कि न तो जनता को पार्किंग की सुविधा मिल रही है और न ही प्रशासन को इससे कोई इनकम हो रही है! सितंबर 2023 में ग्रैंड इनॉगरेशन, लेकिन जल्द ही 'बैकवार्टर्स' शुरू हो गए अगर इस प्रोजेक्ट का पिछला हिस्सा देखें, तो जब मौजूदा मेयर स्टैंडिंग कमिटी के चेयरमैन थे, तब सितंबर 2023 में इस मल्टी-लेवल स्मार्ट पार्किंग का बड़े धूमधाम से इनॉगरेशन हुआ था। इस बड़ी बिल्डिंग में मॉडर्न फैसिलिटीज़ बनाई गईं कैपेसिटी: एक शानदार अरेंजमेंट जिसमें एक बार में 700 कारें और 1000 टू-व्हीलर पार्क हो सकते हैं। लेकिन बदकिस्मती से, इससे पहले कि आम लोग इस स्मार्ट पार्किंग सिस्टम से पूरी तरह परिचित होते और इसका इस्तेमाल करना शुरू करते, एडमिनिस्ट्रेशन की दूर की न सोचने और खराब प्लानिंग की वजह से यह प्रोजेक्ट बैकफायर करने लगा। कुछ समय पहले, जब इस पार्किंग लॉट को किराए पर देने की बात हुई थी, तो एक कॉन्ट्रैक्टर ने इसे ऋ्ह 50 लाख के सालाना किराए पर लिया था। लेकिन असलियत यह निकली कि कॉन्ट्रैक्टर इस पार्किंग लॉट से मुश्किल से ऋ्ह 1 लाख या उससे कुछ ज़्यादा महीने की इनकम कर रहा था! हालात ऐसे हो गए कि पैसे का नुकसान न सह पाने की वजह से कॉन्ट्रैक्टर ने आखिरकार एडमिनिस्ट्रेशन के सामने हाथ खड़े कर दिए और उसे कॉन्ट्रैक्ट कैंसिल करने पर मजबूर कर दिया। कॉन्ट्रैक्टर के कॉन्ट्रैक्ट कैंसिल करने के बाद, यह शानदार सात मंज़िला बिल्डिंग फिलहाल पूरी तरह खाली है और 'घर' की तरह बेकार पड़ी है।



भारत में फ्रांस और बांग्लादेश जैसी अशांति फैलाने की साज़िश चल रही है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने देश की अंदरूनी सुरक्षा और राजनीतिक हालात को लेकर बहुत ही गंभीर, सटीक और लड़ाकू लहजे में बड़ा बयान दिया है। विदेशी धरती पर हाल की घटनाओं और देश में उठ रहे विवादों की ओर इशारा करते हुए मोहन भागवत ने चेतावनी दी है कि, 'भारत में फ्रांस और बांग्लादेश जैसी अराजकता और अस्थिरता की स्थिति पैदा करने की पक्की कोशिश की जा रही है।' ऋ्स्स प्रमुख के इस घातक और कड़े बयान ने देश के राजनीतिक गलियारों में भारी हलचल मचा दी है और विपक्षी खेमे में खलबली मचा दी है। बांग्लादेश और फ्रांस में अशांति का उदाहरण क्यों दिया? RSS चीफ ने अपने भाषण में साफ किया कि दुनिया के कुछ देशों में अराजकता फैलाकर सरकारों और गवर्नेंस सिस्टम को अस्थिर करने के लिए जो नापाक हथकंडे अपनाए गए हैं, वही अब भारत के खिलाफ भी अपनाए जा रहे हैं। हाल ही में, बांग्लादेश में आंदोलन और हिंसा की वजह से तख्तापलट हुआ और फ्रांस में भी सामाजिक अशांति देखी गई। भारत को निशाना बनाने की साजिश: कुछ अंदरूनी असंतुष्ट तत्व और विदेशी ताकतें भारत की आर्थिक और सामाजिक तरक्की को रोकने के लिए यहां भी ऐसे हिंसक आंदोलन भड़काने की कोशिश कर रही हैं। मोहन भागवत के इस बयान को हाल के कई विरोध प्रदर्शनों और राजनीतिक आंदोलनों से जोड़कर देखा जा रहा है। विपक्षी ताकतों के आक्रामक तरीकों पर कड़ा हमला करते हुए उन्होंने देशवासियों से सतर्क रहने की अपील की है। इस बयान से आने वाले दिनों में देश की पॉलिटिक्स में बड़ी आग लगना तय है, और गुजरात हर पॉलिटिकल हलचल पर कड़ी नज़र रखे हुए है!

'माफ़ी नहीं मांगी तो हमले होते रहेंगे!', गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की नई जानलेवा धमकी ने बॉलीवुड में डर का सन्नाटा पसर गया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई/अहमदाबाद। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और बदनाम लॉरेंस बिश्नोई गैंग के बीच झगड़ा अब बहुत ही भयानक और जानलेवा मोड पर पहुँच गया है। सलमान खान को एक बार फिर बिश्नोई गैंग ने सनसनीखेज और सीधी धमकी दी है कि, 'अगर सलमान खान ने बिश्नोई समुदाय के मंदिर जाकर काले हिरण शिकार मामले में सबके सामने माफ़ी नहीं मांगी तो उन पर और उनके घर पर हमलों का सिलसिला जारी रहेगा।' इस धमकी के बाद मुंबई पुलिस के बेड़े में भारी भीड़ हो गई है और सलमान खान की सिक्योरिटी को टाइट से अल्ट्रा-टाइट कर दिया गया है। 'माफ़ी मांगो या नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहो': धमकी के पीछे का काला सच मिली जानकारी के मुताबिक, 1998 के विवादित काले हिरण शिकार मामले को लेकर बिश्नोई समुदाय सलमान खान से बहुत नाराज़ है। बिश्नोई समुदाय काले हिरण को पवित्र मानता है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके साथियों (गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा समेत) ने पहले भी कई बार सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी है। हाल ही में, गैंग ने साफ़ कहा है कि अगर सलमान खान ज़िंदा रहना चाहते हैं, तो उन्हें राजस्थान में मुकाम धाम (बिश्नोई समुदाय का एक पवित्र स्थान) जाकर खुद माफ़ी मांगनी होगी। अगर वह माफ़ी नहीं मांगते हैं, तो गैंग का कोई भी शूटर उन पर कभी भी और कहीं भी हमला कर सकता है। गैंग ने दावा किया है कि उनके लिए पैसा नहीं, बल्कि समाज का भरोसा सबसे ज़रूरी है। बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद गैलेक्सी अपार्टमेंट में फायरिंग और डर का माहौल गौरतलब है कि यह कोई आम धमकी नहीं है। इससे पहले, सलमान खान के बांद्रा में 'गैलेक्सी अपार्टमेंट' वाले घर के बाहर बिश्नोई गैंग के शूटरों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। इतना ही नहीं, यह भी पता चला था कि सलमान खान के बहुत करीबी दोस्त और NCP नेता बाबा सिद्दीकी की बेरहमी से हत्या के पीछे बिश्नोई गैंग का ही हाथ था। इन घटनाओं के बाद, मुंबई पुलिस और सेंट्रल एजेंसियां मिली नई धमकी को बहुत गंभीरता से ले रही हैं। मुंबई पुलिस हाई अलर्ट पर: Y+ सिक्योरिटी और बुलेटप्रूफ गाड़ियों का घेराजैसे ही यह जानलेवा धमकी मिली, मुंबई पुलिस ने सलमान खान के बांद्रा वाले घर के बाहर सिक्योरिटी के इंतज़ाम बढ़ा दिए हैं। सलमान खान को पहले से ही Y+ कैटेगरी की सिक्योरिटी दी गई है, लेकिन अब:

गुजरात में शराब बैन के कागज़ों पर दावे खोखले: हेल्थ परमिट के नाम पर पेंच! एक ही साल में 3054 लोगों ने सिविल से परमिट लिए!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गांधीजी के बड़े-बड़े दावों के बीच कि गुजरात में शराब बैन के कड़े कानून हैं, एक चौंकाने वाली और आंखें खोलने वाली सच्चाई सामने आई है। राज्य में कागज़ों पर शराब बैन है, लेकिन ऑफिशियली 'हेल्थ परमिट' की आड़ में शराब पीने वालों की फौज दिन-ब-दिन खतरनाक रूप से बढ़ती जा रही है। सिर्फ़ अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल के आंकड़े ही इसकी पोल खोलने के लिए काफी हैं, जहां इस साल 15 अक्टूबर तक हज़ारों परमिट जारी किए जा चुके हैं! अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल के आंकड़े ही इस पोल को ... अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल से चौंकाने वाले आंकड़े: नबीराव में परमिट का क्रेज मेडिकल ग्राउंड या हेल्थ के नाम पर शराब पीने की परमिशन लेने वाले शौकीनों की संख्या हर साल ग्राफ तोड़ते हुए बढ़ रही है। अकेले अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल से इस साल 15 अक्टूबर तक कुल 3,054 हेल्थ परमिट जारी किए गए हैं। 2,398 परमिट सिर्फ रिन्यू किए गए हैं। 656 परमिट बिल्कुल नए जारी किए गए हैं। यह सिर्फ एक हॉस्पिटल का हाल है, जबकि पिछले 3 साल में ही एक जगह से कुल 10,943 परमिट जारी किए गए हैं। ये परमिट दिखाते हैं कि कागजों पर बने नियमों के बीच शौकीनों के लिए कानूनी रास्ता कितना आसान हो गया है। राज्य में 53 हजार से ज्यादा लोगों के पास शराब के परमिट हैं, 66' हिस्सा सिर्फ चार मेट्रो सेकरता है। क्या इतने सारे लोगों को सच में गंभीर हेल्थ प्रॉब्लम हैं या हेल्थ परमिट सिर्फ़ शराब पीने का 'कागज़ी पासवर्ड' बन गया है? इस खुलासे ने राज्य के सोशल सर्कल में एक बड़ी बहस छेड़ दी है और शराबबंदी के असली चेहरे पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। द्वारा इस तरह हज़ारों हेल्थ परमिट जारी करना कई गंभीर सवाल खड़े

असत्य पर सत्य की जीत: विजयादशमी पर खेड़ा पुलिस हेडक्वार्टर में पारंपरिक शस्त्र पूजा, खाकी वर्दी पहनकर शौर्य और जनसेवा का संकल्प!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा/नडियाद। अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत के महापर्व विजयादशमी (दशहरा) के मौके पर पूरे राज्य में उत्साह का माहौल है। हर साल की परंपरा के अनुसार, इस साल भी खेड़ा जिला पुलिस ने पूरी आस्था, उत्साह और धूमधाम से खेड़ा पुलिस हेडक्वार्टर में शस्त्र पूजा का कार्यक्रम आयोजित किया। पुलिस बेड़े के सभी छोटे-बड़े हथियारों, राइफलों, तलवारों और वाहनों की पूजा करके खेड़ा जिला पुलिस ने नागरिकों की शांति, पक्की सुरक्षा और जनसेवा के अपने संकल्प को और मजबूत किया। वैदिक मंत्रोच्चार और तोपों की सलामी के बीच पवित्र पूजा खेड़ा पुलिस हेडक्वार्टर में आयोजित इस भव्य तोप पूजा कार्यक्रम में जिले के बड़े पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चार और पवित्र रीति-रिवाजों के साथ सभी मॉडर्न और पारंपरिक हथियारों की पूजा की। कुमकुम तिलक और फुलहार चढ़ाने के बाद, शास्त्रों के अनुसार पूजा पूरी की गई।पूजा की रस्म पूरी होने के बाद हेडक्वार्टर के आंगन में तोपों की सलामी दी गई, जिससे पूरा माहौल वीरता और कर्तव्य की भावना से गूंज उठा। वीरता, सतर्कता और लोगों की सेवा का मजबूत संकल्प इस मौके पर सीनियर पुलिस अधिकारियों ने कहा कि विजयदशमी सिर्फ एक त्योहार नहीं बल्कि बुराई के खिलाफ लड़ाई का प्रतीक त्योहार है। हथियार कानून व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर आंखें मूंद लेने के लिए पुलिस की ढाल और औजार हैं। खेड़ा जिला पुलिस हमेशा इन चीज़ों के लिए कमिटेड है लोगों की सिक्योरिटी और सेफ्टी बनाए रखना जिले में शांति और



भाईचारे का माहौल क्राइम के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस पॉलिसी खेड़ा जिले के लोगों में सिक्योरिटी का भरोसा विजयदशमी के इस पवित्र दिन पर, खेड़ा पुलिस के इस बड़े और बहादुरी भरे प्रोग्राम ने जिले के लोगों में सिक्योरिटी और भरोसे की एक नई भावना को मज़बूत किया है।

दांता के गार्डन एरिया में शराब की होम डिलीवरी! बिना नंबर प्लेट वाली ब्लू जुपिटर बनी बूटलेगरों की पार्सल सर्विस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। गुजरात में शराबबंदी है, लेकिन बनासकांठा के बॉर्डर वाले शहर दांता में शराबबंदी कानून के झंडे लहरा रहे हैं। दांता गुजरात का एक गांव है, राजस्थान का नहीं। फिर भी यहां शराब की खुलेआम बिक्री के नज़ारे सामने आए हैं। और इस बार जगह है गार्डन एरिया, जिसे दांता का दिल माना जाता है दांता पुलिस की नाक के नीचे बूटलेगरों के बेलगाम होने के नज़ारे सामने आ रहे हैं। बीड जमादार या PI एक्शन क्यों नहीं ले रहे? गार्डन एरिया में अंग्रेजी शराब की बिक्री को लेकर हंगामा मचा हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक, एक आदमी गार्डन एरिया में बिना नंबर प्लेट वाली ब्लू जुपिटर मोपेड पर खुलेआम घूम रहा है, डिक्की में अंग्रेजी शराब की बोतलें भर रहा है। यह बूटलेगर घर-घर जाकर शराब ऐसे पहुंचा रहा है जैसे वह स्विगी-जोमैटो का डिलीवरी बॉय हो। इतना ही नहीं, इस इलाके में अंग्रेजी शराब भी बेची जा रही है। व्यापारियों में काफी दहशत है, पेट्रोलिंग गायब है, इस खुलेआम बिक्री से स्थानीय व्यापारियों में काफी डर है। व्यापारियों का कहना है कि शराब पीकर आने वाले असामाजिक तत्व अक्सर दुकानों के पास शोर मचाते हैं। जिससे हमें शाम को दुकान खोलने में भी डर लगता है। स्थानीय लोग कह रहे हैं कि यह धंधा आज का नहीं है, यह सालों से खुलेआम चल रहा है। हैरानी की बात यह है कि इतनी भीड़भाड़ वाले इलाके में एक भी पुलिसकर्मी, होमगार्ड या जीआरडी जवान नहीं दिखता। इस इलाके में पुलिस की पेट्रोलिंग भी नाममात्र की है, जिससे बूटलेगरों का पैर जम गया है। किसके आशीर्वाद से बूटलेगर इतने बेरहम हैं? अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिना नंबर प्लेट वाली इस ब्लू जुपिटर को किसका आशीर्वाद प्राप्त है? किसके इशारे पर ये बूटलेगर इतने बेरहम हो गए हैं? पुलिस चैन की नींद क्यों नहीं सो रही है? लोगों में चर्चा है कि यह धंधा पुलिस की मेहरबानी से ही फल-फूल रहा है। तो फिर सिस्टम को तुरंत गहरी नींद से जागकर इस ब्लू जुपिटर समेत शराब तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है।

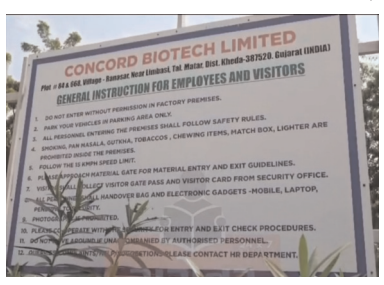
खेड़ा में केमिकल कंपनी के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूटा: लिंबासी-राणासर रोड पर 'कॉनकॉर्ड कंपनी' के खिलाफ गांववालों ने किया प्रदर्शन!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा/नडियाद। खेडा जिले के लिंबासी इलाके से, चरोतर की ऊंची-नीची पहाड़ियों के बीच, लोगों की सेहत से सीधे तौर पर जुड़ा एक बहुत ही गंभीर मामला सामने आया है। लिंबासी-राणासर रोड पर कॉनकॉर्ड कंपनी पर ज़हरीली गैस और केमिकल प्रदूषण अंधाधुंध छोड़ने के गंभीर आरोपों के साथ, स्थानीय गांववालों में बहुत गुस्सा और नाराज़गी है। अपने ही गांव की ज़मीन पर चल रही इस कंपनी के ज़हरीले माहौल से तंग आकर, राणासर और लिंबासी के लोग अब सड़कों पर उतर आए हैं। लोगों की जान खतरे में: ज़हरीली गैस से सांस लेने में दिक्कत और महामारी का डर स्थानीय लोगों से मिली दिल दहला देने वाली जानकारी के अनुसार, राणासर रोड पर मौजूद यह कॉनकॉर्ड कंपनी समय-समय पर हवा और वातावरण में बदबूदार और ज़हरीली गैस छोड़ती है। इस ज़हरीली गैस की वजह से, आस-पास के ग्रामीण इलाकों के लोगों को गंभीर शारीरिक समस्याओं का सामना करना



पड़ रहा है, जैसे: घबराहट और गले में इन्फेक्शन यह ज़हरीला प्रदूषण खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर सीधा और जानलेवा असर डाल रहा है। गांव वालों ने एक साथ विरोध किया: केमिकल माफिया के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग राणासर और लिंबासी के गांव वालों ने एक साथ आकर इस कंपनी के खिलाफ अपना गुस्सा निकाला और सनसनीखेज आरोप लगाए कि कंपनी अपने मुनाफे के लिए आस-पास के हजारों लोगों की जान से खेल रही है। बार-बार कहने के बाद भी कोई हल नहीं निकला, और आखिरकार लोगों के बीच ज्वालामुखी फूट पड़ा है।



गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की एक टीम तुरंत मौके पर आकर जांच करे। 2. प्रदूषण फैलाने वाली कॉनकॉर्ड कंपनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। अगर कंपनी नियमों का पालन नहीं कर रही है, तो उसे तुरंत सील कर देना चाहिए। या सिस्टम जागेगा या किसी बड़े हादसे का इंतजार करेगा? खेड़ा जिला प्रशासन और GPCB के अधिकारी इस मामले में कब जागेंगे? यह एक जानलेवा सवाल है जो स्थानीय लोग पूछ रहे हैं।

छोटा उदयपुर डिस्ट्रिक्ट पुलिस हेडक्वार्टर में विजयादशमी के मौके पर शस्त्र पूजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदयपुर। 'विजया दशमी' एक पवित्र त्योहार है जो अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। विजयादशमी के पावन मौके पर क्षात्र धर्म और सुरक्षा के प्रतीक के तौर पर हथियारों की पूजा करने की परंपरा है। इसी परंपरा को बनाए रखते हुए, विजयादशमी के मौके पर छोटा उदयपुर डिस्ट्रिक्ट पुलिस हेडक्वार्टर में एक बड़ा और



शास्त्रों के अनुसार शस्त्र पूजा प्रोग्राम का आयोजन किया गया। छोटा उदयपुर डिस्ट्रिक्ट के पुलिस हेडक्वार्टर में हुए इस खास शस्त्र पूजा प्रोग्राम में डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर गार्गी जैन और डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस इम्तियाज शेख खास तौर पर मौजूद थे। वैदिक मंत्रों के उच्चारण और शास्त्रों के साथ पुलिस डिपार्टमेंट के सभी छोटे-बड़े हथियारों की पूजा डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर और सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस के हाथों कंकू, तिलक और फूल चढ़ाकर की गई। इस मौके पर, जिले की सुख, शांति और खुशहाली के लिए भगवान से प्रार्थना की गई कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और लोगों की सुरक्षा और बचाव के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हथियार पवित्र रहें। इस हथियार पूजा समारोह में बड़ी संख्या में डिस्ट्रिक्ट पुलिस के जवान, बड़े पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

4.74 अरब रुपये की ब्रा और काइली जेनर का धमाका: विक्टोरिया सीक्रेट के स्टेज पर रिकॉर्ड तोड़ फैशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लॉस एंजिल्स/अहमदाबाद। ग्लोबल फैशन और ब्यूटी आइकन और रियलिटी शो स्टार काइली जेनर ने इतिहास के सबसे महंगे रैंप वॉक से फैशन की दुनिया में तहलका मचा दिया है। मशहूर लॉन्जरी ब्रांड 'विक्टोरिया सीक्रेट' के ग्रैंड शो के दौरान, 29 साल की काइली जेनर ने हीरे जड़े 'फैंटेसी ब्रा' पहनकर रैंप वॉक किया, जिसकी कीमत लगभग 50 मिलियन (भारतीय करेंसी में लगभग 4.74 अरब रुपये - 474 करोड़) है। लेकिन जैसे ही इस ऐतिहासिक फैशन शो की तस्वीरें सामने आईं, दुनिया भर में भारी हंगामा और विवाद खड़ा हो गया। 1,373 कैरेट के हीरे और 15,000 घंटे की मेहनत: इस ब्रा में क्या खास है? यह विक्टोरिया सीक्रेट के इतिहास में अब तक की सबसे महंगी 'फैंटेसी ब्रा' है, जिसे ज्वेलरी ब्रांड 'जैकब एंड कंपनी' ने खास तौर पर डिज़ाइन किया है डायमंड स्पार्कल: इस ब्रा में 4,410 से ज़्यादा असली हीरे जड़े हैं, जिसमें मुख्य आकर्षण 75.54 कैरेट का बहुत ही दुर्लभ पीला हीरा है।



नर्मदा नहर के रेलवे पुल पर ट्रेन की चपेट में आने से मां-बेटे की दिल दहला देने वाली मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोडेली। छोटाउदेपुर जिले के बोडेली पंथक से एक बहुत ही चौंकाने वाली, रोंगटे खड़े कर देने वाली और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बोडेली के पास नर्मदा नहर पर बने रेलवे पुल से गुजर रहे मां-बेटे को तेज रफ्तार ट्रेन ने टक्कर मार दी। यह भयानक हादसा इतना खतरनाक था कि बेटे का सिर और मां का आधा शरीर अलग होकर सीधे नीचे बह रही नहर के पानी में जा गिरा! इस खूनी हादसे से पूरे बोडेली इलाके में हड़कंप मच गया है। खेत में टिफिन देने गए परिवार पर ठंड का कहर मिली जानकारी के मुताबिक,



ओल्ड बोडेली के जैन फलिया में रहने वाले परिवार पर ठंड ने बहुत बुरा असर डाला है। ये दोनों लोग अपने परिवार के लिए लंच का टिफिन लेकर खेत जा रहे थे। रास्ते में शॉर्टकट या रेलवे ब्रिज से गुजरते समय वे तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। ट्रेन की टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों को संभलने या बचने का कोई मौका नहीं मिला और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे का खौफनाक मंजर देखकर लोगों की सांसें थम गईं घटनास्थल पर हालात इतने खौफनाक थे कि देखने वाले भी सिहर उठे। ट्रेन की भीषण टक्कर से बेटे का सिर धड़ से अलग हो गया और मां का आधा शरीर कटकर नीचे बह रही नर्मदा नहर में जा गिरा। खून से लथपथ इस खौफनाक मंजर ने पूरे इलाके में सन्नाटा पसर गया। घटना की खबर मिलते ही रेलवे पुलिस और लोकल पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों के अवशेष निकालकर पोस्टमार्टम के लिए पीएम के लिए भेज दिए हैं और आगे की कानूनी जांच शुरू कर दी है।

जीरो एफआईआर की मांग पर अड़े कांग्रेस नेता, जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के बाहर प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

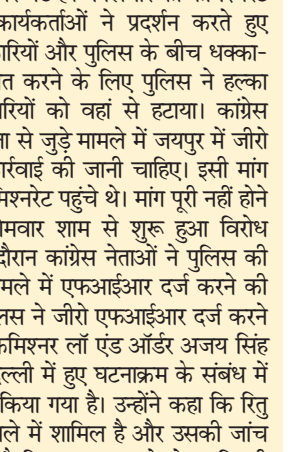
जयपुर। दिल्ली में एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव रितु बराला के साथ कथित मारपीट और अभद्रता के मामले में जयपुर में जीरो एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं का धरना मंगलवार को भी जारी रहा। दिल्ली के पुलिसकर्मियों के खिलाफ जयपुर में एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने से नाराज कांग्रेस नेता सोमवार शाम से पुलिस कमिश्नरेट परिसर में धरने पर बैठे हैं। मंगलवार को कमिश्नरेट के बाहर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि रितु बराला से जुड़े मामले में जयपुर में जीरो एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जानी चाहिए। इसी मांग को लेकर पार्टी के नेता पुलिस कमिश्नरेट पहुंचे थे। मांग पूरी नहीं होने पर उन्होंने धरना जारी रखा। सोमवार शाम से शुरू हुआ विरोध मंगलवार को भी जारी रहा। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए और मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग दोहराई। मामले में जयपुर पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। एडिशनल कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर अजय सिंह ने बताया कि 13 अक्टूबर को दिल्ली में हुए घटनाक्रम के संबंध में कनॉट प्लेस थाने में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि रितु बराला की शिकायत भी उसी मामले में शामिल है और उसकी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि घटनाक्रम को लेकर दिल्ली में पहले से मामला दर्ज है और शिकायत की जांच जारी है। दूसरी ओर, कांग्रेस नेता जयपुर में एफआईआर दर्ज कराने की मांग पर अड़े हुए हैं। इसी मुद्दे पर पुलिस और कांग्रेस नेताओं के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पुलिस के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस यह दिखाए कि दिल्ली में कौन-सी एफआईआर दर्ज है। कांग्रेस की ओर से जयपुर में जीरो एफआईआर दर्ज करने की मांग लगातार उठाई जा रही है। डोटासरा ने कहा कि मामले में एफआईआर दर्ज कराने को लेकर पार्टी अपना विरोध जारी रखेगी।



माउंट आबू में हनुमान ने उजाड़ी अशोक वाटिका, आतिशबाजी के बीच सोने की लंका का दहन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। दशहरा महोत्सव के तहत आबू पर्वत में रामलीला समिति की ओर से आयोजित रामलीला में अशोक वाटिका उजाड़ने और सोने की लंका दहन के प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन किया गया। उदयपुर के महावीर रामायण मंडल के कलाकारों ने अपने अभिनय और मंचीय प्रस्तुति से रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। हनुमान के पराक्रम और लंका दहन के दृश्य के दौरान पंडाल जयश्रीराम और जय हनुमान के जयकारों से गूंज उठा। आकर्षक मंचन को देखने के लिए मौजूद दर्शकों में उत्साह नजर आया। रामलीला के दौरान हनुमान के अशोक वाटिका पहुंचने और उसे उजाड़ने का दृश्य प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने अपने अभिनय से इस प्रसंग को प्रभावशाली बनाया। रंगमंच के समीप तैयार की गई वाटिका को उजाड़ने के बाद हनुमान का किरदार निभा रहे कलाकार ने दर्शकों और बच्चों को अमरूद, केला, मौसमी, सेब और ककड़ी सहित विभिन्न फल प्रसादी के रूप में बांटे। प्रसादी पाकर बच्चों में खासा उत्साह दिखाई दिया। रामलीला के इस प्रसंग ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। शोक वाटिका के प्रसंग के बाद रावण के दरबार में हनुमान की पूंछ में आग लगाने का दृश्य मंचित किया गया। इसके बाद हनुमान का किरदार निभा रहे कलाकार ने मंच से उड़ते हुए सामने चौगान में बनाई गई सोने की लंका तक पहुंचकर उसका दहन किया। पटाखों और आतिशबाजी के बीच लंका धू-धू कर जल उठी। इस दृश्य को देखने के लिए दर्शकों में विशेष उत्साह रहा। लंका दहन के दौरान आतिशबाजी और कलाकारों की प्रस्तुति ने रामलीला को आकर्षक बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक उत्साह का माहौल रहा और जयश्रीराम तथा जय हनुमान के जयकारे गूंजते रहे।



गणकेश्वर रोड पर हादसे से मचा हड़कंप, ग्रामीणों ने पानी के टैंकर से आग बुझाने का किया प्रयास



महानगर मेट्रो ब्यूर

सिरोही। जिले के पालड़ी एम थाना क्षेत्र में गणकेश्वर रोड पर एक दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर चालक की जिंदा जलने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। इसके बाद शॉर्ट सर्किट के कारण उसमें आग लग गई। हादसे के दौरान चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया और आग की चपेट में आ गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तेज लपटों के कारण वे ट्रैक्टर के पास नहीं पहुंच सके। ग्रामीणों ने पानी के टैंकर से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक चालक की मौत हो चुकी थी। पालड़ी एम थानाधिकारी टीकम चंद ने बताया कि बड़ावेरा निवासी मोतीराम (60) पुत्र मोडा राम भील ट्रैक्टर लेकर जा रहे थे। इसी दौरान गणकेश्वर रोड पर ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रैक्टर पलटने के तुरंत बाद उसमें शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। हादसे में मोतीराम ट्रैक्टर के नीचे दब गए और आग की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर को पलटने के बाद जलता देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और चालक को बचाने की कोशिश की। हालांकि, आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कोई भी ट्रैक्टर के नजदीक नहीं जा सका। इसके बाद गांव से पानी का टैंकर बुलाया गया और आग बुझाने का प्रयास किया गया। साथ ही पुलिस और दमकल विभाग को भी सूचना दी गई। दसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकल विभाग को मौके पर बुलाया गया, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही ट्रैक्टर आग में बुरी तरह जल चुका था। हादसे में मोतीराम की जान नहीं बचाई जा सकी। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल हो गया। पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाते हुए हादसे के कारणों से जुड़े तथ्यों पर कार्रवाई शुरू की।

जोधपुर में उपचार के दौरान दो और मजदूरों ने दम तोड़ा, एक घायल का इलाज जारी; लिफ्ट में शॉर्ट सर्किट से लगी थी आग

पाली की पॉलीमर फैक्ट्री में आग से मरने वालों की संख्या 4 हुई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। औद्योगिक क्षेत्र के फोर्थ फेज स्थित सारड़ा बावो पॉलीमर फैक्ट्री में रविवार रात लगी भीषण आग में मरने वाले मजदूरों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। हादसे में दो मजदूरों की मौत फैक्ट्री के अंदर आग में झुलसने से हुई थी, जबकि गंभीर रूप से झुलसे दो अन्य मजदूरों ने मंगलवार को जोधपुर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में झुलसे एक अन्य मजदूर का जोधपुर में इलाज जारी है। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के बाद से औद्योगिक क्षेत्र में हादसे को लेकर चिंता का माहौल है। पाली औद्योगिक नगर थाने की एसएचओ निरमा विश्नोई ने बताया कि हादसे में गंभीर रूप से झुलसे बिहार निवासी 56 वर्षीय रामावतार और 21 वर्षीय विक्की को उपचार के लिए जोधपुर भेजा गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार को दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शव जोधपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर उनके परिजनों को सूचना दे दी है। हादसे में झुलसे 30 वर्षीय राजेंद्र का भी जोधपुर में उपचार चल रहा है। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इससे पहले सोमवार को फैक्ट्री के मलबे से बिहार निवासी 20 वर्षीय नीतीश और 32 वर्षीय उपेंद्र के शव मिले थे। दोनों मजदूर आग की चपेट में आ गए थे और उनकी मौत हो गई थी। इस तरह हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों की संख्या चार हो गई है। ानकारी के अनुसार, रविवार रात फैक्ट्री में नाइट शिफ्ट के दौरान 17 मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान काम वाले हिस्से में स्थित लिफ्ट में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और फैक्ट्री के अंदर तेजी से फैल गई। अचानक आग लगने से वहां काम कर रहे मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। आग से बचने के लिए 12 मजदूर फैक्ट्री से बाहर की ओर भागे और अपनी जान बचाने में सफल रहे। वहीं, दो मजदूर अंदर ही फंस गए। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि बचाव कार्य में भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। बाद में फैक्ट्री के मलबे से दोनों मजदूरों के शव बरामद किए गए।

साढ़े चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

फैक्ट्री में लगी आग इतनी भीषण थी कि उसे बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को लंबे समय तक प्रयास करना पड़ा। करीब साढ़े चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझाने के लिए दमकल की करीब आठ गाड़ियों को 55 चक्कर लगाने पड़े। आग की तीव्रता के कारण फैक्ट्री के प्रभावित हिस्से में भारी नुकसान हुआ। हादसे में गंभीर रूप से झुलसे मजदूरों को बेहतर उपचार के लिए जोधपुर भेजा गया था, लेकिन मंगलवार को दो और मजदूरों की मौत हो गई। अब इस घटना में मृतकों की संख्या चार पहुंच गई है, जबकि एक घायल मजदूर का उपचार जारी है।

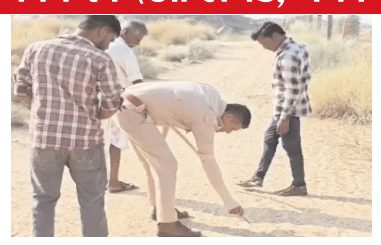


तीन महीने बाद दोबारा मिले पगमार्क, निगरानी के लिए दो स्थानों पर लगाए कैमरे; पांच साल से क्षेत्र में देखी जा रही है हलचल

जालोर के बाला गांव में फिर दिखा लेपर्ड, वन विभाग ने लगाया पिंजरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। भाद्राजून क्षेत्र के बाला गांव में एक बार फिर लेपर्ड की गतिविधियां सामने आने से ग्रामीणों में सतर्कता बढ़ गई है। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गांव के अलग-अलग हिस्सों में लेपर्ड के पैरों के निशान देखे। टीम ने पगमार्क की पहचान करने के बाद क्षेत्र में निगरानी शुरू की। रविवार देर शाम लेपर्ड को पकड़ने के प्रयास में गांव के पहाड़ी क्षेत्र में पिंजरा लगाया गया। वहीं, उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए दो स्थानों पर कैमरे भी लगाए गए हैं। वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही है, ताकि लेपर्ड की आवाजाही का पता लगाया जा सके जानकारी के अनुसार, भाद्राजून क्षेत्र के रामा, बाला सहित आसपास के कई गांवों में पिछले करीब पांच साल से लेपर्ड की गतिविधियां देखी जा रही हैं। ग्रामीणों को समय-समय पर अलग-अलग स्थानों पर उसके पैरों के निशान दिखाई देते हैं। करीब तीन महीने बाद बाला गांव में दोबारा पगमार्क मिलने से वन विभाग



ने निगरानी तेज कर दी है। दो दिन के भीतर फिर से लेपर्ड की गतिविधि सामने आने के बाद टीम ने संभावित आवाजाही वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया सूचना मिलने पर वन रक्षक भंवरलाल सहित वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। टीम ने गांव के विभिन्न हिस्सों में पगमार्क देखे और उनकी पहचान के बाद पहाड़ी क्षेत्र में पिंजरा लगाया। इसके साथ ही दो स्थानों पर कैमरे लगाए गए हैं, जिससे लेपर्ड की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। हालांकि, अभी तक लेपर्ड पिंजरे में नहीं फंसा है। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में लंबे समय से लेपर्ड की मौजूदगी की आशंका बनी हुई है। वन विभाग की ओर से पहले भी उसे पकड़ने के लिए कई बार गश्त की गई तथा अलग-अलग स्थानों पर कैमरे और पिंजरे लगाए गए, लेकिन अब तक सफलता नहीं मिली है। वन विभाग की टीम के अनुसार, लेपर्ड बार-बार अपना रास्ता और ठिकाना बदल लेता है। इसके कारण उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखना और उसे पकड़ना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। वन रक्षक भंवरलाल ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने सुनसान स्थानों पर अकेले जाने और शाम ढलने के बाद अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी। साथ ही खेतों में फसल की रखवाली करते समय विशेष सावधानी बरतने को कहा है। ग्रामीणों से आसपास की गतिविधियों पर ध्यान रखने और लेपर्ड दिखाई देने पर वन विभाग को सूचना देने की अपील की गई है। वन विभाग की टीम क्षेत्र में नियमित गश्त कर रही है। पिंजरे और कैमरों के माध्यम से लेपर्ड की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। अब टीम की निगरानी के आधार पर उसके संभावित ठिकाने और आवाजाही के रास्तों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

पैसे देने के बहाने संजय सोनी को रात में बुलाकर की थी मारपीट, महात्मा गांधी अस्पताल में उपचार के दौरान तोड़ा दम

बकाया रकम के विवाद में युवक की मौत, दो सगे भाई गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। शहर के माता का थान थाना क्षेत्र में लेनदेन के विवाद में मारपीट के बाद युवक की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने बकाया रकम देने के बहाने संजय सोनी को बुलाया और उसके साथ मारपीट की। घटना में गंभीर रूप से घायल संजय की महात्मा गांधी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। मामले में गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। घटना के बाद मृतक के परिजनों और समाज के लोगों ने विरोध जताते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हेमंत दाधीच (27) और मोहित दाधीच (21) के रूप में हुई है। दोनों रतनलाल दाधीच के पुत्र हैं। वे मूल रूप से सुरपुरा खुर्द, थाना भोपालगढ़ के निवासी हैं और वर्तमान में शिवाजी नगर, गली नंबर दो, 80 फीट रोड, माता का थान क्षेत्र में रह रहे थे। पुलिस ने दोनों को मामले में गिरफ्तार किया है।ारंभिक जानकारी के अनुसार, 15 अक्टूबर की रात करीब 11:30 बजे लेनदेन को लेकर



विवाद हुआ था। आरोप है कि दोनों भाइयों ने संजय सोनी को बकाया पैसे देने के बहाने बुलाया। इसके बाद उसके साथ मारपीट की गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल संजय को उपचार के लिए महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत के बाद मामला गंभीर हो गया। मृतक के परिजनों और समाज के लोगों ने घटना को लेकर विरोध जताया तथा आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। इसके बाद माता का थान थाना पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।ठ पुलिस अब घटना के पीछे रहे लेनदेन के विवाद और मारपीट से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। मामले में दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद घटनाक्रम की परिस्थितियों को लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।ठ बकाया रकम को लेकर शुरू हुआ विवाद युवक की मौत तक पहुंच गया। घटना ने क्षेत्र में तनाव और आक्रोश की स्थिति पैदा कर दी थी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

दूसरे चरण के चुनाव में 261 वार्डों पर होगा मुकाबला, धवा पंचायत समिति से एक प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित; निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी बढ़ाई चुनावी सरगर्मी

जोधपुर की 17 पंचायत समितियों में 787 प्रत्याशी मैदान में, 216 ने वापस लिए नाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जिले की 17 पंचायत समितियों में दूसरे चरण के चुनाव को लेकर नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही चुनावी तस्वीर साफ हो गई है। सोमवार को नाम वापसी की अवधि समाप्त होने के बाद अब कुल 787 प्रत्याशी पंचायत समिति सदस्य का चुनाव लड़ेंगे। इस चरण में 216 अभ्यर्थियों ने अपने नाम वापस ले लिए, जबकि धवा पंचायत समिति से एक अभ्यर्थी निर्विरोध निर्वाचित हुआ है। नामांकन से लेकर नाम वापसी तक चली प्रक्रिया के बाद अब विभिन्न पंचायत समितियों के 261 वार्डों में चुनावी मुकाबले की स्थिति स्पष्ट हो गई है। चुनाव मैदान में बचे उम्मीदवारों के बीच अब अपने पक्ष में समर्थन जुटाने की कवायद तेज होने की संभावना है। जिले की आसोप, बावड़ी, भोपालगढ़, बिलाड़ा, धवा, हटुंडी, झंवर, कापरड़ा, केरू, लूणी, मंडोर, ओसियां, पीपाड़ शहर, सालवा खुर्द, सामराऊ, तिंवरी तथा उम्मेद नगर पंचायत समितियों के कुल 261 वार्डों के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी की गई थी। इन वार्डों में पंचायत समिति सदस्य बनने के लिए बड़ी



संख्या में अभ्यर्थियों ने दावेदारी पेश की थी। नाम वापसी के बाद अब संबंधित पंचायत समितियों में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की अंतिम संख्या सामने आ गई है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान कुल 1,309 अभ्यर्थियों ने 1,435 नामांकन प्रपत्र दाखिल किए थे। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान 386 प्रपत्र खारिज कर दिए गए, जबकि 45 प्रपत्र डिस्कार्ड किए गए। इसके बाद कुल 1,004 नामांकन प्रपत्र वैध पाए गए। निर्धारित अवधि में 216 अभ्यर्थियों ने नाम वापस ले लिए। वहीं, धवा पंचायत समिति से एक अभ्यर्थी निर्विरोध निर्वाचित हुआ। इन प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद अब जिले में 787 प्रत्याशी चुनावी मैदान में शेष हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान सामने आई दावेदारों की संख्या से स्पष्ट है कि पंचायत समिति सदस्य बनने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अभ्यर्थियों ने रुचि दिखाई। हालांकि, नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी के बाद चुनावी मुकाबले की वास्तविक स्थिति सामने आई है। अब संबंधित वार्डों में शेष प्रत्याशी मतदाताओं के बीच अपनी दावेदारी प्रस्तुत करेंगे। जोधपुर जिले की पंचायत समितियों में प्रत्याशियों की संख्या अलग-अलग है। आसोप में 56, बावड़ी में 53, भोपालगढ़ में 54, बिलाड़ा में 45, धवा में 36, हटुंडी में 45, झंवर में 46, कापरड़ा में 45 और केरू में 45 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। इसी तरह लूणी में 39, मंडोर में 54, ओसियां में 45, पीपाड़ शहर में 56, सालवा खुर्द में 50, सामराऊ में 38, तिंवरी में 42 और उम्मेद नगर में 38 प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सभी 17 पंचायत समितियों में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की संख्या तय हो गई है। विभिन्न पंचायत समितियों में उम्मीदवारों की संख्या में अंतर होने से अलग-अलग वार्डों में मुकाबले की स्थिति भी अलग रहेगी।

झसेवा भारती और राष्ट्र सेविका समिति का संयुक्त आयोजन, आठ सेवा बस्तियों की कन्याओं को आमंत्रित कर किया सम्मानित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर सेवा भारती और राष्ट्र सेविका समिति के संयुक्त तत्वावधान में आदर्श विद्या मंदिर रामझरोखा में कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। दुर्गा अष्टमी और नवमी के अवसर पर हुए इस आयोजन में 201 कन्याओं का विधिवत पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया। शहर की आठ सेवा बस्तियों से कन्याओं को विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कन्या सम्मान, संस्कार और सामाजिक सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला। सेवा भारती के जिलाध्यक्ष मधुसूदन त्रिवेदी ने बताया कि कन्या पूजन का यह आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। इसका उद्देश्य नवरात्रि के दौरान कन्याओं के सम्मान की परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ समाज में सेवा और समरसता की भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम में सेवा बस्तियों से आई कन्याओं की सहभागिता रही और सभी का सम्मानपूर्वक पूजन किया गया। मुख्य वक्ता चंपत मिस्त्री ने अपने संबोधन में कन्याओं के सम्मान को समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि कन्याओं के प्रति आदर और सम्मान की भावना को दैनिक जीवन में भी अपनाना चाहिए। ऐसे आयोजन समाज में संस्कार, सेवा और सम्मान के मूल्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. उषा पुरोहित और चित्रलेखा जोशी भी उपस्थित रहीं। आयोजन के दौरान 201 कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया।



स्टेडियम में 35-35 फीट के कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतले तैयार, उत्सव पर खर्च होंगे 5.71 लाख रुपए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

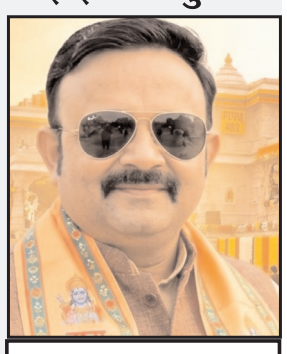
जालोर। शहर के आहोर रोड स्थित शाह पूंजाजी गेनाजी स्टेडियम में मंगलवार को दशहरा पर्व मनाया जाएगा। नगर परिषद की ओर से आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। स्टेडियम में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतले पहुंच चुके हैं तथा उन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस बार रावण का पुतला पिछले वर्षों की तुलना में करीब 10 फीट ऊंचा होगा। दशहरा उत्सव के आयोजन पर नगर परिषद की ओर से करीब 5.71 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इसमें ढाई लाख रुपए आतिशबाजी के लिए निर्धारित किए गए हैं। कार्यक्रम को लेकर शहरवासियों में उत्साह है। दशहरा उत्सव के लिए स्टेडियम में आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। पुतले पहुंचने के बाद उन्हें तैयार करने का काम अंतिम चरण में है। इस बार रावण के पुतले की ऊंचाई पिछले वर्षों के मुकाबले करीब 10 फीट अधिक रखी गई है। वहीं, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतले 35-35 फीट ऊंचे बनाए गए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार शाम 5:30 बजे रावण दहन किया जाएगा। इस बार रावण के पुतले का दहन रिमोट के जरिए किया जाएगा। आयोजन के दौरान आतिशबाजी भी होगी। नगर परिषद की ओर से कार्यक्रम को आकर्षक बनाने के लिए तैयारियां की जा रही हैं, ताकि शहरवासी दशहरा पर्व में शामिल होकर उत्सव का आनंद ले सकें। नगर परिषद की ओर से दशहरा उत्सव के आयोजन के लिए करीब 5.71 लाख रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। इसमें लगभग ढाई लाख रुपए आतिशबाजी पर खर्च किए जाएंगे। पुतलों की व्यवस्था, आयोजन और अन्य तैयारियों को लेकर नगर परिषद की ओर से काम किया जा रहा है। दशहरा पर्व पर स्टेडियम में शहरवासियों के पहुंचने की संभावना है। दशहरा उत्सव में मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, नगर परिषद सभापति बंशीलाल माली, उपसभापति मुमताज अली और शिवपाल सिंह अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।





ईंटों का घर या प्यार का घोंसला?

सिर्फ़ इसलिए कि घर बड़ा है, कोई यह नहीं कह सकता कि कोई इंसान खुश है!



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आज के 21वीं सदी के मॉडर्न, तेज़-तर्रार और मैटेरियलिस्टिक ज़माने में, कामयाबी, खुशहाली और खुशी की परिभाषाएँ पूरी तरह बदल गई हैं। आज समाज में किसी इंसान का मूल्यांकन उसके कल्चर, कैरेक्टर या मन की शांति के आधार पर नहीं, बल्कि उसके बंगले के साइज़ कार के मॉडल और बैंक बैलेंस के आधार पर किया जाता है। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि 'सिर्फ़ बड़ा घर होना या ईंटों और सीमेंट की महंगी बिल्डिंग बनाना कभी भी किसी इंसान को खुश नहीं कह सकता।' घर जितना बड़ा होगा, उसके अंदर रहने वाले लोगों का दिल उतना ही बड़ा होगा, वे अपनी ज़िंदगी में उतने ही कम खुश और शांत होंगे। 1. 'हाउस' और 'होम' में बड़ा फ़र्क: मार्बल हाउस या प्यार की दुनिया?

इंग्लिश लिटरेचर में एक बहुत ही सुंदर और दिल को छू लेने वाली कहावत है– 'पैसे से घर तो खरीद सकते हैं, लेकिन घर नहीं।' (आप करोड़ों रुपये खर्च करके ईंट, पत्थर और मार्बल का घर खरीद सकते हैं, लेकिन प्यार, इमोशन और प्यार से भरा 'घर' कभी भी पैसे से नहीं खरीदा जा सकता)।

ईंट और इटैलियन मार्बल का घर: एक बड़ा घर सिर्फ़ आपकी फाइनेंशियल कैपेसिटी, कमाई और सोशल स्टेटस का घमंड दिखाता है।

दिल और इमोशन का घोंसला: सच्ची खुशी घर के एरिया (स्क्वायर फीट) में नहीं, बल्कि घर में रहने वाले परिवार के सदस्यों के बीच आपसी समझ, सम्मान, हंसी-मज़ाक और संतुष्टि में मापी जाती है।

आज हमारे आस-पास ऐसे कई उदाहरण हैं जहाँ एक वर्किंग क्लास या मिडिल क्लास परिवार, एक छोटे से घर या मिट्टी के घर में एक साथ बैठकर, शाम को रोटी खाकर और खुशी-खुशी बातें करते हुए, उन अमीरों से हज़ार गुना ज़्यादा खुश और अमीर है जो करोड़ों के आलीशान बंगलों में अकेले ज़िंदगी जीते हैं या जो दिन-रात घरेलू झगड़ों और कोर्ट-कचहरी के झगड़ों से जूझते रहते हैं। 2. बड़े घर का जुनून और बढ़ती मानसिक चिंताओं का बोझ आज के दिखावे के ज़माने में, इंसान 'समाज में दिखावा' करने के लिए बड़ा घर खरीदने की अंधी दौड़ में अपनी पूरी ज़िंदगी कुर्बान कर देता है। बैंक से करोड़ों का लोन लेना, हर महीने EMI भरने की चिंता में दिन-रात कॉर्पोरेट का गुलाम बने रहना और मानसिक तनाव झेलना आज की कड़वी सच्चाई बन गई है।लग्ज़री लाइफस्टाइल बनाए रखने का दबाव: घर के इंटीरियर, झूमर और AC के रखरखाव के पीछे लगातार पानी की तरह पैसा बहाना पड़ता है। रिश्तों और परिवार के लिए समय की कमी: पैसे कमाने की अंधी दौड़ में, माता-पिता, जीवनसाथी या बच्चों के साथ दो मिनट बैठकर प्यार से बात करने का समय नहीं मिलता।

अकेलापन, डिप्रेशन और नींद न आना: आज के समय में बहुत से लोगों के पास बड़ा हॉल या होम थिएटर तो है, लेकिन मन की शांति गायब है। कीमती और आरामदायक मेमोरी-फ़ोम डबल बेड तो है, लेकिन देर रात तक कीमती नींद लेने के लिए नींद की गोलियाँ खानी पड़ती हैं! तो फिर इतने बड़े घर का क्या मतलब?

3. ह्यूमन साइकोलॉजी: अंदरूनी खुशी बनाम दुनियावी दौलत

साइकोलॉजी भी कहती है कि दुनियावी चीज़ों से मिलने वाली खुशी कुछ समय के लिए होती है। नया बड़ा घर खरीदने के बाद, उसकी खुशी छह महीने या एक साल तक रहती है, लेकिन उसके बाद अगर घर में प्यार और रौनक न हो तो इंसान फिर से खालीपन महसूस करता है।

सच्ची और हमेशा रहने वाली खुशी दुनियावी चीज़ों के जमावड़े में नहीं, बल्कि अंदरूनी सोच और अच्छे इंसानी रिश्तों में छिपी होती है परिवार का सच्चा सहारा:

मुश्किल समय में, घर के सभी सदस्य एक-दूसरे का हाथ थामे ढाल बनकर खड़े होते हैं।

हेल्थ और मेंटल हेल्थ: किसी भी गंभीर बीमारी से मुक्त शरीर और चिंताओं से मुक्त मन इस दुनिया के सबसे बड़े और सबसे कीमती गहने हैं।

एक संतुष्ट आदमी हमेशा खुश रहता है: जो इंसान वर्तमान में जीता है, उसके पास जो कुछ भी है उसके लिए भगवान का शुक्रगुजार है, वही इस धरती पर सच्चा और सच्चा अमीर आदमी है।

एक घर ईंटों, सीमेंट, लाइट और मार्बल से तो दिखने में अच्छा और सुंदर बन सकता है, लेकिन उसमें रहने वाले लोगों की मीठी बातें, अच्छाइयां, त्याग और आपसी प्यार ही उसे 'स्वर्ग' बनाते हैं। बड़ा घर बनाना या लग्ज़री ज़िंदगी जीना कभी पाप या बुरा नहीं होता, लेकिन 'बड़े घर को ही खुशी, कामयाबी और आनंद का आखिरी पैमाना मानना इंसानियत का सबसे बड़ा वहम है। 'जिस दिन हमारा दिल बड़ा हो जाएगा, घर से ईगो और झगड़ा खत्म हो जाएगा, और हमारे रिश्तों में मिठास आ जाएगी, उसी पल हमारा आंगन सच में खुशी और शांति की धूप से चमक उठेगा!

वीरता की पराकाष्ठा जिसने गायों की रक्षा के लिए मंडप में 3 बार अपना सिर कटाया

श्री भाथीजी महाराज का सच्चा और अमर इतिहास!



शादी की चोरी छोड़कर धर्म की रक्षा के लिए निकल पड़ने वाला योद्धा फागवेल के वीर भाथीजी की बलिदान कथा, जिन्होंने बिना धड़ के भी क्षत्रिय योद्धा बनकर दुश्मनों का नाश किया खास ऐतिहासिक विवरण गुजरात की पवित्र भूमि वचन, साथ, वीरता और गोरक्षा के लिए बलिदान देने वाले अनगिनत वीरों और संतों की भूमि रही है। लेकिन आज भी खेड़ा जिले के फागवेल गांव में पूजे जाने वाले लोक देवता श्री भाथीजी महाराज का इतिहास सुनकर छोटे-बड़े सभी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। शादी की चोरी में काले मुंह वाले दुश्मनों से बहादुरी से लड़ने और उनका सिर कलम करने वाले भाथीजी महाराज का बलिदान, अपनी जीवन साथी के साथ सिर्फ 3 फेरे लेने के बाद, और जब चौथा फेरा बाकी रह गया था, दुनिया के इतिहास में अनोखा है। 1. भाथीजी महाराज का जन्म और गौ भक्ति की संस्कृति

श्री भाथीजी महाराज का जन्म खेड़ा जिले के कपड़वंज तालुका के फागवेल गांव में राठौड़ राजपूत परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम तख्तसिंहजी और माता का नाम कंकुबा था। भाथीजी बचपन से ही बहुत होशियार, धार्मिक, दयालु और क्षत्रिय भक्ति से भरे हुए थे।

उनके दिल में गायों के लिए बहुत प्यार था। उन दिनों गायों की रक्षा करना क्षत्रियों का सबसे बड़ा धर्म माना जाता था, उन्हें सिर्फ जानवर ही नहीं बल्कि 'जगनमाता' भी माना जाता था। भाथीजी के लिए गायों की रक्षा उनकी अपनी जान से भी ज़्यादा ज़रूरी थी।

2. शादी की चोरी में 3 फेरे हुए और गायों के अपहरण का शोर मच गया!

श्री भाथीजी महाराज की शादी बायड तालुका के सालपुरा गांव में कंकुबा नाम की एक राजपूत लड़की से तय हुई थी। बारात बड़ी धूमधाम से सालपुरा पहुंची, मंडप बनाया गया और चार शुभ फेरे शुरू हुए। भाथीजी ने दूल्हे के वेश में पहला, दूसरा और तीसरा फेरा पूरा किया।

ठीक जब चौथा फेरा पूरा होने वाला था, मंडप के बाहर से चीख-पुकार और चीख-पुकार मच गई!

मुस्लिम हमलावरों और हमलावरों ने गाँव से अनगिनत गायें चुरा ली थीं और ग्वाले मदद के लिए रो रहे थे।

बिना एक पल की देरी किए, दूल्हे के वेश में भाथीजी ने अपने हाथ से पगड़ी छोड़ी और म्यान से तलवार निकाली। बड़े-बुज़ुर्गों और रिश्तेदारों ने कहा, 'चौथा फेरा पूरा करो, फिर जाओ', लेकिन बहादुर भाथीजी ने कहा: 'जो क्षत्रिय अपनी खुशी के लिए गायों को कत्लखाने जाने देगा, उसकी जान चली जाएगी! गायें मेरी माँ हैं, उनकी रक्षा मेरा पहला फ़र्ज़ है।'

3. बिना धड़ के लड़ने वाला योद्धा: युद्ध के मैदान में एक बड़ा चमत्कार हुआ!

भाथीजी महाराज दूल्हे के वेश में घोड़े पर सवार होकर हमलावरों के पीछे दौड़े। फागवेल की सीमा के पास दुश्मनों से भयंकर युद्ध हुआ। भाथीजी की तलवार ने काले चेहरे वाले हमलावरों का सफाया कर दिया।

युद्ध के दौरान दुश्मनों ने धोखे से भाथीजी महाराज का सिर धड़ से अलग कर दिया! लेकिन युद्ध के मैदान में एक अलौकिक चमत्कार हुआ - सिर कटने के बाद भी भाथीजी का धड़ तलवार को भेदता रहा और दुश्मनों का नाश करता रहा। बिना धड़ के लड़ते हुए इस वीर के भयानक रूप ने हमलावरों में डर का माहौल बना दिया और वे गायों को छुड़ाकर भाग गए।

गाएं सुरक्षित अपने गांव लौट गईं, उसके बाद ही वीर भाथीजी का धड़ फागवेल की पवित्र धरती पर गिरा!

4. फागवेल धाम: आज भी लाखों भक्तों की आस्था का केंद्र फागवेल, जहां वीर भाथीजी महाराज का बलिदान हुआ था, आज पूरे भारत में एक प्रसिद्ध और पवित्र स्थान बन गया है। कार्तिक पूनम के दिन फागवेल में एक बड़ा मेला लगता है, जहाँ लाखों भक्त भाथीजी महाराज के चरणों में सिर झुकाने आते हैं।

दर्द और ज़हर दूर करना ऐसा माना जाता है कि भाथीजी महाराज के घर की मिट्टी या पत्थर ज़हरीले कीड़ों या साँप के ज़हर को दूर भगाते हैं। सच्चाई और बहादुरी की निशानी: भाथीजी महाराज को आज भी 'ग्वालों के रक्षक' और 'दुखियों के मसीहा' के तौर पर पूजा जाता है। श्री भाथीजी महाराज सिर्फ़ एक ऐतिहासिक किरदार या लोक देवता नहीं हैं, बल्कि वे भारतीय संस्कृति, गोरक्षा, संस्कृति और क्षात्रत्व के अमर प्रतीक हैं। आज जब समाज स्वार्थ और भौतिकवाद की ओर भाग रहा है, तो श्री भाथीजी महाराज का इतिहास, जिन्होंने 3 बार परिक्रमा करके भी अपने धर्म और गायों के लिए अपनी जान दे दी, हमें प्रेरणा देता है और सही रास्ता दिखाता है।

भारतीय राजनीति की बड़ी उलझन: RSS कोई पॉलिटिकल पार्टी नहीं है, फिर भी विपक्ष का पूरा खेल उसके नाम पर क्यों खेला जाता है?

खास पॉलिटिकल कमेंट्री भारतीय राजनीति की धुरी आज ऐसे दिलचस्प और हैरान करने वाले मोड पर आ गई है, जहाँ सरकार और विपक्ष दोनों के तार किसी न किसी तरह एक ही संगठन से जुड़े हुए हैं। यह अब कोई राज़ नहीं रहा कि BJP और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। लेकिन सबसे बड़ा धमाका और कटाक्ष विपक्षी खेमे में देखने को मिलता है। RSS, जो खुद को एक नॉन-पॉलिटिकल कल्चरल संगठन कहता है, पूरी भारतीय राजनीति उसी के इशारे और उसी के नाम के इर्द-गिर्द घूमती दिखती है!

1. **विपक्षी पार्टियों पर सनसनीखेज लेबल:** कौन किसकी 'B-टीम' है?

अगर हम आज की पॉलिटिकल बहसों, सोशल मीडिया और पब्लिक ओपिनियन को देखें, तो एक बहुत ही दिलचस्प तस्वीर सामने आती है। देखिए समाज और क्रिटिक्स के बीच अलग-अलग पॉलिटिकल पार्टियों को लेकर क्या गंभीर आरोप और राय हैं:

कांग्रेस: क्रिटिक्स और हार्डलाइनर्स कांग्रेस को 'RSS की मां' के तौर पर दिखाते हैं, क्योंकि संघ के फाउंडर डॉ. हेडगेवार कभी कांग्रेस में एक्टिव थे और वहीं से आज़ादी की लड़ाई का रोल बना।

आम आदमी पार्टी: लोकपाल मूवमेंट से बनी AAP को अक्सर 'RSS की B-टीम' कहा जाता है।

BSP और आज़ाद समाजवादी पार्टी-दलित पॉलिटिक्स करने वाली इन पार्टियों पर भी चुनावों के दौरान इनडायरेक्टली RSS के एजेंडा में मदद करने या 'B-टीम' होने का आरोप लगता है। चुनावों में ओवैसी के तीखे भाषणों और वोट बंटवारे की टैक्टिक्स की वजह से, विरोधी पार्टियां उन्हें घेर रही हैं, उन्हें 'RSS-BJP B-टीम' कह रही हैं। बड़ी अजीब बात यह है कि देश की लगभग सभी विपक्षी पार्टियों का नाम किसी न किसी तरह से उसी संगठन से जुड़ा है, जो खुद चुनाव नहीं लड़ता। इससे यह साबित होता है कि भारतीय राजनीति पर RSS का एक अनदेखा लेकिन ताकतवर असर है!

2. **नफ़रत और विरोध के बीच का अंतर:** क्या विपक्ष एक हो सकता है? एक और बहुत हैरान करने वाली बात यह है कि एक-दो अपवादों को छोड़कर, लगभग सभी विपक्षी पार्टियों के समर्थक और कट्टरपंथी RSS की विचारधारा से नफ़रत करते हैं और उसका खुलकर विरोध करते हैं।

यहां एक बहुत ही जानलेवा और बड़ा सवाल उठता है 'क्या होगा अगर हर विपक्षी पार्टी, अपने समर्थकों की इस गहरी भावना और गुस्से का सम्मान करते हुए, अपना ईगो छोड़कर एक हो जाए? अगर सभी विपक्षी पार्टियां सच में RSS और BJP को 'एक ही सिक्के के दो पहलू' मानकर, अपने अंदरूनी झगड़ों और 'B-टीम' के आरोपों को भूलकर, उनकी विचारधारा के खिलाफ़ एकजुट हो जाएं, तो भारतीय राजनीति में भूचाल आ सकता है। लेकिन असलियत यह है कि हर पार्टी दूसरी पार्टी को RSS का एजेंट बताकर अपने ही वोट बांट रही है, जिसका सीधा फ़ायदा सत्ताधारी पार्टी को हो रहा है।

भारतीय राजनीति की दुखद बात यह है कि RSS का विरोध करके अपनी राजनीति चमकाने वाली पार्टियां एक-दूसरे पर RSS का साथी होने का आरोप लगाती हैं। जब तक यह सिलसिला नहीं टूटता और विपक्षी पार्टियां अपने कार्यकर्ताओं की भावनाओं को समझकर एक मजबूत विकल्प नहीं देतीं, तब तक भारतीय राजनीति के केंद्र में RSS का असर बना रहेगा और 'BJP-RSS' की जोड़ी सत्ता के शिखर पर अजेय दिखती रहेगी!

कोडिनार में राजनीतिक शपथ लेकर गुंडे: सोमनाथ महादेव मंदिर के पास एक विधवा की ज़मीन हड़पने के लिए पुलिस की मौजूदगी में तोड़फोड़!

कोडिनार/गिर सोमनाथ एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है कि सोमनाथ महादेव के पवित्र स्थान के पास कोडिनार में, सत्ता और राजनीतिक समर्थन से खाकी वर्दी वालों की मौजूदगी में गुंडों का नंगा नाच हो रहा है। राजनीतिक आकाओं के इशारे पर गुंडों ने एक बेबस और कानून का पालन करने वाली विधवा की करोड़ों रुपये की प्राइवेट ज़मीन और पेट्रोल पंप की जगह पर कब्ज़ा करने के लिए पुलिस की मौजूदगी में तोड़फोड़ की है। इतना ही नहीं, इस बात से पूरे इलाके में गुस्सा है कि इस विधवा और जो नामी मैनेजर कानूनी तौर पर अपनी ज़मीन छोड़ने को तैयार नहीं थे, उनके खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट को हथियार बनाकर इस्तेमाल किया गया और उनके खिलाफ पूरी तरह से मनगढ़ंत शिकायतें दर्ज की गई हैं! 1. राजनीतिक वजहों से विधवा की ज़मीन हड़पने का काला खेल!

मिली जानकारी के मुताबिक, कोडिनार तालुका के चौहान के माइनिंग एरिया में रहने वाली लाभुबेन संजयभाई चौहान (एक विधवा) की ज़मीन और हार्दिक पेट्रोलियम की जगह पर लंबे समय से दबंग लोगों की गंदी नज़र थी। ज़मीन की मालकिन लाभुबेन चौहान के साथ-साथ हार्दिक पेट्रोलियम के ऑथराइज़्ड मैनेजर मंजुलाबेन अश्विनभाई चौहान और अश्विनभाई वजुभाई चौहान गाँव में बहुत इज्ज़तदार और शांति पसंद नागरिक माने जाते हैं।

जब विधवा ने राजनीतिक दबाव में आकर अपनी कानूनी ज़मीन देने से मना कर दिया, तो साज़िश करने वालों ने बहुत ही घटिया खेल खेला:

जयाबेन मानसिंगभाई लेडा और उनके बेटे जयेशभाई मानसिंगभाई लेडा नाम के एक परिवार को आगे करके विधवा और मैनेजरों के खिलाफ जाति के आधार पर बेइज्जती की मनगढ़ंत कहानी बनाई गई।

ज़मीन हड़पने के इरादे से विधवा और बेगुनाह मैनेजरों के खिलाफ पूरी तरह से मनगढ़ंत और झूठी जुल्म की शिकायत दर्ज कराई गई। इससे पहले भी इसी ग्रुप ने विधवा को इसी तरह की झूठी शिकायतें करके मेंटली टॉर्चर करने की कोशिश की थी।

1. खाकी के सामने बदमाशी: कलेक्टर और गवर्नर से वीडियो सबूत के साथ शिकायत!

सबसे शर्मनाक और चिंता की बात यह है कि धूर्त और असामाजिक तत्व, जिनका इस ज़मीन या पेट्रोल पंप पर कोई कानूनी हक नहीं है, पुलिस की मौजूदगी में गैर-कानूनी तरीके से ज़मीन में घुस गए! 14/10/2026 को इन असामाजिक तत्वों ने प्रॉपर्टी पर गैर-कानूनी तरीके से कब्ज़ा करने के लिए तोड़फोड़ की और गुंडागर्दी की, जिसके CCTV और वीडियो रिकॉर्डिंग सबूत भी एडमिनिस्ट्रेशन को सौंप दिए गए हैं।

इस गुंडागर्दी के खिलाफ, अश्विनभाई चौहान ने पीड़ित और गांव वालों की तरफ से गवर्नर को एक पिटीशन भेजी है और कोडिनार ममलतदार को भेजी है, जिसकी एक ऑफिशियल कॉपी माननीय राष्ट्रपति (राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली) को भी तुरंत कानूनी कार्रवाई के लिए भेजी गई है!

पिटीशन में ये मज़बूत मांगें की गई हैं:

1. गैर-कानूनी एंट्री पर रोक: किसी भी हालत में गैर-कानूनी लोगों और लैंड माफिया को विधवा की ज़मीन या पेट्रोल पंप की जगह पर घुसने से रोकने के लिए तुरंत सख्त रोक लगाई जाए।

2. झूठी एट्रोसिटी कंप्लेंट खारिज की जाए: सुप्रीम कोर्ट के तय फैसलों के मुताबिक, प्रॉपर्टी या ज़मीन हड़पने के लिए बदले की भावना से की गई झूठी एट्रोसिटी कंप्लेंट कानून की नज़र में टिक नहीं सकती, इसलिए इस साज़िश वाली कंप्लेंट को तुरंत (ऑफिस में) खारिज किया जाए।

3. पुलिस प्रोटेक्शन और अपराधियों के खिलाफ एक्शन: पीड़ित विधवा और उसके परिवार को पॉलिटिकल प्रेशर के खिलाफ हथियारबंद पुलिस प्रोटेक्शन दी जाए और कानून का गलत इस्तेमाल करने वाले बेशर्म लोगों के खिलाफ केस दर्ज करके जेल भेजा जाए।

कोडिनार के गांववालों और नेताओं ने साफ चेतावनी दी है कि अगर 7 दिनों के अंदर एक बेबस विधवा और बेगुनाह परिवार को इंसाफ नहीं मिला और लीगल रिपोर्ट जमा नहीं की गई, तो पूरे तालुका के गांववाले गांधी चिंध्या मार्ग पर सड़कों पर उतरकर जमकर प्रोटेस्ट करेंगे। 'पाको गुजरात' उन पॉलिटिकल बॉस और उनके गुंडों से सीधा सवाल पूछता है जो सत्ता के नशे में चूर होकर विधवा की ज़मीन की तरफ़ आँखें मूंद रहे हैं - क्या गुजरात में लॉ एंड ऑर्डर का राज है या पॉलिटिकल असर वाले लैंड माफियाओं का काला कानून बेलगाम चल रहा है? अगर एडमिनिस्ट्रेशन ने इस मामले में तुरंत दखल देकर इस साज़िश का पर्दाफ़ाश नहीं किया, तो यह तय है कि आने वाले दिनों में कोडिनार की धरती से जनता के गुस्से का एक बड़ा धमाका होगा!

आज का राशिफल

(बुधवार)21 अक्टूबर 2026



थरूर का रिजिजू पर पलटवार, बोले- भारत न बांग्लादेश है, न फ्रांस; सत्ता परिवर्तन की साजिश से किया इनकार

नई दिल्ली कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के सत्ता परिवर्तन की कथित साजिश को लेकर लगाए गए आरोपों पर जवाब देते हुए कहा कि भारत न बांग्लादेश है और न ही फ्रांस। उन्होंने दोनों देशों में हुई घटनाओं से भारत की तुलना को अप्रासंगिक बताते हुए स्पष्ट किया कि विपक्ष का उद्देश्य किसी सरकार को गिराना या सत्ता परिवर्तन करना नहीं है। थरूर ने कहा कि विपक्ष शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में विश्वास करता है और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को वापस लेने की मांग लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकारों से जुड़ी है।

थरूर ने फ्रांस में बसों और पुलिस थानों को आग लगाने जैसी हिंसक घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी हिंसा को किसी भी परिस्थिति में सही नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि विपक्ष शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने में विश्वास करता है। वह स्वयं भी ऐसे प्रदर्शनों में शामिल रहे हैं। थरूर के मुताबिक, 'रिजीम चेंज' जैसे शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का कोई औचित्य नहीं है। इन शब्दों का अर्थ किसी सरकार को गिराने या सत्ता परिवर्तन की साजिश से जोड़ना गलत है।

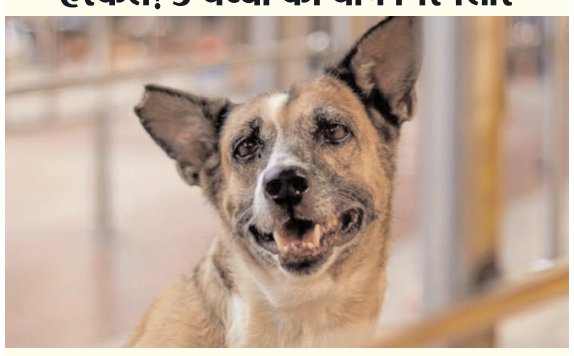
थरूर ने कहा कि लोकतंत्र किसी की ओर से दिया गया उपहार नहीं है, बल्कि भारत के नागरिक इसके संरक्षक हैं। प्रत्येक भारतीय नागरिक को अपने लोकतंत्र की रक्षा करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि विपक्ष चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं से अपेक्षा कर रहा है कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन संविधान के अनुरूप करें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि संस्थाओं को चुनौती देना उनका उद्देश्य नहीं है। सवाल उनके काम करने के तरीके और आचरण को लेकर हैं। थरूर ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही पर चर्चा करना जरूरी है और इस विषय पर देश के सभी नागरिकों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर थरूर ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में लोगों के नाम परेशान करने वाली, अनियमित और आंशिक रूप से अवैध प्रक्रिया के जरिए मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसी वजह से पूरी प्रक्रिया को वापस लेने की मांग कर रहा है। थरूर ने जोर देकर कहा कि यह संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा मुद्दा है। इसका किसी सरकार को गिराने या सत्ता परिवर्तन की कोशिश से कोई संबंध नहीं है। उनके अनुसार, मतदाता सूची और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। विपक्ष की मांग को सत्ता परिवर्तन की साजिश के रूप में पेश करना उचित नहीं है। रिजिजू ने फ्रांस और बांग्लादेश का दिया था उदाहरण इससे पहले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने आरोप लगाया था कि फ्रांस और बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं जैसी साजिश भारत में भी रचने की कोशिश की गई। उन्होंने दावा किया कि कुछ नेताओं ने युवाओं को भड़काने और सड़कों पर हिंसा फैलाने का प्रयास किया। रिजिजू ने 18 अक्टूबर को सोशल मीडिया मंच एक्स पर राहुल गांधी और नेहा बोरा का एक वीडियो साझा किया था। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा था कि भारत में सत्ता परिवर्तन केवल चुनावों के जरिए हो सकता है, किसी बाहरी प्रभाव या जॉर्ज सोरोस के माध्यम से नहीं। उनके बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई। विवाद की पृष्ठभूमि में 14 अक्टूबर को सामने आया नेहा बोरा का एक वीडियो भी है। उन्होंने बांग्लादेश के सोशलिस्ट स्टूडेंट्स फ्रंट (एसएसएफ) के छठे केंद्रीय सम्मेलन के लिए वीडियो संदेश भेजा था। इसमें उन्होंने कहा था कि भारत का जेन-जी आंदोलन बांग्लादेश के आंदोलन से प्रेरित है और वहां के युवाओं ने भारत के युवाओं को रास्ता दिखाया है। नेहा बोरा ने अपने संदेश में बांग्लादेश के आंदोलन को लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकारों की लड़ाई बताया था। उन्होंने कहा था कि भारत में युवा भी लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने बांग्लादेश में युवाओं के धार्मिक कट्टरपंथ के



विरोध का उल्लेख करते हुए भारत में भी इसी तरह की लड़ाई चलने की बात कही थी। उन्होंने अपने संदेश में ढाका विश्वविद्यालय और जहांगीरनगर विश्वविद्यालय में कथित धमकियों और हमलों का जिक्र किया था। साथ ही भारत के शिक्षण संस्थानों में छात्रों के अधिकारों पर रोक, शिक्षा के निजीकरण, संस्थानों के भगवाकरण और आलोचनात्मक सोच को दबाने जैसे मुद्दे उठाए थे। इस के सामने आने के बाद विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए। रिजिजू ने इसे युवाओं को भड़काने और हिंसा से जुड़ी कथित साजिश के आरोपों के संदर्भ में साझा किया, जबकि थरूर ने सत्ता परिवर्तन की कोशिश के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने दोहराया कि एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाना और उसे वापस लेने की मांग करना लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा विषय है, न कि किसी सरकार को गिराने की कोशिश।

अमरोहा में फीमेल डॉग के साथ घिनौनी हरकत! 3 बच्चों का बाप गिरफ्तार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरोहा। जिले के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में मादा कुत्ते के साथ अमानवीय कृत्य किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 50 वर्षीय आरोपी शकील उर्फ पप्पू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, घटना हसनपुर क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि यह घटना कुछ समय पुरानी है, लेकिन हाल ही में पास की एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का वीडियो सामने आया। दुकानदार ने वीडियो अपने कुछ परिचितों को भेजा था, जिसके बाद यह सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और जांच शुरू की। हसनपुर कोतवाली पुलिस ने वीडियो के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी शकील उर्फ पप्पू को गिरफ्तार किया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सरोहा के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपी ने दावा किया कि उसने शक्तिवर्धक दवा ली थी। हालांकि, पुलिस ने इस दावे को कृत्य का औचित्य नहीं माना और मामले में कानूनी कार्रवाई की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को जांच के लिए साक्ष्य के रूप में अपने कब्जे में लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किए जाने की कार्रवाई की गई। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

टोल प्लाजा पर पलटा ऑक्सीजन सिलेंडरों से लदा लोडर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। प्रयागराज मार्ग पर निगोहां-बछरावां टोल प्लाजा के पास ऑक्सीजन सिलेंडरों से लदा एक लोडर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे के बाद सिलेंडरों से गैस का रिसाव होने लगा, जिससे टोल प्लाजा से गुजर रहे वाहन चालकों और यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। अचानक हुई इस घटना से मौके पर मौजूद लोग घबरा गए। ऑक्सीजन सिलेंडरों से लदे वाहन के पलटने और गैस रिसाव की जानकारी सामने आने के बाद घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगा। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।बी जानकारी के अनुसार, लोडर लखनऊ की ओर से आ रहा था। इसी दौरान निगोहां-बछरावां टोल प्लाजा के पास वाहन डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर के बाद ऑक्सीजन सिलेंडरों से लदा लोडर सड़क पर पलट गया। वाहन के पलटते ही सिलेंडरों से गैस का रिसाव शुरू हो गया। टोल प्लाजा से गुजर रहे वाहन चालकों और उनमें सवार लोगों को जब स्थिति का पता चला तो वहां कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अचानक हुई घटना के कारण लोग घबरा गए और हादसे को लेकर मौके पर चर्चा शुरू हो गई। घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल फोन से हादसे का वीडियो बना लिया। अब यही वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वायरल वीडियो के साथ घटना 15 अक्टूबर की बताई जा रही है। हालांकि, घटना की परिस्थितियों और हादसे के बाद की स्थिति को लेकर उपलब्ध जानकारी सीमित है। राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की सूचना सामने नहीं आई है। ऑक्सीजन सिलेंडरों से भरे वाहन का पलटना और गैस का रिसाव होना सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर स्थिति पैदा कर सकता था। टोल प्लाजा जैसे व्यस्त मार्ग पर इस तरह की घटना से गुजरने वाले वाहन चालकों और यात्रियों के बीच दहशत फैलना स्वाभाविक है। घटना के वीडियो के प्रसारित होने के बाद मामला चर्चा में है। वहीं, टोल प्लाजा प्रबंधन की ओर से किसी विधिक कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है।



लखनऊ में पत्नी से विवाद होने पर वनकर्मी ने गोमती नदी में लगाई छलांग



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के गोमतीनगर इलाके में रिवर फ्रंट पर सोमवार देर रात वन विभाग में कार्यरत 38 वर्षीय कर्मचारी आशीष कुमार के गोमती नदी में छलांग लगाने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमें मौके पर पहुंचीं और नदी में तलाशी अभियान शुरू किया। खबर लिखे जाने तक कर्मचारी का कोई सुराग नहीं मिल सका था। नदी में जलस्तर और बहाव तेज होने के कारण बचाव दल को तलाश में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गोमतीनगर थाना प्रभारी बृजेश चंद्र तिवारी के अनुसार, आशीष कुमार मूल रूप से लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के निलमथा इलाके के निवासी हैं और वन विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं। परिजनों से मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, सोमवार दोपहर किसी बात को लेकर उनका पत्नी से विवाद हुआ था। इसके बाद वह बाइक से गोमतीनगर पहुंचे और नदी में कूदने की कोशिश की। हालांकि, परिजनों के समय पर पहुंचने और समझाने के बाद वह घर लौट आए थे। बताया गया कि रात करीब 8 बजे आशीष ने परिजनों को बिना बताए मोबाइल से कैब या बाइक राइड बुक की और दोबारा गोमतीनगर स्थित रिवर फ्रंट पहुंच गए। वहां रेलिंग के पास से उन्होंने नदी में छलांग लगा दी। घटना के समय मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। जानकारी मिलते ही गोमतीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। घटना की सूचना मिलने पर परिजन भी रिवर फ्रंट पहुंचे। पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें मोटरबोट, सर्च लाइट और स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में तलाश कर रही हैं। तेज बहाव के कारण तलाशी अभियान में दिक्कतें आ रही हैं। पुलिस के अनुसार, संभावित स्थानों पर खोजबीन की जा रही है। कर्मचारी के नदी में गिरने के बाद से उनकी तलाश जारी है।

गुना में बेमौसम मूसलाधार बारिश का कहर, मंडियों में बह गई मक्का की फसल, किसानों और व्यापारियों को लाखों का नुकसान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में रविवार शाम मौसम ने अचानक करवट ली और मूसलाधार बारिश ने किसानों, व्यापारियों तथा नवरात्र आयोजन समितियों की मुश्किलें बढ़ा दीं। शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आधे घंटे से अधिक समय तक हुई तेज बारिश से कई मुख्य सड़कों पर पानी भर गया। सबसे ज्यादा नुकसान कृषि उपज मंडी में खुले में रखी मक्का को हुआ, जहां बारिश के पानी के तेज बहाव में बड़ी मात्रा में मक्का बहकर नालियों तक पहुंच गई। शुरुआती अनुमान के अनुसार, इस घटना से व्यापारियों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं, खेतों में कटी पड़ी फसल भी भीग गई, जिससे उसकी गुणवत्ता खराब होने और दानों में सड़न लगने की आशंका बढ़ गई है। अचानक हुई बारिश ने शहर में चल रहे नवरात्र आयोजनों को भी प्रभावित



किया। गुना कृषि उपज मंडी में व्यापारियों ने पिछले कुछ दिनों में खरीदी गई मक्का को सुखाने के लिए खुले परिसर में ढेर लगाकर रखा था। मौसम साफ रहने की उम्मीद के बीच मक्का को खुले में रखा गया था, लेकिन रविवार शाम अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। देखते ही देखते मंडी परिसर में पानी भरने लगा और तेज बहाव के साथ मक्का बहकर नालियों में पहुंच गई। हालात ऐसे हो गए कि व्यापारियों और उनके कर्मचारियों को नुकसान से बचाने के लिए तुरंत मक्का समेटने की कोशिश करनी पड़ी। देर रात तक व्यापारी और उनके मुनीम नालियों में पहुंची भीगी मक्का को निकालकर एकत्र करते दिखाई दिए। अचानक आई इस आफत से मंडी में कारोबार करने वाले व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। बारिश से मंडी में रखी मक्का के बह जाने के साथ ही खेतों में तैयार फसल पर भी मौसम की मार पड़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई किसानों की मक्का की फसल कटकर खेतों में पड़ी थी। तेज बारिश के कारण यह फसल भीग गई। किसानों को आशंका है कि यदि फसल में नमी लंबे समय तक बनी रही तो दानों में सड़न और फफूंद लगने की समस्या हो सकती है। इससे मक्का की गुणवत्ता प्रभावित होने के साथ बाजार में उसकी कीमत भी कम मिल सकती है। जिन किसानों ने मेहनत से फसल तैयार की थी, उनके सामने अब उपज को सुरक्षित रखने और संभावित नुकसान से बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। कृषि उपज मंडी में मक्का बहने और खेतों में फसल भीगने से किसान तथा व्यापारी नुकसान की भरपाई को लेकर चिंतित हैं। मंडी में खुले में रखी उपज पर अचानक हुई बारिश का असर यह दिखाता है कि मौसम में बदलाव के दौरान कृषि उत्पादों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था कितनी महत्वपूर्ण है। फिलहाल नुकसान की वास्तविक मात्रा का आकलन नहीं हुआ है। व्यापारियों को हुए नुकसान और किसानों की प्रभावित फसल का सही आंकड़ा संबंधित विभागों के सर्वे के बाद ही सामने आ सकेगा। रविवार शाम हुई तेज बारिश का असर केवल मंडी और खेतों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शहर में चल रहे नवरात्र आयोजनों की व्यवस्थाएं भी प्रभावित हुईं। जगह-जगह सजाए गए पंडालों और झांकियों को बारिश से बचाने के लिए आयोजकों को मशक्कत करनी पड़ी।

मेले में परिवार के साथ खाया था चाउमीन, सांस की नली में भोजन फंसने की आशंका; अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

कासगंज में मां चामुंडा के दर्शन करने गई 12 साल की लड़की की चाउमीन खाने के बाद मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले के मिरहची कस्बे की 12 वर्षीय बच्ची तनु श्रीवास्तव की कासगंज में अचानक मौत हो गई। वह रामनवमी के अवसर पर अपने परिवार के साथ मां चामुंडा देवी के दर्शन करने गई थी। मंदिर परिसर में लगे मेले में परिवार के सदस्यों ने दर्शन के बाद खानपान की दुकानों से आइसक्रीम, चाउमीन सहित अन्य खाद्य पदार्थ खाए। इसी दौरान चाउमीन खाने के बाद तनु की तबीयत बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि भोजन उसकी सांस की नली में फंस गया, जिससे उसे सांस लेने में परेशानी होने लगी। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। धार्मिक यात्रा के दौरान हुई इस दुखद घटना से परिवार में शोक छा गया। जानकारी के अनुसार, मिरहची कस्बे के निवासी शरद श्रीवास्तव का परिवार सोमवार को रामनवमी के अवसर पर मां चामुंडा के दर्शन करने के लिए कासगंज पहुंचा था।



परिवार ने इससे पहले घर पर कन्या भोज का आयोजन किया था। इसके बाद परिवार के सभी सदस्य माता के दर्शन के लिए रवाना हुए। रामनवमी के अवसर पर मंदिर परिसर में मेला लगा हुआ था, जहां श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई थी। परिवार ने माता के दर्शन किए और इसके बाद मेले में लगी दुकानों पर खानपान किया। इसी दौरान 12 वर्षीय तनु ने चाउमीन खाई। बताया गया कि चाउमीन खाने के दौरान भोजन उसकी सांस की नली में फंस गया। इसके बाद बच्ची को सांस लेने में परेशानी होने लगी और उसकी हालत बिगड़ गई। अचानक बच्ची की तबीयत खराब होने से परिवार के लोग घबरा गए। परिजनों ने बिना देर किए उसे उपचार के लिए कलावती अस्पताल पहुंचाया। परिवार को उम्मीद थी कि समय पर इलाज मिलने से बच्ची की हालत में सुधार हो जाएगा, लेकिन अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस खबर से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिवार के साथ माता के दर्शन करने निकली बच्ची की अचानक मौत से सभी लोग सदमे में हैं। जिस दिन परिवार रामनवमी के अवसर पर धार्मिक यात्रा पर गया था, उसी दिन यह दुखद घटना हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल बताया जा रहा है। परिवार और परिचितों के बीच भी शोक का माहौल है। परिजनों के अनुसार, तनु के पिता शरद श्रीवास्तव किसी अन्य शहर में हैं। उनके आने के बाद ही बच्ची का अंतिम संस्कार किया जाएगा। फिलहाल परिवार पिता के पहुंचने का इंतजार कर रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, चाउमीन खाने के दौरान बच्ची की सांस की नली में भोजन फंसने की आशंका जताई गई है। घटना के चिकित्सकीय कारणों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है।

भोपाल में रॉन्ग साइड को लेकर खूनी बवाल, बाइक सवारों पर चाकू से हमला कर फरार हुए 3 आरोपी

मोती मस्जिद चौराहे के पास बैरिकेडिंग के नजदीक हुआ विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। राजधानी भोपाल में यातायात नियमों को लेकर शुरू हुआ विवाद चाकूबाजी तक पहुंच गया। तलैया थाना क्षेत्र में मोती मस्जिद चौराहे के पास गलत दिशा से निकलने को लेकर बाइक सवारों और कुछ युवकों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोप है कि 3 युवकों ने बाइक सवारों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में बाइक सवार घायल हो गए। वारदात के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगालकर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। जानकारी के अनुसार, घटना मोती मस्जिद चौराहे के पास बैरिकेडिंग के नजदीक हुई। यहां गलत दिशा से निकलने को लेकर बाइक सवारों और अन्य युवकों के बीच विवाद शुरू हुआ था। शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, लेकिन कुछ ही देर में मामला बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान 3 युवकों ने बाइक सवारों पर चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुई इस वारदात से आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हमले में बाइक



सवार घायल हो गए, जबकि आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से भाग निकले। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर तलैया थाना पुलिस ने घटनास्थल से जुड़ी जानकारी जुटाई और मामले की जांच शुरू की। पुलिस अब विवाद की शुरुआत से लेकर हमले और आरोपियों के फरार होने तक के घटनाक्रम का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप कैसे ले लिया। तलैया थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। वारदात के बाद फरार हुए तीनों युवकों की पहचान करना पुलिस की प्राथमिकता है। इसके लिए घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच की जा रही है। पुलिस फुटेज के आधार पर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हमले के समय वहां कौन-कौन मौजूद था और वारदात के बाद आरोपी किस दिशा में गए। पुलिस आसपास के रास्तों और चौराहों पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाल रही है, ताकि आरोपियों के आने-जाने के रास्ते और उनकी पहचान से जुड़े सुराग मिल सकें। घटनास्थल से उपलब्ध अन्य साक्ष्यों को भी जांच में शामिल किया जा रहा है। फिलहाल तीनों आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस को उम्मीद है कि कैमरों की रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जा सकेगी अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मोती मस्जिद के पास बैरिकेडिंग के नजदीक गलत दिशा से निकलने को लेकर बाइक सवारों के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान चाकू से हमला किए जाने की जानकारी सामने आई है। सूचना मिलने के बाद तलैया थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग के जरिए आरोपियों की पहचान करने में जुटी है और उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। विवाद किस बात से शुरू हुआ और किन परिस्थितियों में चाकूबाजी हुई, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

जंतर-मंतर की तरह भोपाल में भी इन जगहों पर नहीं कर सकेंगे कोई प्रदर्शन, दो महीने के लिए लगा बैन

रोशनपुरा सहित प्रमुख चौराहों और उन्हें जोड़ने वाले रास्तों पर विरोध-प्रदर्शन, हड़ताल,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। राजधानी भोपाल में अब कुछ प्रमुख चौराहों पर अगले 2 महीने तक धरना-प्रदर्शन, हड़ताल, आंदोलन और पुतला दहन जैसी गतिविधियां नहीं की जा सकेंगी। भोपाल पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। प्रतिबंधित क्षेत्रों में रोशनपुरा चौराहा, पॉलिटेक्निक चौराहा, आकाशवाणी चौराहा, किलोल पार्क चौराहा और इन्हें जोड़ने वाले रास्ते शामिल हैं। पुलिस प्रशासन के अनुसार, यह निर्णय शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने और आपातकालीन वाहनों की आवाजाही में बाधा रोकने के उद्देश्य से लिया गया है। आदेश जारी होने की तारीख से 2 महीने तक ये प्रतिबंध प्रभावी रहेंगे। पुलिस प्रशासन के मुताबिक, भोपाल के प्रमुख चौराहों पर विभिन्न संगठनों, राजनीतिक दलों, समितियों और प्रतिनिधिमंडलों की ओर से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करने की अनुमति मांगी जाती रही है। ऐसे आयोजनों के कारण व्यस्त मार्गों



पर यातायात प्रभावित होने की आशंका रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने कुछ प्रमुख स्थानों को प्रदर्शन के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया है। आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी किए जाने की जानकारी दी गई है। रोशनपुरा चौराहा भोपाल का प्रमुख यातायात केंद्र है। यह शहर के कई महत्वपूर्ण मार्गों को जोड़ता है। यहां से राजभवन, हमीदिया अस्पताल और गांधी चिकित्सा महाविद्यालय सहित कई महत्वपूर्ण स्थानों तक पहुंचने वाले मार्ग गुजरते हैं। इसके अलावा, इस क्षेत्र से एंबुलेंस, दमकल वाहनों और अन्य जरूरी सेवाओं से जुड़े वाहनों की आवाजाही भी होती है। पुलिस के अनुसार, इस चौराहे पर धरना-प्रदर्शन या अन्य आयोजन होने से यातायात बाधित हो सकता है। इससे आम लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है और कई बार जरूरी सेवाओं के वाहनों को भी देरी का सामना करना पड़ सकता है। अस्पताल जाने वाली एंबुलेंस के रास्ते में रुकावट आने से मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिलने में परेशानी होने की आशंका रहती है। इसी तरह दमकल वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने से आपातकालीन परिस्थितियों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पुलिस आयुक्त की ओर से जारी एक अन्य आदेश में पॉलिटेक्निक चौराहा, आकाशवाणी चौराहा और किलोल पार्क चौराहे के साथ इन्हें जोड़ने वाले मार्गों को भी प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है। इन स्थानों पर धरना-प्रदर्शन, हड़ताल, आंदोलन और पुतला दहन जैसी गतिविधियों पर रोक रहेगी। आदेश का उद्देश्य प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम करना और लोगों की आवाजाही को व्यवस्थित बनाए रखना बताया गया है।

ट्रक ड्राइवर और पत्नी से मारपीट के बाद हाइवे पर आगजनी, 4 घंटे बंद रहा एमपी-राजस्थान बॉर्डर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नीमच। मध्य प्रदेश और राजस्थान की सीमा से सटे नीमच जिले के नयागांव आरटीओ बैरियर पर सोमवार देर रात चेकिंग के दौरान ट्रक चालक और उसकी पत्नी के साथ कथित मारपीट के मामले ने तूल पकड़ लिया। घटना से नाराज ट्रक चालकों ने मह्-नसीराबाद हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। विरोध के दौरान आरटीओ के चेकिंग नाके में आगजनी की घटना भी सामने आई। करीब 4 घंटे तक चले हंगामे के कारण हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घटना के बाद सीमा क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, नयागांव आरटीओ बैरियर पर वाहनों की जांच के दौरान आरटीओ कर्मचारियों और एक ट्रक चालक के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि इस दौरान चालक और उसकी पत्नी सोनिया के साथ मारपीट और अभद्रता की गई। घटना की जानकारी अन्य ट्रक चालकों तक पहुंची तो बड़ी संख्या में चालक एकजुट हो गए और उन्होंने विरोध शुरू कर दिया। चालकों ने आरटीओ अमले पर अवैध वसूली और मनमानी के आरोप भी लगाए। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। चालकों के विरोध ने कुछ ही देर में उग्र रूप ले लिया और नयागांव-मह्ू हाईवे पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई। चक्काजाम के कारण सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की कतारें लग गईं। बताया गया कि नयागांव से जलिया चेक पोस्ट के आगे तक करीब 4 किलोमीटर लंबा जाम लग गया था। इस दौरान बसों, निजी वाहनों और अन्य राज्यों से आने-जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम में आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों के फंसने की भी जानकारी सामने आई। विरोध प्रदर्शन के दौरान आरटीओ के चेकिंग नाके में आग लग गई। आगजनी की घटना के बाद मौके पर तनाव और बढ़ गया। हालांकि, आग किसने लगाई और इसके पीछे क्या कारण रहे, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना के बाद बैरियर पर तैनात कर्मचारियों की सुरक्षा और चेकिंग व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। पूरे मामले में मारपीट, कथित अवैध वसूली और आगजनी से जुड़े आरोपों की जांच महत्वपूर्ण होगी।



10 लाख की फिरौती के लिए गाड़ियों में घुमाते रहे आरोपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पैसों के विवाद को लेकर 2 युवतियों समेत 8 युवक-युवतियों के अपहरण और 10 लाख रुपये की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एयरोसिटी क्षेत्र में रहने वाले युवक-युवतियों के घर में घुसकर उनके साथ मारपीट की गई और फिर उन्हें जबरन 2 गाड़ियों में बैठाकर अगवा कर लिया गया। आरोपियों ने कथित तौर पर उन्हें छोड़ने के बदले 10 लाख रुपये की मांग की। मामले में दिल्ली में मौजूद एक दोस्त की सतर्कता अहम साबित हुई। उसकी सूचना पर सक्रिय हुई भोपाल पुलिस ने घेराबंदी कर सभी 8 लोगों को सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, सभी पीड़ित मूल रूप से दिल्ली के रहने वाले हैं और भोपाल के एक होटल में साथ काम करते हैं। वे गांधीनगर थाना क्षेत्र के एयरोसिटी इलाके में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि मुख्य आरोपी का पीड़ितों से करीब 2 लाख रुपये को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद को वारदात की वजह माना जा रहा है। आरोप है कि मुख्य आरोपी अपने साथियों के साथ पीड़ितों के घर पहुंचा। वहां उनके साथ मारपीट करने के बाद सभी को जबरन गाड़ियों में बैठाकर अपने साथ ले गया। पीड़ितों को अगवा करने के बाद आरोपियों ने कथित तौर पर गाड़ियों में भी उनके साथ मारपीट की। इसके बाद उन्हें छोड़ने के बदले 10 लाख रुपये देने का दबाव बनाया गया। इस दौरान पीड़ितों ने दिल्ली में मौजूद अपने एक परिचित से संपर्क किया और आरोपियों के खाते में रुपये ट्रांसफर करने की बात कही। बातचीत के दौरान दोस्त को संदेह हुआ कि मामला सामान्य लेन-देन का नहीं, बल्कि किसी गंभीर अपराध से जुड़ा है। उसने बिना देर किए डायल-112 पर पुलिस को सूचना दे दी। दोस्त की सूचना मिलते ही भोपाल पुलिस हरकत में आई और अपहृत युवक-युवतियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने पिपलानी क्षेत्र में घेराबंदी कर कार्रवाई की और सभी 8 लोगों को सुरक्षित बरामद कर लिया। मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने एक गाड़ी भी जब्त की है, जबकि मुख्य आरोपी फरार बताया जा रहा है। उसकी तलाश के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। एसीपी शशांक जैन के अनुसार, गांधीनगर क्षेत्र में अपहरण की सूचना मिली थी। आरोपियों ने 8 लोगों को बंधक बनाकर गाड़ी में घुमाया और उनके साथ मारपीट की थी। पुलिस को एफआरबी के माध्यम से सूचना मिली, जिसके बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए एक गाड़ी सहित 3 आरोपियों को पकड़ा गया। पीड़ितों को सुरक्षित बरामद कर लिया गया है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। 2 लाख रुपये के विवाद से शुरू हुए इस मामले ने कथित अपहरण और फिरौती की मांग का रूप ले लिया। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। जांच में यह स्पष्ट किया जाएगा कि वारदात में कौन-कौन शामिल था और फिरौती की मांग से जुड़े आरोपों के पीछे क्या परिस्थितियां थीं। इस मामले में दिल्ली में मौजूद दोस्त की सतर्कता से पुलिस तक समय पर सूचना पहुंची और सभी 8 लोगों को सुरक्षित बचाया जा सका।



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (बुधवार)
21 अक्टूबर 2026

बिना पीयूसी नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल; बाहरी गाड़ियों पर भी सख्ती की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सर्दियों में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार ने 1 नवंबर से 28 फरवरी तक के लिए शीतकालीन कार्ययोजना तैयार की है। इसमें बिना प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) वाले वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं देने, दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों पर सख्ती,



निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल पर निगरानी और घर से काम करने को बढ़ावा देने जैसे कदम शामिल हैं। सरकार का उद्देश्य सर्दियों के दौरान प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करना और लोगों को खराब हवा के प्रभाव से बचाना है। दिल्ली में हर साल सर्दियों के दौरान प्रदूषण का स्तर बढ़ने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। हवा में धूल और धुएं की मात्रा बढ़ने के कारण सांस संबंधी समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में इस बार सरकार ने प्रदूषण के अलग-अलग स्रोतों पर एक साथ काम करने की योजना बनाई है। हालांकि, इन उपायों का वास्तविक असर उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निगरानी पर निर्भर करेगा। शीतकालीन कार्ययोजना में 'बिना पीयूसी, ईंधन नहीं' नीति को प्रमुखता दी गई है। इसके तहत प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र के बिना चलने वाले वाहनों पर सख्ती करने और ऐसे वाहनों को पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराने पर रोक लगाने की बात कही गई है। इस कदम का उद्देश्य वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण करना और वाहन चालकों को समय पर प्रदूषण जांच कराने के लिए प्रेरित करना है। इसके अलावा, भारत स्टेज-6 उत्सर्जन मानक से नीचे के दूसरे राज्यों के वाहनों की दिल्ली में आवाजाही पर भी प्रतिबंध लगाने की योजना बताई गई है। इसका उद्देश्य अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की संख्या कम करना है। हालांकि, इस प्रतिबंध का दायरा, लागू होने की शर्तें और छूट से जुड़े प्रावधान आधिकारिक निर्देशों के अनुसार स्पष्ट होंगे। दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने की प्रमुख वजहों में निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल भी शामिल है। इसे नियंत्रित करने के लिए सरकार निर्माण स्थलों पर निगरानी बढ़ाने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कैमरों का इस्तेमाल करने पर जोर दे रही है। इन कैमरों की मदद से नियमों के उल्लंघन की पहचान कर संबंधित स्थलों के खिलाफ कार्रवाई करने की व्यवस्था पर ध्यान दिया जाएगा। निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के नियमों का पालन कराना इस योजना की अहम चुनौती होगी। बड़े निर्माण कार्यों के साथ-साथ उन स्थानों पर भी निगरानी जरूरी होगी, जहां खुले में निर्माण सामग्री रखी जाती है या मलबे के कारण धूल फैलती है।

अमित शाह 22 अक्टूबर को करेंगे 43 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने और यमुना में गंदे पानी के प्रवाह को रोकने के लिए 22 अक्टूबर को बड़ी पहल की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली जल बोर्ड की 43 जल एवं सीवेज परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं पर कुल ?8,941.22 करोड़ खर्च किए जाने हैं। योजनाओं में



नए सीवेज शोधन संयंत्र बनाने, पुराने संयंत्रों की क्षमता बढ़ाने, सीवर लाइन बिछाने और जल शोधन व्यवस्था को बेहतर बनाने जैसे कार्य शामिल हैं। इनका उद्देश्य सीवेज प्रबंधन को मजबूत करना और अधिक आबादी तक बेहतर जल एवं सीवर सुविधाएं पहुंचाना है। सरकार की योजना के तहत 22 अक्टूबर को 10 परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाएगा। इन पर ?2,827.11 करोड़ खर्च किए गए हैं। वहीं, ?6,114.11 करोड़ की लागत वाली 33 परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। इन योजनाओं के माध्यम से सीवेज को एकत्र करने, उसका शोधन करने और उन क्षेत्रों तक सीवर नेटवर्क पहुंचाने पर जोर रहेगा, जहां अभी तक पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। सीवेज प्रबंधन से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं में ओखला में बनने वाला नया सीवेज शोधन संयंत्र शामिल है। इस पर ?1,161 करोड़ खर्च होने का अनुमान है और इसकी क्षमता प्रतिदिन 124 मिलियन गैलन होगी। इसके अलावा दिल्ली के 8 पुराने सीवेज शोधन संयंत्रों की क्षमता भी बढ़ाई जाएगी। इस कार्य पर करीब ?1,041 करोड़ खर्च किए जाएंगे। उन्नयन के बाद इन संयंत्रों की कुल क्षमता 78.2 एमजीडी से बढ़कर 140.8 एमजीडी हो जाएगी। इससे करीब 78.5 लाख लोगों को लाभ मिलने का अनुमान है। बाहरी दिल्ली में सीवेज प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए 29 नए जिला स्तरीय सीवेज शोधन संयंत्र और सीवेज पंपिंग स्टेशन बनाए जाने की योजना है। इन परियोजनाओं पर ?3,113.67 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इसके तहत 358 अनधिकृत कॉलोनियों और 113 गांवों को सीवेज व्यवस्था से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इससे करीब 36.29 लाख लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

अंग्रेजी में अपशब्द बोलते हुए करने लगी बदतमीजी, एंबेसी के हवाले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी के महिपालपुर इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 की सर्विस रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब नशे की हालत में एक अमेरिकी महिला सड़क किनारे बने खुले नाले में गिर गई। महिला को नाले में गिरता देख आसपास मौजूद लोग उसे बचाने के लिए दौड़े, लेकिन आरोप है कि बाहर



निकालने के दौरान महिला ने मदद करने वालों के साथ ही अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया। स्थानीय युवकों ने सूझबूझ दिखाते हुए महिला को नाले से बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, उपचार के बाद महिला को अमेरिकी दूतावास के हवाले कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना शाम के समय हुई। महिला कथित तौर पर नशे की हालत में थी और ठीक से चल भी नहीं पा रही थी। इसी दौरान लड़खड़ाते हुए वह सड़क किनारे बने खुले और गहरे नाले में जा गिरी। नाले में पानी और कीचड़ भरा हुआ था। महिला के गिरने के बाद आसपास मौजूद राहगीरों और दुकानदारों ने उसे बाहर निकालने की कोशिश शुरू की। स्थानीय लोगों के अनुसार, महिला को बचाने के लिए आगे आए युवकों के साथ उसने सहयोग करने के बजाय आक्रामक व्यवहार किया। आरोप है कि वह अंग्रेजी में अपशब्द बोलने लगी और मदद करने वालों से बदसलूकी करने लगी। इसके बावजूद युवकों ने स्थिति को संभालते हुए उसे सुरक्षित नाले से बाहर निकाला। नाले से बाहर निकालने के बाद महिला को गंदे पानी और कीचड़ के कारण परेशानी हुई। स्थानीय लोगों ने तुरंत ऑटो रिक्शा की मदद से उसे पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया और निगरानी के लिए अस्पताल में रखा। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के अनुसार, महिला अमेरिकी नागरिक है। उपचार के बाद उसे अमेरिकी दूतावास के हवाले कर दिया गया। मामले में पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई की। घटना ने महिपालपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 की सर्विस रोड पर खुले नाले की स्थिति को भी चर्चा में ला दिया है। खुले नाले राहगीरों के लिए दुर्घटना का कारण बन सकते हैं, खासकर ऐसे स्थानों पर जहां पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं हैं।

लातूर जिले के 46 वर्षीय किसान शंकर अबनराव क्षीरसागर ने अधिकारियों से मदद की गुहार लगाते हुए वीडियो किया था

फसल हुई बर्बाद, बेटी की मेडिकल फीस भी नहीं हुई माफ... परेशान किसान ने दे दी जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। के लातूर जिले में फसल बर्बाद होने, कर्ज के बोझ और बेटी की मेडिकल कॉलेज की फीस को लेकर परेशान 46 वर्षीय किसान शंकर अबनराव क्षीरसागर की कथित आत्महत्या का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, किसान की सोयाबीन की फसल लंबे समय तक बारिश नहीं होने के कारण खराब हो गई थी। आर्थिक संकट के बीच बेटी की मेडिकल पढ़ाई का खर्च भी उनके लिए चिंता का बड़ा कारण बना हुआ था। घटना से पहले किसान ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई थी। इस मामले ने सूखे से प्रभावित किसानों की आर्थिक परेशानियों और उनके परिवारों की शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। पुलिस के मुताबिक, क्षीरसागर लातूर जिले के बोरगांव गांव के रहने वाले थे और अपनी



सीमित कृषि भूमि पर सोयाबीन की खेती करते थे। उन्हें इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन लंबे समय तक बारिश नहीं होने से फसल को नुकसान पहुंचा। खेती से होने वाली आमदनी प्रभावित होने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ गई। फसल खराब होने के बाद उन्हें सरकारी राहत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन उनका कहना था कि सूखे से नुकसान के बावजूद उन्हें सहायता नहीं मिली। इसी परेशानी को लेकर उन्होंने अधिकारियों के सामने अपनी बात रखी थी। किसान की एक बेटी मेडिकल की पढ़ाई कर रही है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बीच उसकी पढ़ाई का खर्च उठाना क्षीरसागर के लिए मुश्किल हो रहा था। पुलिस के अनुसार, सरकार की ओर से सूखा प्रभावित किसानों के बच्चों की फीस में छूट देने की घोषणा की गई थी। किसान ने इसके लिए आवेदन भी किया था, लेकिन उनका आरोप था कि आवेदन के बावजूद बेटी की मेडिकल कॉलेज की फीस माफ नहीं की गई। लिंबगांव पुलिस थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक बोधनकर के अनुसार, फसल खराब होने, कर्ज के दबाव और बेटी की पढ़ाई के खर्च ने किसान की परेशानी बढ़ा दी थी। खेती से पर्याप्त आमदनी नहीं होने के कारण परिवार के खर्च और शिक्षा की जिम्मेदारी निभाना उनके लिए कठिन होता जा रहा था। किसान की ओर से सरकारी सहायता और फीस में राहत की मांग किए जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने की बात सामने आई है। हालांकि, फीस माफी के आवेदन और सरकारी सहायता से संबंधित पूरे मामले की स्थिति आधिकारिक रिकॉर्ड से स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस के अनुसार, सोमवार दोपहर क्षीरसागर अपने खेत पर गए थे। वहां उन्होंने मोबाइल फोन से एक वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो में उन्होंने जिला कलेक्टर से सवाल किया कि फसल खराब होने के बावजूद उन्हें सरकारी राहत क्यों नहीं मिली और कर्ज से राहत देने वाली योजनाओं का लाभ उन्हें क्यों नहीं मिल पाया। उन्होंने आवेदन करने के बाद भी बेटी की मेडिकल कॉलेज की फीस माफ नहीं होने को लेकर भी अपनी परेशानी जाहिर की थी।

दिल्ली की यमुना नदी में कर सकेंगे बर्थडे सेलिब्रेशन, जानें क्या है दिल्ली सरकार का प्लान

दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने 'बर्थडे विद यमुना' अभियान की योजना बताई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी की सफाई और उसके किनारों को विकसित करने के लिए सरकार नई पहल की तैयारी कर रही है। इसके तहत आने वाले समय में लोग यमुना किनारे अपने परिवार और दोस्तों के साथ जन्मदिन जैसे खास अवसर मना सकेंगे। दिल्ली सरकार की योजना है कि नदी के आसपास ऐसे स्थान विकसित किए जाएं, जहां लोग कुछ समय बिता सकें और यमुना से जुड़ाव महसूस करें। इस पहल को 'बर्थडे विद यमुना' नाम दिया गया है। सरकार का मानना है कि यदि लोग नदी के किनारे समय बिताएंगे और वहां सफाई बनाए रखने में भागीदारी करेंगे, तो यमुना को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इस योजना की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार यमुना को केवल सफाई अभियान तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि उसे ऐसा स्थान बनाना चाहती है, जहां लोग आकर प्रकृति के करीब समय बिता सकें। मंत्री के अनुसार, यमुना की सफाई के लिए हाल ही में



बड़े स्तर पर अभियान चलाया गया। 'चलो यमुना' अभियान के तहत 18 अक्टूबर को नदी के दोनों किनारों पर सफाई की गई। इस अभियान में करीब 35 हजार लोगों ने भाग लिया। सफाई का दायरा वजीराबाद के सूर घाट से लेकर सिग्नेचर ब्रिज, यमुना बाजार, आईटीओ, निजामुद्दीन, सराय काले खां और चिल्ला तक रहा। इस दौरान यमुना के किनारे स्थित 70 घाटों पर सफाई की गई। अभियान में स्थानीय नागरिकों, आवासीय कल्याण समितियों के सदस्यों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों ने भागीदारी निभाई जल मंत्री के अनुसार, अभियान में दिल्ली के करीब 20 हजार निवासी और आवासीय कल्याण समितियों के सदस्य शामिल हुए। इसके अलावा लगभग 10,500 कार्यकर्ताओं, 2,500 विद्यार्थियों और विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के करीब 2,000 स्वयंसेवकों ने सफाई कार्य में सहयोग किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के 25 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भी अभियान में भाग लिया। इतने बड़े स्तर पर लोगों की भागीदारी का उद्देश्य नदी के किनारों से कचरा हटाने के साथ-साथ नागरिकों को स्वच्छता अभियान से जोड़ना था। मंत्री ने बताया कि पिछली बार यमुना की सफाई के दौरान एक दिन में करीब 110 टन कचरा हटाया गया था, जबकि इस बार 87 टन कचरा उठाया गया। इन आंकड़ों के जरिए सरकार नदी किनारे सफाई के लिए किए जा रहे प्रयासों को सामने रख रही है। हालांकि, यमुना को साफ रखने के लिए केवल एक दिन का अभियान पर्याप्त नहीं होगा। नदी में लगातार पहुंचने वाले कचरे और गंदे पानी को रोकने के लिए नियमित सफाई, सीवेज का उचित शोधन और लोगों की भागीदारी जरूरी होगी।

NCP (SP) विधायक जितेंद्र आव्हाड़ को फोन पर मिली जान से मारने की धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक जितेंद्र आव्हाड़ को फोन पर जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। धमकी मिलने के बाद विधायक ने ठाणे के वर्तक नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोप है कि फोन करने वाले ने आव्हाड़ के साथ-साथ उनसे



बात करने की कोशिश करने वाले पार्टी के एक कार्यकर्ता को भी धमकाया। फिलहाल धमकी देने वाले की पहचान और इसके पीछे की वजह सामने नहीं आई है। पार्टी पदाधिकारी के मुताबिक, जितेंद्र आव्हाड़ को रविवार को धमकी भरा फोन आया था। फोन पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। बताया गया कि जब पार्टी के एक कार्यकर्ता ने फोन करने वाले से बातचीत करने की कोशिश की, तो उसे भी धमकाया गया। शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जितेंद्र आव्हाड़ महाराष्ट्र के ठाणे जिले की मुंब्रा-कलवा विधानसभा सीट से विधायक हैं। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि धमकी भरा फोन किसने किया और इसके पीछे क्या वजह हो सकती है। मामले में आगे की जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। इस बीच, महाराष्ट्र में हाल ही में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी की घटना भी चर्चा में रही थी। मुंबई के जुहू इलाके में अभिनेता की बीएमडब्ल्यू कार पर कथित तौर पर 5 राउंड गोलियां चलाई गई थीं। घटना के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई थी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने टाइगर श्रॉफ से मुलाकात कर मामले में सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया था। उन्होंने कहा था कि मुंबई में किसी भी गिरोह को गैंगवार शुरू करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। पुलिस इस गोलीबारी के मामले में भी हमलावरों की पहचान और घटना के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है। जितेंद्र आव्हाड़ को मिली धमकी और अभिनेता की कार पर गोलीबारी की घटनाओं के बीच महाराष्ट्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा तेज हुई है। हालांकि, दोनों मामलों के बीच किसी तरह का संबंध होने की जानकारी सामने नहीं आई है। आव्हाड़ को मिली धमकी के मामले में पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

गरबा में लड़कियों से की छेड़छाड़, विरोध करने पर मारा थप्पड़! वीडियो सामने आते ही बवाल

नालासोपारा में आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर हिंदू संगठनों में आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। के नालासोपारा में गरबा कार्यक्रम के दौरान युवती से कथित छेड़छाड़ और थप्पड़ मारने का मामला सामने आने के बाद विवाद बढ़ गया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद हिंदू संगठनों ने विरोध जताते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति ने नाबालिग लड़कियों के साथ अनुचित व्यवहार किया। जब एक युवती ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उसे थप्पड़ मार दिया। घटना के सामने आने के बाद गरबा कार्यक्रमों में महिलाओं की सुरक्षा और ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की मांग उठने लगी है। जानकारी के अनुसार, घटना सोमवार को नालासोपारा में आयोजित गरबा कार्यक्रम के दौरान हुई। गुफरान शेख नामक व्यक्ति पर आरोप है कि उसने कार्यक्रम में मौजूद लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की और उन्हें अनुचित तरीके से छुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कथित तौर पर एक



युवती आरोपी को धक्का देती दिखाई देती है, जिसके बाद वह उसे थप्पड़ मारता नजर आता है। वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया और विभिन्न हिंदू संगठनों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। संगठनों का कहना है कि सार्वजनिक और धार्मिक आयोजनों में महिलाओं तथा लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। हालांकि, मामले में लगाए गए आरोपों और घटना से जुड़े सभी तथ्यों की पुष्टि जांच के आधार पर ही होगी। गरबा और नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। ऐसे आयोजनों में भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी और शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई महत्वपूर्ण होती है। नालासोपारा की घटना ने एक बार फिर इस बात पर ध्यान खींचा है कि आयोजकों और संबंधित प्रशासन को ऐसे कार्यक्रमों में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम रखने चाहिए, ताकि किसी भी व्यक्ति के साथ अनुचित व्यवहार होने पर तुरंत मदद उपलब्ध कराई जा सके। इसी बीच, पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में दुर्गा पूजा पंडाल में तैनात एक महिला स्वयंसेवक से कथित यौन उत्पीड़न का मामला भी सामने आया है। इस मामले में कोलकाता पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) कबीरुल इस्लाम को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी कोलकाता आर्म्ड पुलिस की तीसरी बटालियन से जुड़ा बताया गया है। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की। घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद भी मामला चर्चा में आया। शिकायत के मुताबिक, घटना 17 अक्टूबर की रात करीब 11 से 11:30 बजे के बीच न्यू अलीपुर इलाके के एक दुर्गा पूजा पंडाल में हुई।

रावण को जलाने के बजाय पूजते हैं लोग, क्या है महाराष्ट्र के सांगोला गांव में दशहरा मनाने की अनोखी परंपरा?



महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। देशभर में विजयादशमी पर रावण दहन की परंपरा निभाई जाती है। जगह-जगह रावण के पुतले जलाकर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया जाता है, लेकिन महाराष्ट्र के अकोला जिले के सांगोला गांव में दशहरे का नजारा इससे अलग होता है। यहां रावण का दहन करने के बजाय उसकी पूजा की जाती है। गांव के लोग इस परंपरा को अपनी आस्था और मान्यताओं से जोड़कर देखते हैं। गांव में स्थापित दस सिरों वाले रावण की प्राचीन प्रतिमा इस अनोखी परंपरा का केंद्र है। दशहरे के अवसर पर जहां देश के कई हिस्सों में रावण दहन की तैयारियां होती हैं, वहीं सांगोला में उसकी पूजा की परंपरा चर्चा का विषय बन जाती है। अकोला से करीब 40 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में एक ही पत्थर से बनी रावण की प्रतिमा स्थापित है। प्रतिमा में रावण को दस सिरों वाले राजा के रूप में हथियारों के साथ दर्शाया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, यहां लंबे समय से इस प्रतिमा की पूजा की जाती रही है। गांव में रावण की पूजा के पीछे मान्यता है कि रावण में कई दुर्गुण होने के बावजूद उसमें ज्ञान, विद्वता और अन्य अच्छे गुण भी थे। ग्रामीणों का मानना है कि किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को केवल उसकी बुराइयों के आधार पर नहीं देखना चाहिए, बल्कि उसके अच्छे गुणों से भी सीख लेनी चाहिए। इसी सोच के साथ यहां रावण की पूजा की परंपरा चली आ रही है। गांव के प्रवेश द्वार पर स्थापित इस प्रतिमा को लेकर भी एक रोचक लोककथा प्रचलित है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, प्रतिमा को पहले किसी दूसरी जगह ले जाने की योजना थी, लेकिन बैलगाड़ी से ले जाते समय वह गांव की सीमा से आगे नहीं बढ़ पाई। इसके बाद ग्रामीणों ने उसी स्थान पर प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया। समय के साथ यह स्थान गांव की धार्मिक आस्था का केंद्र बन गया। स्थानीय पुजारी बालकृष्ण जाधव के अनुसार, प्रतिमा सैकड़ों वर्ष पुरानी मानी जाती है। उन्होंने बताया कि उनके गुरुजी ने उन्हें प्रतिमा को बैलगाड़ी से लाए जाने और गांव की सीमा से आगे नहीं बढ़ पाने की कथा सुनाई थी। इसके बाद गांव के लोगों ने प्रतिमा की स्थापना वहीं कर दी। पुजारी के मुताबिक, यहां नियमित रूप से पूजा-अर्चना की जाती है। शनिवार को नारियल के तेल से पूजा करने के साथ धूप, दीप और अगरबत्ती भी लगाई जाती है। गांव के एक स्थानीय युवक ने बताया कि मान्यता के अनुसार, प्रतिमा की स्थापना करीब 200 से 300 वर्ष पहले हुई थी। पास के चिखल गांव में प्रतिमा बनाए जाने और वहां से दूसरी जगह ले जाते समय रास्ते में रुक जाने की कहानी भी स्थानीय लोगों के बीच प्रचलित है। हालांकि, प्रतिमा की स्थापना के सटीक समय और उससे जुड़ी घटनाओं की स्वतंत्र ऐतिहासिक पुष्टि की जानकारी उपलब्ध नहीं है।

कोहिनूर एचडीआईएल बिल्डिंग नंबर 5 के बिजली के डक्ट में लगी आग, धुएं से दम घुटने पर 8 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया;

मुंबई के कुर्ला में 13 मंजिला इमारत में आग से हड़कंप, 3 बच्चों समेत 9 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के कुर्ला पश्चिम इलाके में मंगलवार तड़के 13 मंजिला आवासीय इमारत में आग लगने से हड़कंप मच गया। कोहिनूर एचडीआईएल बिल्डिंग नंबर 5 के बिजली के डक्ट में लगी आग के कारण इमारत में धुआं फैल गया। हादसे में 3 बच्चों समेत कुल 9 लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस और अन्य आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने करीब 28 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। सभी घायलों को उपचार के लिए राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है।नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, आग मंगलवार सुबह करीब 6:53 बजे कुर्ला पश्चिम स्थित कोहिनूर एचडीआईएल बिल्डिंग नंबर 5 में लगी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आग इमारत के बिजली के डक्ट में लगी थी और बिजली की तारों के जरिए धुआं फैलने लगा। देखते ही देखते इमारत के कुछ हिस्सों में घना धुआं भर



गया, जिससे वहां रहने वाले लोगों को परेशानी होने लगी। घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि दमकल विभाग की टीम ने सुबह 7:21 बजे तक आग पर काबू पा लिया। हालांकि, आग बुझने के बाद भी इमारत में फैले धुएं के कारण लोगों को बाहर निकालने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने का काम जारी रहा। राहत एवं बचाव कार्य में मुंबई दमकल विभाग के साथ पुलिस, बिजली कंपनी के कर्मचारी, 108 एंबुलेंस सेवा और संबंधित वार्ड के कर्मचारियों ने सहयोग किया। हादसे में घायल हुए 9 लोगों में से 8 को धुएं के कारण सांस लेने में परेशानी हुई, जबकि एक व्यक्ति के दाहिने पैर में चोट आई। घायलों में 5 साल का एक बालक और 2 किशोरियां भी शामिल हैं। सभी को तत्काल राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल सभी घायलों की हालत स्थिर है। घटना के बाद इमारत में रहने वाले लोगों के बीच दहशत का माहौल बन गया। आवासीय इमारतों में बिजली के डक्ट और तारों से जुड़ी आग तेजी से धुआं फैलने का कारण बन सकती है, जिससे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ऐसे मामलों में समय पर दमकल विभाग को सूचना देना और बचाव दल के निर्देशों का पालन करना महत्वपूर्ण होता है। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। संबंधित अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि बिजली के डक्ट में आग किस वजह से लगी और क्या घटना के पीछे किसी तकनीकी खराबी या अन्य कारण की भूमिका थी।

त्योहारी सीजन में नाफेड बेचेगा बफर स्टॉक से दालें

अक्टूबर अंत तक 1.9 लाख टन मूंग बाजार में उतारी जाएगी

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन में दालों की बढ़ती कीमतों और मांग को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने अहम कदम उठाया है। राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) अब अपने बफर स्टॉक से बड़ी मात्रा में दालें खुले बाजार में बेचेगा। इसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करना और बाजार में पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना है। सरकार ने नाफेड के विभिन्न केंद्रों को इस संबंध में सख्त निर्देश जारी किए हैं और एक निश्चित समय-सीमा भी तय की गई है। योजना के तहत नाफेड को अक्टूबर के अंत तक लगभग 1.9 लाख टन मूंग दाल बाजार में उतारने का लक्ष्य दिया गया है। यह कदम बाजार में दालों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और खुदरा कीमतों पर लगाम कसने के लिए उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार, यह मूंग दाल साल 2025 के बफर स्टॉक का हिस्सा है, जिसे कुछ तकनीकी कारणों से पहले जारी नहीं किया जा सका था। इस पहल से त्योहारी खरीदारी के दौरान उपभोक्ताओं को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गिरे सोने के दाम

विजयादशमी पर्व के अवसर पर बुलियन बाजार बंद

मुंबई ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक नीति बैठक से पहले निवेशकों में सतर्कता का माहौल है, जिसके चलते मंगलवार को एशियाई बाजारों में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, भारत में जारी त्योहारी सीजन की मजबूत मांग ने घरेलू सोने के भावों को सहारा दिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय कमजोरी का असर सीमित रहा। अंतरराष्ट्रीय हाजिर बाजार में सोना 0.3 फीसदी गिरकर 4,126.84 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, वहीं दिसंबर डिलीवरी के लिए अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर भी 0.3 फीसदी टूटकर 4,146 डॉलर प्रति औंस पर रहा। भारत में विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को बुलियन बाजार बंद हैं, जबकि मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर शाम के सत्र में कारोबार होगा। इससे पहले सोमवार को भारत में 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमत 400 रुपए बढ़कर 1,50,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई थी। बाजार के जानकारों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार की मजबूती और त्योहारी सीजन की शुरुआत से खुदरा मांग बढ़ने के कारण घरेलू बाजार में सोने को समर्थन मिला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिवाली से पहले खुदरा मांग में और वृद्धि हो सकती है, जिससे कीमतों को और समर्थन मिलेगा। पिछले सप्ताह घरेलू बाजार में तीन महीने से अधिक समय में पहली बार सोना प्रीमियम पर कारोबार करता नजर आया था, जो ग्राहकों की बढ़ी हुई खरीदारी का संकेत है। चांदी का भाव लगातार दूसरे सत्र में 2.15 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर स्थिर रहा।

भारत में स्मार्टफोन की बिक्री 26 प्रतिशत गिरकर 3.58 करोड़ पहुंची

2026 की तीसरी तिमाही 2016 के बाद सबसे कमजोर

नई दिल्ली ।



ओम्डिया की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्मार्टफोन की बिक्री 2026 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत गिरकर 3.58 करोड़ इकाई रह गई है। यह 2016 के बाद से किसी भी तीसरी तिमाही की सबसे कम बिक्री है, जो त्योहारी सीजन के बावजूद बाजार की धीमी गति को दर्शाता है। रिपोर्ट बताती है कि इस दौरान सैमसंग 67 लाख इकाइयों की मामूली एक फीसदी गिरावट के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गया, जबकि उसकी बाजार हिस्सेदारी 19 फीसदी रही। वीवो 64 लाख इकाइयों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, शाओमी की बिक्री 28 फीसदी घटकर 47 लाख इकाई और ओप्पो की बिक्री 24 फीसदी गिरकर 49 लाख इकाई रह गई, जिससे प्रमुख चीनी कंपनियों को बड़ा झटका लगा। एप्पल 39 लाख इकाई की बिक्री के साथ शीर्ष पांच में शामिल रही, जिसमें 20 फीसदी की गिरावट देखी गई। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि ऑनलाइन बिक्री के लिए नए मॉडलों की कमी, किफायती फोनों की सीमित उपलब्धता और प्रचार योजनाओं के बीच अंतर घटने से पारंपरिक त्योहारी लाभ कम हुआ। सितंबर में आमतौर पर भंडार जुटाने के बावजूद, इस बार बिक्री की रफ्तार कमजोर रही।

बाजार में गिरावट के बाद म्युचुअल फंडों का इक्विटी पर बढ़ा भरोसा

म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में बढ़ा रहे हैं अपना निवेश

नई दिल्ली ।



हालिया बाजार गिरावट के बाद आकर्षक मूल्यांकन का फायदा उठाते हुए म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। यह रुझान परिसंपत्ति आवंटन और बाजार के सेंटिमेंट इंडिकेटर में स्पष्ट रूप से दिख रहा है, जो निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। शेयर बाजार में हालिया सुधार के बावजूद म्युचुअल फंडों का झुकाव इक्विटी, खासकर लार्ज-कैप शेयरों की ओर मजबूत हुआ है। एसबीआई म्युचुअल फंड की 15 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार लार्ज-कैप शेयरों में फैली अत्यधिक निराशा अब एक संभावित तेजी का संकेत दे रही है, क्योंकि यह निराशा मुख्य रूप से इन्हीं शेयरों तक सीमित है। विपरीत दृष्टिकोण से, यह लार्ज-कैप में बेहतर रिटर्न के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना रही है। रिपोर्ट बताती है कि निफ्टी 50 पर तीन साल का वार्षिक रिटर्न 6 फीसदी तक गिर गया है, जो 2020 के बाद का सबसे निचला स्तर है। इसके बावजूद, आय सुधार में 53 फीसदी की बहाली और मजबूत आईपीओ गतिविधियां बाजार के लिए सकारात्मक संकेत दे रही हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ का इक्विटी मूल्यांकन इंडिकेटर भी सितंबर के अंत तक 99.9 के स्तर पर था, जो इक्विटी में निवेश के प्रति सकारात्मक होने के करीब है। म्युचुअल फंडों का इक्विटी के प्रति यह बढ़ता सकारात्मक रुख बैलेंस्ड एडवांटेज फंडों (बीएएफ) के इक्विटी निवेश से साफ झलकता है। बीएएफ, जो बाजार के मूल्यांकन के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच अपना आवंटन बदलते रहते हैं, अब डेट सिक्योरिटीज की हिस्सेदारी कम करके इक्विटी आवंटन बढ़ा रहे हैं।

निजी बैंकों में भारी बिकवाली ने बाजार को खींचा नीचे

पीएसयू बैंक ने दिखाया दम, तकनीकी स्तर पर अहम मोड़ पर निफ्टी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को दो सत्रों की तेजी पर ब्रेक लग गया। वैश्विक संकेतों, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और तिमाही नतीजों की चिंताओं के बीच प्रमुख सूचकांक निफ्टी 1.11 फीसदी से अधिक टूटकर 22,900 के अहम स्तर से नीचे बंद हुआ। इस तेज गिरावट ने बाजार की हालिया रिकवरी की मजबूती पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बाजार विश्लेषकों के अनुसार सितंबर तिमाही के नतीजों से जुड़ी अनिश्चितताएं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें गिरावट के मुख्य कारण रहीं। तकनीकी रूप से भी, निफ्टी अपने 20-दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) से नीचे फिसल गया और 38.2 फीसदी फिबोनाची रिट्रेसमेंट स्तर को पार नहीं कर पाया, जो रिकवरी की कमजोर पड़ती रफ्तार को दर्शाता है। सेक्टरवार प्रदर्शन मिला-जुला रहा। निजी बैंकों के शेयरों में भारी मुनाफावसूली देखने को मिली, जिसमें एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक ने बाजार पर अतिरिक्त दबाव डाला। हालांकि, सरकारी बैंकों ने विपरीत रुझान दिखाते हुए मजबूत प्रदर्शन किया। निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स करीब 2.3 फीसदी उछला, जिसमें पीएनबी और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया जैसे शेयरों में 5 फीसदी से अधिक की तेजी दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट भी कमजोर रहा, मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स दोनों गिरे। तकनीकी विश्लेषकों के मुताबिक, निफ्टी के लिए 22,730-22,750 पर तत्काल मजबूत सपोर्ट है, जबकि 23,000-23,030 ऊपरी रुकावट का काम करेगा। 22,730 के नीचे निर्णायक गिरावट 22,600 तक दबाव बढ़ा सकती है, वहीं 23,030 के ऊपर टिकने से ही तेजी की रफ्तार लौट सकती है।

भारत में ऑडी ने लॉन्च की ऑडी क्यू3

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में ऑडी ने अपनी नई 2026 क्यू3 एसयूवी लॉन्च कर दी है। यह कंपनी की तीसरी पीढ़ी की शुरुआती श्रेणी वाली लग्जरी एसयूवी है, जिसे नोवा और जेनिथ नाम के दो संस्करणों में पेश किया गया है।

इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 51.99 लाख रुपये रखी गई है। महाराष्ट्र स्थित छत्रपति संभाजीनगर संयंत्र में निर्मित इस एसयूवी की डिलीवरी भी शुरू हो गई है। नई क्यू3 की सबसे बड़ी खासियत इसका ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम है, जो इसे बीएमडब्ल्यू एक्स1 और मर्सिडीज-बेंज जीएलए जैसे प्रतिद्वंद्वियों से अलग करता है, क्योंकि वे इस श्रेणी में केवल फ्रंट-व्हील ड्राइव व्यवस्था के साथ आते हैं। एसयूवी में 2.0 लीटर का डायरेक्ट-इंजेक्शन टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 204 हॉर्सपावर की अधिकतम शक्ति और 320 एनएम का अधिकतम टॉर्क पैदा करता है।

यह इंजन 7-स्पीड डुअल-क्लच ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से जुड़ा है और चारों पहियों तक शक्ति पहुंचाता है। कंपनी के दावे के अनुसार, नई क्यू3 केवल 7.1 सेकंड में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है, जिसकी अधिकतम गति 229 किलोमीटर प्रति घंटा है।

बाहरी डिजाइन में स्प्लिट-स्टाइल हेडलाइट्स, बड़े आकार की ग्रिल और पीछे रोशनी वाला ऑडी लोगो शामिल हैं। केबिन के अंदर 12.8 इंच की टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट और 11.9 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले वाली घुमावदार डिजिटल स्क्रीन मिलती हैं।

चॉइस एमएफ ने लॉन्च किया लार्ज एंड मिड कैप फंड

500 रुपए की एसआईपी से लार्ज और मिड कैप कंपनियों में निवेश का मौका

नई दिल्ली ।



निवेशकों को बड़ी और मझोली कंपनियों में निवेश का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से चॉइस म्युचुअल फंड ने चॉइस लार्ज एंड मिड कैप फंड लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जिसका न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 20 अक्टूबर मंगलवार से शुरू हो चुका है और 3 नवंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। यह फंड उन निवेशकों के लिए है जो बाजार पूंजीकरण के लिहाज से बड़ी और मझोली दोनों तरह की कंपनियों में निवेश करके पूंजी वृद्धि और आय अर्जित करना चाहते हैं। एनएफओ के दौरान, निवेशक न्यूनतम 1,000 रुपये से इस फंड में निवेश शुरू कर सकते हैं, जबकि सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से मासिक किस्तें न्यूनतम 500 रुपये से शुरू होंगी। स्कीम डायरेक्ट और रेगुलर दोनों प्लान में उपलब्ध है, जिनमें ग्रोथ और इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विद्ड्रॉल (आईडीडब्ल्यूसी) विकल्प शामिल हैं। फंड मैनेजर के नेतृत्व में यह स्कीम निफ्टी लार्ज मिडकैप 250 टोटल रिटर्न इंडेक्स को बेंचमार्क करेगी। यूनिट आवंटन के दिन से एक साल के भीतर पैसा निकालने पर 1 फीसदी एग्जिट लोड लगेगा। पोर्टफोलियो आवंटन की बात करें तो फंड अपनी कुल संपत्ति का 70 से 100 फीसदी हिस्सा शेयरों और उनसे जुड़े साधनों में लगाएगा। इसमें बड़ी कंपनियों के शेयरों में 35 से 65 फीसदी और मझोली कंपनियों के शेयरों में भी 35 से 65 फीसदी निवेश किया जाएगा। शेष 0 से 30 फीसदी राशि डेट इंस्ट्रूमेंट्स, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स और सोने-चांदी से जुड़े निवेश साधनों में तथा 0 से 10 फीसदी इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट्स) की इकाइयों में निवेश की जा सकती है। फंड का लक्ष्य ऐसी कंपनियों में निवेश करना है जिनकी औसत से ज्यादा वृद्धि की संभावना हो, मजबूत बाजार पकड़ हो और अच्छी वित्तीय स्थिति हो। फंड हाउस के अनुसार, यह योजना बहुत ज्यादा जोखिम की श्रेणी में आती है।

एसएलएमजी बेवरेजेज का पांच साल में 20,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

कंपनी का तीन-चार साल में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने का लक्ष्य

नई दिल्ली।



भारत में कोका-कोला की सबसे बड़ी बॉटलिंग कंपनी एसएलएमजी बेवरेजेज (अगले पांच सालों में अपने कारोबार को बढ़ाकर 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना बना रही है। कंपनी अगले तीन से चार साल में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में है। यह जानकारी कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने मंगलवार को दी। वर्तमान में लगभग 9,000 करोड़ रुपये का सकल कारोबार करने वाली एसएलएमजी बेवरेजेज अगले तीन साल में इसे 15,000 करोड़ रुपये से अधिक करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी पिछले चार साल से 20 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रही है। अपनी विस्तार योजनाओं के तहत, कंपनी बिहार के बक्सर में 1,200 करोड़ रुपए और उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 1,000 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। उन्होंने बताया कि यूपी और बिहार में घोषित 5,000 करोड़ रुपए के निवेश को अगले तीन साल में पार कर लिया जाएगा। यह निवेश विशेषकर छोटे शहरों और ग्रामीण बाजारों में बढ़ती पेय पदार्थों की मांग को पूरा करने पर केंद्रित है। वैश्विक स्तर पर शीर्ष 15 कोका-कोला बॉटलिंग कंपनियों में से एक एसएलएमजी अगले पांच साल में शीर्ष 10 में शामिल होना चाहती है। कंपनी अपनी वर्तमान 35,000 बोतल प्रति मिनट (बीपीएम) की बॉटलिंग क्षमता में अगले पांच साल में 10,000 बीपीएम की अतिरिक्त क्षमता जोड़ेगी, जिसका लक्ष्य अगले दशक में 1 लाख बीपीएम तक पहुंचना है।

जस्ट डायल का मुनाफा 9.7 फीसदी घटकर 107.8 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

स्थानीय खोज सेवा प्रदाता जस्ट डायल लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ में गिरावट का सामना करना पड़ा है। कंपनी का एकीकृत मुनाफा सालाना आधार पर 9.73 प्रतिशत घटकर 107.8 करोड़ रुपए रह गया। यह गिरावट मुख्य रूप से परिचालन खर्च में हुई तीव्र वृद्धि के कारण हुई, जबकि कंपनी के राजस्व में वृद्धि दर्ज की गई। जस्ट डायल लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि पिछली समान तिमाही में कंपनी ने 119.44 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। हालांकि, समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 13.11 प्रतिशत बढ़कर 342.82 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष 303.07 करोड़ रुपए था। इस अवधि में कंपनी का कुल खर्च भी 14.6 प्रतिशत बढ़कर 262.81 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जिसने लाभ को प्रभावित किया। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के खुदरा कारोबार की इकाई, रिलायंस रिटेल वेंचर्स के स्वामित्व वाली जस्ट डायल की कुल आय दूसरी तिमाही में 5.6 प्रतिशत बढ़कर 397.38 करोड़ रुपए रही। सोमवार को बीएसई पर कंपनी का शेयर 2.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 732.55 रुपए पर बंद हुआ।

पेप्सिको के खाद्य कारोबार को त्योहारी सीजन में अच्छी बिक्री की उम्मीद

का-कोला के बॉटलर ने दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली ।

भारत में त्योहारी सीजन खाद्य और पेय कंपनियों के लिए उत्साहजनक दिख रहा है। पेप्सिको इंडिया अपने खाद्य कारोबार में पिछले साल के समान मजबूत वृद्धि की उम्मीद कर रहा है, जो नए उत्पादों और उपभोक्ताओं की बदलती पसंद पर केंद्रित है। वहीं कोका-कोला की प्रमुख बॉटलिंग कंपनी एसएलएमजी बेवरेजेज ने मौजूदा त्योहारी सत्र में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज करने की घोषणा की है। पेप्सिको इंडिया की एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार कंपनी त्योहारी सत्र में उपभोक्ताओं की विविध पसंद को ध्यान में रखते हुए स्नैक्स, स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर और प्रीमियम उत्पादों की पेशकश का विस्तार कर रही है। ई-कॉमर्स पर रेडी-टू-ईट उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने और भारतीय उपभोक्ताओं के बदलते स्वाद के अनुरूप नए उत्पाद पेश करने पर कंपनी जोर दे रही है। कंपनी को उद्योग के अनुरूप वृद्धि की उम्मीद है।

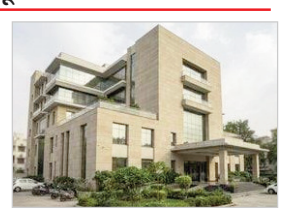
इस बीच कोका-कोला के बॉटलर एसएलएमजी बेवरेजेज के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि नवरात्रि के बाद से उनकी बिक्री में तेजी आई है और दिवाली गिफ्ट पैक के लिए बड़ी संख्या में ऑर्डर मिल रहे हैं, जिससे दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज हुई है। उन्होंने नवंबर-दिसंबर में भी मजबूत मांग की उम्मीद जताई। लधानी ने स्वीकार किया कि कंपनी चीनी और पैकेजिंग सहित कच्चे माल की बढ़ती लागत का सामना कर रही है, लेकिन फिलहाल कीमतों में और बढ़ोतरी पर देखो और इंतजार करो की नीति अपना रही है। कंपनी उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों को किफायती बनाए रखते हुए बिक्री की मात्रा बढ़ाकर लागत के असर को कम करने का प्रयास कर रही है।

पारस हेल्थकेयर ने एंकर निवेशकों से 652 करोड़ जुटाए

1,450 करोड़ का आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेगा, 660-693 प्रति शेयर मूल्य दायरा

नई दिल्ली ।

पारस हेल्थ ब्रांड के तहत अस्पताल चलाने वाली पारस हेल्थकेयर ने अपने आगामी 1,450 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले एंकर निवेशकों से 652.5 करोड़ रुपए का मजबूत पूंजी संग्रह किया है। इसमें घरेलू और वैश्विक निवेशकों की महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई। शेयर बाजार की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार कंपनी ने 39 कोषों को 693 रुपए प्रति शेयर के प्रीमियम मूल्य पर कुल 94,15,584 इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं, जिससे उसे यह राशि प्राप्त हुई है। इन प्रमुख एंकर निवेशकों में एसबीआई म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और ब्लैकरॉक जैसे दिग्गज शामिल हैं। पारस हेल्थकेयर का आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेगा और 23 अक्टूबर को बंद होगा। इसके लिए 660 से 693 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है। प्रस्तावित आईपीओ में 500 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जिसका उपयोग कंपनी कर्ज चुकाने के लिए करेगी, साथ ही इसमें 950 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी



शामिल है। गुरुग्राम स्थित यह हेल्थकेयर चेन पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में आठ अस्पतालों का संचालन करती है। कंपनी के शेयर 28 अक्टूबर को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होंगे।

पाकिस्तान ने आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 3.65 प्रतिशत किया

औद्योगिक व सेवा क्षेत्र में नरमी प्रमुख वजह, आर्थिक लक्ष्य से पीछे रहने का संकेत

इस्लामाबाद ।



पाकिस्तान सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को मामूली रूप से संशोधित करते हुए 3.65 प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में आई हल्की सुस्ती के मद्देनजर लिया गया है, जो पहले के 3.70 प्रतिशत के अनुमान से कम है। राष्ट्रीय लेखा समिति (एनएसी) की हालिया बैठक में इस संशोधन को मंजूरी मिली, जो पहले मई में चार प्रतिशत से घटाकर 3.70 प्रतिशत किया गया था। नए अनुमानों के अनुसार कृषि क्षेत्र 3.50 प्रतिशत की वृद्धि देखेगा, जबकि औद्योगिक क्षेत्र 3.34 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र 3.81 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगा। इन दोनों प्रमुख क्षेत्रों में पिछली अपेक्षाओं से कुछ नरमी दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के लिए 3.6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जबकि विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने 3.7 प्रतिशत की संभावना व्यक्त की है। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का आकार 450.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, और प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर 1,896 डॉलर हो गई है। हालांकि, देश में असाधारण महंगाई के चलते आम लोगों की क्रय शक्ति पर विपरीत असर पड़ा है, जिससे डॉलर में आय बढ़ने के बावजूद उनके जीवन स्तर में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है।

एसबीआई म्युचुअल फंड का छोटे शहरों पर फोकस

23,000 बैंक शाखाओं से जोड़ेगा नए निवेशक

नई दिल्ली ।



देश की सबसे बड़ी म्युचुअल फंड कंपनी एसबीआई म्युचुअल फंड ने छोटे शहरों और बी-30 बाजारों (30 अग्रणी शहरों के बाहर के क्षेत्र) में अपनी पहुंच बढ़ाने की नई रणनीति अपनाई है। कंपनी के एक अ धिकारी ने बताया कि कंपनी अपनी मूल इकाई भारतीय स्टेट बैंक के 23,000 से अधिक शाखाओं वाले व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाकर नए निवेशकों को जोड़ने पर विशेष ध्यान देगी। मेहता ने ऐसे समय में बिक्री विभाग की कमान संभाली है जब शेयर बाजार की चुनौतीपूर्ण स्थितियों और नई कंपनियों के प्रवेश से म्युचुअल फंड उद्योग की वृद्धि धीमी हुई है और प्रतिस्पर्धा भी तेज हुई है। उन्होंने जोर दिया कि बी-30 बाजार एसबीआई म्युचुअल फंड के लिए प्राथमिकता बने हुए हैं। कंपनी का लक्ष्य बैंक के साथ मिलकर काम करते हुए म्युचुअल फंड को जन-जन तक आसानी से पहुंचाना और उद्योग में नए ग्राहकों को जोड़ना है। एसबीआई म्युचुअल फंड छोटे शहरों में अपनी शाखाओं की संख्या बढ़ाने की भी योजना बना रहा है, जहां कई भागीदार फंड हाउस के साथ सीधे जुड़ना पसंद करते हैं। वर्तमान में कंपनी लगभग 300 शाखाओं और 1,000 से अधिक सेल्स प्रोफेशनल्स की टीम के जरिये करीब 1,25,000 वितरकों को सेवाएं दे रही है। उन्होंने बताया कि बाजार के उतार-चढ़ाव का असर केवल नए निवेशकों की धारणा पर पड़ता है, जबकि पुराने निवेशक इसके आदी हो चुके हैं। कंपनी निवेशकों को लंबे समय तक निवेशित रहने के महत्व को समझाने पर केंद्रित है। भौतिक उपस्थिति के साथ-साथ, फंड हाउस अपनी डिजिटल पहुंच को भी मजबूत कर रहा है, जिसका उदाहरण वित्त वर्ष 2026 में देखने को मिला जब उद्योग में जुड़े 80 लाख नए निवेशकों में से लगभग 8.5% एसबीआई एमएफ के डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आए।



ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।





एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं - लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।

लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए। मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।







टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8 :00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

आईसीसी रैंकिंग: जिम्बाब्वे सीरीज जीत के बाद नंदनी शर्मा और क्रांति गौड़ ने लगाई बड़ी छलांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की गेंदबाज नंदनी शर्मा और क्रांति गौड़ को जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। दोनों खिलाड़ियों ने आईसीसी की महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में अपनी स्थिति बेहतर की है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम की मेगन शट, एलिस पेरी और एनाबेल सदरलैंड को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

नंदनी शर्मा ने लगाई 26 स्थानों की छलांग

भारतीय तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा ने रैंकिंग में सबसे बड़ी छलांग लगाई है। वह 26 स्थान ऊपर चढ़कर 45वें नंबर पर पहुंच गई हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरुआती दो टी20 मुकाबलों में उन्होंने कुल तीन विकेट हासिल किए। पहले मैच में नंदनी ने 11 रन देकर दो विकेट लिए थे। इस प्रदर्शन के बाद उन्होंने करियर की सर्वश्रेष्ठ 507 रेटिंग अंक भी हासिल कर लिए हैं।

क्रांति गौड़ को भी मिला शानदार प्रदर्शन का फायदा

भारतीय गेंदबाज क्रांति गौड़ ने भी आईसीसी महिला टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में सुधार किया है। वह नौ स्थान ऊपर चढ़कर 43वें नंबर पर पहुंच गई हैं। क्रांति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के पहले दोनों मुकाबलों में एक-एक विकेट लिया था। उनकी इस निरंतरता ने रैंकिंग में उनकी स्थिति मजबूत की है और भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के लिए यह सकारात्मक संकेत है।

शेफाली वर्मा चौथे स्थान पर बरकरार

भारतीय बल्लेबाजों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। शेफाली वर्मा बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में केवल 25 गेंदों पर 55 रन की तेजतर्रार पारी खेली थी। वहीं, दीप्ति शर्मा ने पहले टी20 मैच में 37 गेंदों पर 49 रन बनाए, जिसके बाद वह एक स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 37वें नंबर पर पहुंच गईं।

न्यूजीलैंड की जॉर्जिया प्लिमर और मैडी ग्रीन को फायदा

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नॉर्थ सिडनी में खेले गए टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में न्यूजीलैंड की बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर और मैडी ग्रीन ने भी रैंकिंग में सुधार किया। प्लिमर ने नाबाद 85 रन की पारी खेली, जो इस प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। ग्रीन भी नाबाद रहीं और दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 127 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 162 रन बनाए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट से मुकाबला जीत लिया।

मेगन शट वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचीं

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की सफलता का सबसे बड़ा फायदा तेज गेंदबाज मेगन शट को मिला। उन्होंने तीसरे वनडे में 16 रन देकर चार विकेट लिए और पांच ओवर मेडन डाले। उनकी शानदार गेंदबाजी के सामने बांग्लादेश की टीम की पारी के दौरान स्कोर

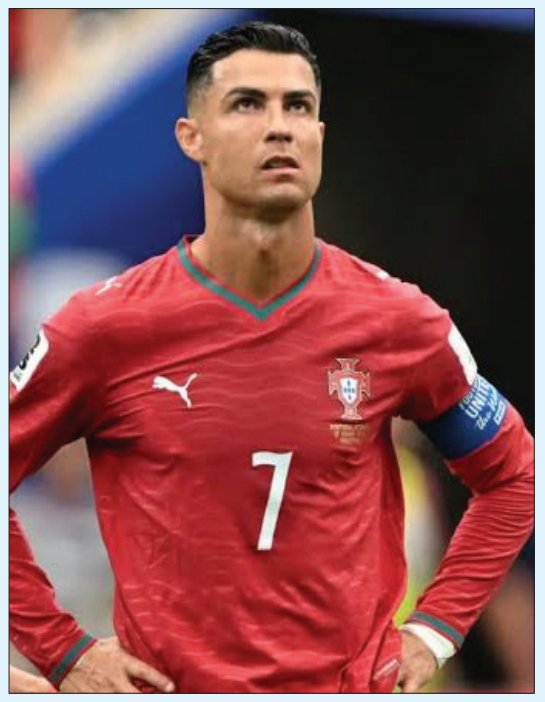


चार विकेट पर 45 रन रहा। शट ने पूरी सीरीज में कुल 10 विकेट लिए और दृष्टि महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

एनाबेल सदरलैंड और एलिस पेरी की वनडे रैंकिंग में सुधार

ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज एनाबेल सदरलैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे में नाबाद अर्धशतक लगाया। इसके बाद वह चार स्थान ऊपर चढ़कर महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर पहुंच गईं। उनके रेटिंग अंक 642 हो गए हैं। एलिस पेरी भी एक स्थान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की सूची में नौवें नंबर पर पहुंच गईं। ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी उन्होंने 14 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 25वां स्थान हासिल किया।

रोनाल्डो का लगा एक माह का प्रतिबंधा और जुर्माना



लिस्बन (एजेंसी)। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टीयानो रोनाल्डो पर एक माह का प्रतिबंध लग गया है। ऐसे में वह इस दौरान मैदान से दूर रहेंगे। उनपर इसके साथ ही 285 डॉलर का जुर्माना ली लगाया गया है। पुर्तगाल फुटबॉल एसोसिएशन ने ये प्रतिबंध रोनाल्डो और राष्ट्रीय टीम के कोच जॉर्ज जीसस के बीच बहसबाजी को लेकर लगाया है। इस मामले की जांच में पुर्तगाली फेडरेशन ने रोनाल्डो को दोषी पाया है।

यह मामला पुर्तगाल की नेशनल फुटबॉल टीम के एक कैंप का है। इसमें 41 वर्षीय रोनाल्डो टीम में अपनी भूमिका को लेकर कोच से सहमत नहीं थे। पुर्तगाली फेडरेशन की अनुशासनात्मक यूनिट ने इस घटना की जांच की और रोनाल्डो पर लगे आरोपों को पूरी तरह से सही पाया। इसी आधार पर उन पर 30 दिन का प्रतिबंध और 285 डॉलर (तकरीबन 23,700 रुपये) का जुर्माना लगाया गया है।

वहीं रोनाल्डो का आरोप है कि कोच ने उनसे दो बार वादाखिलाफी की। नेशंस लीग में डेनमार्क के खिलाफ अहम मैच से पहले क्रिस्टीयानो रोनाल्डो पुर्तगाल टीम का कैंप छोड़कर चले गए थे। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर आरोप लगाए कि नॉर्वे के खिलाफ उन्हें स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर भी मैदान पर नहीं उतारा गया, और उनके टीम में भूमिका को लेकर कोच अपना वादा दो बार तोड़ चुके थे। वहीं कोच ने अपने पर लगे सभी आरोपों को गलत बताया था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा था कि टीम में रोनाल्डो की वापसी के दरवाजे हमेशा खुले हैं।

फुटबॉल एसोसिएशन ने बताया कि रोनाल्डो ने अनुशासनात्मक नियमों की धारा 160(1) का उल्लंघन किया था। हालांकि बयान में यह खुलासा नहीं किया गया है कि रोनाल्डो का यह 30 दिन का प्रतिबंध किन मैचों पर लागू होगा और किस अवधि के लिए वह निलंबित रहेंगे, या फिर उनका सस्पेंशन पहले ही पूरा हो चुका है। इस अस्पष्टता ने स्थिति को और उलझा दिया है।

वहीं रोनाल्डो के पास इस सजा के खिलाफ अपील करने का अधिकार है। हालांकि, वह इस संबंध में पहले ही माफी मांग चुके हैं और उन्होंने कहा था कि उन्हें पहले से ही किसी न किसी सजा मिलने की उम्मीद थी। 30 दिन के सस्पेंशन और जुर्माने पर उन्होंने कोई व्यक्तिगत प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कैफ ने भुवनेश्वर की वापसी को सही करार दिया

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने न्यूजीलैंड दौरे के लिए तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की भारतीय टीम में वापसी को सही करार दिया है। कैफ का कहना है कि भुवनेश्वर भी जसप्रीत बुमराह की तरह शीर्ष स्तर के गेंदबाज हैं। कैफ ने कहा कि खेल को लेकर जुनून और कठिन अभ्यास उनकी उनकी सफलता का राज है। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर चयन के बारे में ज्यादा सोचने की जगह केवल अपने प्रदर्शन के बल पर ही टीम में अपनी जगह पक्की करते हैं। कैफ के अनुसार जो खिलाड़ी चयन के बारे में अधिक नहीं सोचते उन्हें कम दबाव होता है जिससे वे निराशा से बचते हैं। भुवनेश्वर इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि उनका एकमात्र काम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। कैफ ने भुवनेश्वर के गेंदबाजी कौशल की भी जमकर प्रशंसा की है। वह यॉर्कर, इन-स्विंग, आउट-स्विंग, नकल बॉल और स्लोअर गेंद से विरोधी को ध्वसत करते हैं। उन्होंने भुवनेश्वर को एक चालाक और गेंदबाज करार दिया, जो अपनी गेंदबाजी में विविधता से विरोधी बल्लेबाज पर दबाव बनाता है।

कैफ ने कहा कि भुवनेश्वर ऐसे खिलाड़ियों में से नहीं हैं जो टीम में जगह न मिलने पर फोन पर चर्चा करते हैं या मीडिया में बयानबाजी करते हैं। उनका मानना है कि ऐसी हरकतें खेल में नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। उन्होंने भुवनेश्वर की समर्पण की भावना को लेकर का कि वह अपने फिजियो और ट्रेनर के साथ नियमित रूप से अभ्यास करते हैं। कैफ के अनुसार, भुवी अपने काम में कोई लापरवाही नहीं बरतते और यही उनकी सफल वापसी का मुख्य कारण है।वहीं बुमराह से तुलना करते हुए कैफ ने एक चौंकाने वाला दावा किया। उन्होंने कहा, जितना इकॉनमी रेट बुमराह का टी20 क्रिकेट में है, उतना ही भुवनेश्वर का है।

महिला प्रीमियर लीग नीलामी 2027 में होगी कड़ी प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सत्र के लिए नीलामी इस माह के अंत में केरल के कोच्चि में होगी। 28 अक्टूबर को होने वाली इस नीलामी में कुल 146 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। इस दौरान सभी पांच फ्रेंचाइजी के पास केवल 27 खिलाड़ियों के लिए स्लॉट उपलब्ध हैं, जिससे यह बोली प्रक्रिया बेहद कड़ी रहेगी और इसमें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को ही अवसर मिल सकेगा। हर खिलाड़ी के लिए इस नीलामी के जरिये डब्ल्यूपीएल के अगले संस्करण में अपनी जगह पक्की करने का अवसर रहेगा।

इस नीलामी में बल्लेबाज जी कमलिनी, हरफनमौला स्नेह राणा, ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिन्यू और श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू पर बड़ी बोली लग सकती है। ये अनुभवी खिलाड़ी इस डब्ल्यूपीएल लीग का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और

27 स्लॉट के लिए 146 खिलाड़ी के बीच है मुकाबला



उम्मीद है कि इन पर जमकर बोली लगेगी। नीलामी सूची में खिलाड़ियों को उनकी श्रेणियों के अनुसार बांटा गया है। इसमें 22 भारतीय कैप्ड खिलाड़ी, 14 विदेशी कैप्ड खिलाड़ी, 97 अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी और 13 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी है। ऐसे में फ्रेंचाइजी अपनी टीम की जरूरतों के अनुसार खिलाड़ियों को शामिल कर सकती हैं।

अनुभव और पिछले प्रदर्शन के आधार पर, खिलाड़ियों को विभिन्न बेस प्राइस श्रेणियों में रखा गया है, जिसमें उच्चतम 50 लाख रुपये है। इसके अलावा 40 लाख, 30 लाख, 20 लाख और 10 लाख रुपये की अन्य श्रेणियां भी हैं। यह वर्गीकरण खिलाड़ियों की गुणवत्ता और फ्रेंचाइजी की रणनीतिक जरूरतों को दिखाता है। मुंबई इंडियंस द्वारा नीलामी से पहले रिलीज की गई विकेटकीपर-बल्लेबाज जी कमलिनी को 40 लाख रुपये के बेस प्राइस वाली श्रेणी में रखा गया है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स द्वारा रिलीज की गई स्नेह राणा और श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू को 30 लाख रुपये के बेस प्राइस वाली श्रेणी में जगह मिली है। 40 लाख रुपये की श्रेणी में भारत की किरण नवगिरे और ऑस्ट्रेलिया की हीथर ग्राहम तथा जेस जोनासन जैसी प्रमुख खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिनके लिए टीमों में जगह बनाना प्रबल है। ये खिलाड़ी अपनी टीमों के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता रखते हैं।

वहीं सबसे अधिक बेस प्राइस वाली श्रेणी, 50 लाख रुपये, में केवल दो खिलाड़ी हैं। इनमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा रिलीज की गई ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर सोफी मोलिन्यू और इंग्लैंड की सोफिया डंकली शामिल हैं। इन दोनो ने ही साल 2024 में गुजरात जायंट्स के लिए खेला था।

स्टार्क ने 775 अंतर्राष्ट्रीय विकेट पूरे कर बनाया रिकार्ड, विश्व के आठवें गेंदबाज बने

ग्केबेर्हा । दक्षिण अफ्रीका के ग्केबेर्हा में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ ही स्टार्क ने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर के 775 विकेट पूरे कर लिए हैं। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले विश्व के आठवें सबसे सफल तेज गेंदबाज बन गए हैं। मैच के दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के दौरान एक महत्वपूर्ण विकेट लेकर स्टार्क ने यह आंकड़ा छुआ। इस उपलब्धि के साथ ही स्टार्क अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के दिग्गज तेज गेंदबाजों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गये हैं। तेज गेंदबाजों की सूची में, पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव 687 विकेट के साथ 13वें पायदान पर हैं। वहीं, अगर हम सभी प्रकार के गेंदबाजों की बात करें, तो दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले 956 विकेट के साथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले तेज गेंदबाजों की सूची में, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन 991 विकेट के साथ ही नंबर एक पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा 949 और पाकिस्तान के वसीम अकरम 916 विकेट शामिल हैं। इस विशिष्ट क्लब में 8वें स्थान पर आकर स्टार्क इन खिलाड़ियों की श्रेणी में आ गये हैं। न्यूजीलैंड के टिम साउथी 776 विकेट के साथ स्टार्क से ठीक ऊपर सातवें स्थान पर हैं।



मुख्य चयनकर्ता के तौर पर प्रज्ञान ओझा की राह आसान नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। अजीत अगरकर की जगह पर नये मुख्य चयनकर्ता बने प्रज्ञान ओझा की राह आसान नहीं है। अजीत अगरकर की जगह लेने वाले ओझा के लिए यह भूमिका बिलकुल भी आसान नहीं होगी। उनकी अध्यक्षता में नई चयन समिति में शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार को शामिल किया गया है। वहीं वनडे विश्व कप में अब जबकि एक साल से भी कम का समय बचा है। उन्हें सभी प्रारुपों के लिए टीम को बेहतर बनाना होगा। चयन समिति को ऐसे खिलाड़ियों का चुनाव करना होगा, जो भारत को सभी फॉर्मेट में विश्व चैंपियन बना सकें। वहीं उन्हें ये भी ध्यान रखना होगा कि विश्व कप में अब एक साल से भी कम का समय बचा है। बीसीसीआई ने प्रज्ञान ओझा को भारतीय सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम का नया चीफ सिलेक्टर नियुक्त किया है।

उनके लिए सबसे पहली चुनौती रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को साधना रहेगा। उन्हें तटस्थ होकर कड़े फैसले लेने होंगे। यह जिम्मेदारी उन्होंने ऐसे समय में संभाली है, जब भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज, रोहित शर्मा और विराट कोहली, अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं और अगले साल होने वाले महत्वपूर्ण विश्व कप में खेलना चाहते हैं। यदि रोहित शर्मा आगामी एकदिवसीय सीरीज में रन बनाने के लिए संघर्ष करते हैं, तो क्या ओझा उन्हें टीम से बाहर करने जैसा मुश्किल फैसला ले पाएंगे? यह सर्वविदित है कि रोहित के भविष्य को लेकर बीसीसीआई और अगरकर के बीच विचारों में मतभेद था। दिलचस्प बात यह है कि चयनकर्ताओं के ऐसे किसी भी फैसले की जानकारी रोहित को स्वयं ओझा ने ही दी थी, जो अब अध्यक्ष के रूप में उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

वहीं उनकी दूसरी परीक्षा युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के बीच तालेमल स्थापित करना है। एक ओर जहां भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद टीम इंडिया में वापसी हुई है, वहीं मोहम्मद शमी जैसे कई और अनुभवी खिलाड़ी भी अपनी वापसी की उम्मीद लगाए बैठे हैं। इसके ठीक उलट, यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान जैसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन के बावजूद टीम में शामिल नहीं किए जा रहे हैं। ऐसे में प्रज्ञान ओझा को न केवल इन खिलाड़ियों से प्रभावी ढंग से संवाद करना होगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वे निराश होकर विद्रोही न हो जाएं या उनका मनोबल न गिरे। सही संतुलन बनाना उनकी रणनीतिक कुशलता की असली परख होगी।

वहीं तीसरी और शायद सबसे बड़ी चुनौती अपने पूर्ववर्ती मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के प्रदर्शन की बराबरी करना और उनसे बेहतर छाप छोड़ना है। अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने कुछ महत्वपूर्ण



टूर्नामेंट्स में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था और फाइनल तक का सफर तय किया था। ऐसे में प्रज्ञान ओझा को भी टीम से बेहतर प्रदर्शन लेना होगा।

इगा स्वियातेक ने चोट के कारण निंगबो ओपन से नाम वापस लिया



वुहान। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने बाई जांघ में लगातार बनी हुई चोट के कारण निंगबो ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। उनके इस फैसले से साल के अंत में होने वाले WTA फाइनल्स में सीधे क्वालीफाई करने की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा है। अब पोलैंड की इस स्टार खिलाड़ी के टूर्नामेंट में खेलने का एकमात्र रास्ता वैकल्पिक खिलाड़ी (ऑल्टरनेट) के रूप में प्रवेश करना है।

स्वियातेक को यह चोट वुहान ओपन के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान लगी थी, जहां उनका सामना अपनी हमवतन खिलाड़ी माजा च्वालिंस्का से हुआ था। इस हार्ड कोर्ट मुकाबले में चोट के कारण स्वियातेक को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने अपनी फिटनेस को प्राथमिकता देते हुए निंगबो ओपन से हटने का फैसला किया।

अकरम के शीर्ष पांच पसंदीदा क्रिकेटों में विराट भी शामिल



लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अपने पसंदीदा शीर्ष पांच क्रिकेटरों में भारत के विराट कोहली को भी शामिल किया है। वहीं हैरानी की बात है कि अकरम ने सुनील गावस्कर जैसे महान खिलाड़ी को इस सूची में जगह नहीं दी है। अकरम ने पहले नंबर पर वेस्ट इंडीज के पूर्व दिग्गज विवियन रिचर्ड्स को रखा है। वहीं नंबर 2 पर वेस्टइंडीज तेज गेंदबाज कर्टली एम्ब्रोस को जगह दी है। नंबर 3 पर अकरम ने अपने ही देश के पूर्व कप्तान इमरान खान और नंबर 4 पर ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबा एडम गिलक्रिस्ट को जगह दी है जबकि पांचवें नंबर पर विराट कोहली को रखा है। अकरम की इस सूची में गावस्कर और तेंदुलकर शामिल नहीं हैं। गौरतलब है कि रिचर्ड्स गुजरे जमाने के सबसे आक्रामक क बल्लेबाज रहे है। रिचर्ड्स ने टेस्ट में 121 मैच खेलकर कुल 8540 रन बनाए हैं जिसमें 24 शतक और 45 अर्धशतक शामिल रहे, वहीं, 187 एकदिवसीय में 6721 रन बनाए जिसमें 11 शतक और 45 अर्धशतक शामिल रहे हैं। टेस्ट में रिचर्ड्स ने 50.23 की औसत के साथ रन बनाए तो वहीं, एकदिवसीय में उन्होंने 47.00 के औसत के साथ रन बनाने में सफलता हासिल की थी। गौरतलब है कि अकरम ने अपने टेस्ट करियर में 104 मैच में कुल 414 विकेट लिए हैं जबकि एकदिवसयी में उनके नाम 356 मैच में कुल 502 विकेट लेने का रिकॉर्ड है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 से अधिक विकेट लेने वालों की सूची में भारत के अश्विन और कुंबले भी शामिल

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में 100 रनों से अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में भारत के भी दो गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन और अनिल कुंबले शामिल है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड नंबर एक पर हैं। ब्रॉड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 153 विकेट लिए है। वहीं इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाज इयान बॉथम ने 148 विकेट लिए हैं और वह दूसरे स्थान पर हैं। वहीं वेस्टइंडीज के कर्टनी वॉल्श के नाम 135 विकेट हैं। न्यूजीलैंड के रिचर्ड हैडली के 130 विकेट दर्ज हैं। इसके अलावा वेस्टइंडीज के कर्टली एम्ब्रोस और इंग्लैंड के बॉब विलिस ने भी 128-128 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन के नाम 117 विकेट हैं। कई दूसरे गेंदबाजों ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों में 100 से ज्यादा विकेट लिए हैं। भारतीय गेंदबाजों की बात करें तो अश्विन और अनिल कुंबले को ही इस सूची में जगह मिली है। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में 114 विकेट लिए, जबकि कुंबले के नाम 111 विकेट हैं। दोनों गेंदबाजों ने अपनी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को कई बार हैरान किया है। अश्विन साल 2023 में कुंबले को पीछे छोड़कर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने थे। ऑस्ट्रेलिया जैसी विश्व की शीर्ष टीम के खिलाफ 100 से अधिक विकेट लेकर अश्विन और कुंबले ने भारतीय गेंदबाजों की धाक जमाने के साथ ही युवाओं को प्रेरित भी किया क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी आक्रमण काफी अच्छा माना जाता रहा है।



वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी को लेकर डरे हुए हैं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज डफी

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के न्यूजीलैंड दौरे को लेकर जहां प्रशंसकों में उत्साह है। वहीं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी डरे हुए नजर आ रहे हैं। डफी को ये डर 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी को लेकर है। भारतीय टीम 22 अक्टूबर से क्राइस्टचर्च में मेजबान कीवी टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में प्रशंसक वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वैभव ने बहुत कम समय में एक खास पहचान बनाई है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी विस्फोटक पारियों के बाद सीधे भारतीय टीम में जगह बनाई। अब तक खेले गए आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बैभव ने 246 रन बनाये चुका है, जिसमें दो शानदार अर्धशतक भी शामिल हैं।

वहीं डफी ने वैभव को आईपीएल के दौरान करीब से बल्लेबाजी करते देखा है और वह अच्छी तरह जानते हैं कि जब यह युवा बल्लेबाज अपनी लय में होता है, तो गेंदबाजों के लिए कितनी बड़ी चुनौती पेश करता है। सूर्यवंशी की लगातार आक्रामक बल्लेबाजी करने की खूबी से डफी थोड़े चिंतित जरूर हैं पर उन्होंने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड के हालात वैभव के लिए भी अलग होंगे। डफी आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल थे वैभव के बारे में बात करते हुए कहा, वह एक जबरदस्त प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। उन्होंने आईपीएल में जमकर रन बनाये हैं। सबसे कमाल की बात यह है कि वह जोरदार तरीके से मारता है और वह ऐसा लगातार करता है। वह हर मैच में 250 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहा है और वह बहुत कम मौकों पर चूकता है।

यह पहली बार है जब वह न्यूजीलैंड दौरे पर आए हैं, और यहां की परिस्थितियां उनकी क्षमताओं की कड़ी परीक्षा लेंगी। जफी का मानना है कि न्यूजीलैंड की पिचों पर मिलने वाला अतिरिक्त उछाल और गेंद का सीम मूवमेंट युवा बल्लेबाज के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा, यह उसका पहला दौरा है, है ना? मुझे पक्का नहीं पता, भारत के बाहर, शायद वह इंग्लैंड में खेला है। उसके लिए न्यूजीलैंड की परिस्थितियां थोड़ी अलग होंगी तो जाहिर है कि यह उसके लिए एक चुनौती होगी। लेकिन हमने निश्चित रूप से उसके खेल का अच्छी तरह विश्लेषण किया है और हमारे पास योजना है कि उसके खिलाफ क्या करना है। न्यूजीलैंड टीम ने इस युवा भारतीय प्रतिभा के खिलाफ अपनी रणनीति बनाने के लिए पूरा होमवर्क किया है, जिससे यह सीरीज और भी दिलचस्प होने वाली है।





सोशल मीडिया पोस्ट के कमेंट्स में क्या ढूंढती थीं हरलीन

एक्ट्रेस हरलीन सेठी ने बातचीत में बताया कि वह अपने गोरे-चिट्टे भाई से खुद की तुलना करती थीं। रंग को लेकर यह झिझक एक्टिंग में आने के बाद भी उनका पीछा करती रही। 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' के दौरान वह दर्शकों के कमेंट्स में भी अपनी स्किन को लेकर प्रतिक्रिया ढूंढती थीं। फिर एक वक्त ऐसा आया, जब उन्हें एहसास हुआ कि लोग उन्हें उनके रंग के लिए नहीं, उनके काम के लिए पसंद कर रहे हैं।

मैं डस्की थी और मेरा भाई गोरा-चिट्टा

हरलीन के मुताबिक, रंग को लेकर उनकी झिझक किसी एक व्यक्ति की कही बात से नहीं आई। वह खुद की दूसरों से तुलना करती रहीं और धीरे-धीरे यह बात उनके मन में बैठ गई। हरलीन ने कहा, 'मुझे लगता है कि ये ज्यादा सेल्फ-इन्फ्लिक्टेड ही था। जब आप एक तरीके के दिखते हो और आपकी मम्मी एक अलग तरीके की दिखती हैं, तो आपको लगता है कि यार, ये कैसे है? मेरा भाई मेरी मां पर गया था। मेरा भाई भी बहुत सुंदर है। वो एकदम गोरा-चिट्टा था और मैं डस्की। तो मुझे लगता है कि ये चीज खुद से ही आई।' वह बताती हैं कि बचपन से ही भाई करण के लुक्स की खूब तारीफ होती थी। 'सब उसको कहते थे कि तुम कितना सुंदर हो। हम कहीं भी जाते थे तो लोग पूछते थे कि यार, तू कब हीरो बन रहा है, तू कब एक्टर है। उसको इतना गुड लुकिंग कहते थे। उसके दिमाग में डाल देते थे कि तुम अच्छे दिखते हो, तुम कैमरे के सामने आ सकते हो।मैं खुद को अपनी मॉम से कंपेयर करती थी और फिर अपने भाई से। आप पापा के फेवरेट हो और भाई का फेवरेट है। तो एक तो मॉम के साथ कंपेयर, ऊपर से भाई वैसे ही सुंदर है और वो भी फेवरेट है। तो बहुत सारी चीजें थीं।'

डर था कि लोग मुझे देखकर क्या कहेंगे

हरलीन ने 29 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। ऐसे में कैमरे के सामने अपने लुक्स को लेकर वह पहले से ज्यादा कॉन्शस थीं। 'मेरा तो ऐसा भी नहीं था कि बचपन से मुझे पता था कि मुझे एक्टर बनना है, बड़े पर्दे पर आना है। मैंने उस तरीके से कभी एक्टिंग नहीं सीखी। कभी अपने लुक्स का ध्यान नहीं दिया। मैंने बहुत लेट शुरुआत की, 29 पर। आप लड़कियों का करियर ग्राफ देखो जो फिल्मों वगैरह में आती हैं। वो सब 16-17 पर शुरू करती हैं। तो मैं 29 पर शुरू कर रही हूं। तो कॉन्शसनेस होती है कि क्या आप अच्छे दिखते हो स्क्रीन पर, आप कैसे दिखते हो।'

'सबसे ज्यादा तनाव इस बात का था कि ब्रोकन में जब मुझे लोग देखेंगे तो कैसे देखेंगे। मुझे इतना प्यार मिला। लोग मेरी एक्टिंग की तारीफ कर रहे थे। लेकिन मैं उन कमेंट्स और डीएम में ढूंढती थी कि यार, स्किन के बारे में किसी ने कुछ कहा? इतने प्यार के बीच आज तक मुझे याद नहीं कि एक भी कमेंट मेरी स्किन को लेकर आया हो। वो मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। उस समय मैं अपनी मां के सामने रोई। तब मुझे समझ आया कि लोग आपके स्किल, टैलेंट और स्क्रीन पर आपके काम की तारीफ करते हैं। यह सिर्फ इस बारे में नहीं है कि आप कैसे दिखते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह एक बहुत अलग शुरुआत थी। ब्रोकन ने मुझे एक बहुत बड़ी चीज दी।'

इसके बाद हरलीन उम्र और हार्मोनल बदलावों की भी बात करती हैं

'पीसीओडी एक ऐसी चीज है, जो आपकी लाइफस्टाइल से रिलेटेड है। जैसी आपकी लाइफ है, सोना, खाना, पीना, वर्कआउट नहीं करना, बहुत सारी चीजें हैं। तो वो ऊपर-नीचे चलता रहता है। साथ ही, इस उम्र में ये बहुत हार्मोनल भी है। हम जिस एज में जा रहे हैं, गर्ल्स, हार्मोन्स के साथ हर रोज आप अलग दिखते हो। कभी आपकी आंखें पफी हैं, कभी फेस पर वॉटर रिटेंशन है, कभी बॉडी में ब्लोटिंग है।

कैमरे पर अच्छा दिखना ही सबकुछ नहीं

हरलीन अब मानती हैं कि एक्टिंग में अपने लुक से ज्यादा किरदार पर ध्यान देना जरूरी है। 'एक कॉमन मैन भी सेल्फी खींचता है तो 10 खिंचाता है। 10 में से एक चूज करता है और वो सोशल मीडिया पर डालता है। एक एक्टर के लिए कितना हार्ड है सोचो। अगर आपने एक ही टेक दिया और वो उस एंगल से है जो डायरेक्टर को जाएगा। हो सकता है वो सबसे फ्लैटरिंग न हो, लेकिन सीन के लिए राइट हो। तो ये चीजें आप कंट्रोल नहीं कर सकते। आपको बस ये भूलना पड़ता है कि आप कैसे दिख रहे हो। बस कैरेक्टर के माइंड में रहो। कैमरे पर अच्छा दिखना ही सबकुछ नहीं।'



कुब्रा सैत ने महिला सशक्तिकरण को लेकर अपनी बात रखी

अपनी बेबाक राय और बेझिझक अंदाज के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री कुब्रा सैत ने हाल ही में एक कार्यक्रम में महिलाओं की आवाज बनने के लिए सम्मानित किए जाने पर महिला सशक्तिकरण को लेकर अपनी बात रखी। महिलाओं की ताकत और उनके संघर्ष करने की क्षमता को सिखाने की जरूरत वाली सोच पर सवाल उठाते हुए अभिनेत्री ने सशक्तिकरण और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने की आजादी को लेकर एक नया नजरिया पेश किया है। कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए कुब्रा सैत ने कहा, ऐसे किसी भी मंच से जुड़ना, जो महिलाओं का प्रतिनिधित्व करता है, मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। और ऐसा इसलिए नहीं है कि आज हालात बहुत खराब हैं और महिलाओं को मदद की जरूरत है। मेरा मानना है कि महिलाएं सदियों से साहसी और संघर्षशील रही हैं। अगर कुछ है, तो वह यह कि हमने हमेशा अपने हक और अपनी इच्छाओं के लिए लड़ाई लड़ी है। यह दर्ज किया गया हो या नहीं, लेकिन कहीं न कहीं हम यह मानने लगे हैं कि यह पुरुषों की दुनिया रही है। हालांकि आपके पिछले पैनल में भी देखा कि किस तरह पुरुषों ने हमें वह महिला बनने का अवसर दिया, जो हम बनना चाहते हैं। और खासकर जब यह बात राजनीतिक स्तर पर कही जाती है, तो इसे सुनना बहुत अच्छा लगता है। रही मेरी बात तो मैं यही कहना चाहूंगी कि महिलाओं के सशक्तिकरण की आवाज बनने के लिए सम्मानित होना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। हालांकि, मुझे लगता है कि मुझे बस अपनी जिंदगी जीने, उसे पूरी तरह से अनुभव करने, गलतियां करने से न डरने और खुद के लिए एक बेहतर इंसान बनने की कोशिश करने का अवसर मिला है। मुझे खुशी है कि मैं एक महिला हूं। फिलहाल अपने इस दमदार बयान के साथ कुब्रा ने बातचीत को एक बार फिर व्यक्तिगत पहचान और स्वतंत्रता की ओर मोड़ दिया है। उन्होंने याद दिलाया कि सशक्तिकरण केवल महिला होने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपनी पसंद से जिंदगी जीने, फैसले लेने और अपने अनुभवों के जरिए खुद को समझने की आजादी से भी जुड़ा है।



रोमांटिक-ड्रामा फिल्म तुम मेरे हो से प्रोड्यूसर बनीं देबीना बनर्जी

अभिनेत्री देबीना बनर्जी आगामी रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'तुम मेरे हो' के जरिए फिल्म निर्माता के तौर पर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म बनाने का आइडिया उनके पति और अभिनेता गुरमीत चौधरी का था, उन्होंने बस उनका साथ दिया है। दरअसल, अभिनेत्री ने पति गुरमीत चौधरी के साथ मिलकर अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस 'देबगुरु फिल्म्स' शुरू किया है और इस बैनर तले पहली फिल्म 'तुम मेरे हो' रिलीज होने जा रही है। आईएएनएस के साथ बातचीत में अभिनेत्री देबीना बनर्जी ने बताया कि उनके पति और अभिनेता गुरमीत चौधरी अपने हिसाब से फिल्में करना चाहते थे, और इसी वजह से उन्होंने खुद की फिल्में बनाने का फैसला लिया।

उन्होंने कहा, 'फिल्म बनाने का आइडिया गुरमीत के दिमाग में आया था। मैं बस उसे देख रही थी और वह काफी बेचैन था, क्योंकि वह जानता था कि उसे किस तरह की फिल्म करनी है। वह एक रोमांटिक हीरो है, लेकिन जब भी उसे ओटीटी या कहीं और काम मिल रहा था, तो उसमें काफी एक्शन होता था। गुरमीत को एक्शन भी पसंद है, लेकिन उसका एक खूबसूरत रोमांटिक साइड भी है। उसकी आंखें, उसका चेहरा सब कुछ बोलता है। इसलिए उसे लगा कि जिस तरह की स्क्रिप्ट वह ढूंढ रहा था, वह उसे नहीं मिल रही थी। जब आपको वह नहीं मिलता जो आप चाहते हैं, तो बहुत कम लोगों में इसे अपने लिए बनाने की हिम्मत होती है।' अभिनेत्री ने आगे प्रोड्यूसर और एक्टर के बीच के फर्क पर भी बात की। उन्होंने बताया कि एक एक्टर के तौर पर आप सिर्फ अपने किरदार और खुद के बारे में सोचते हैं, लेकिन प्रोड्यूसर के तौर पर आपको सेट पर होने वाली हर छोटी-बड़ी चीज, बजट से लेकर पूरी टीम तक, हर चीज का ध्यान रखना होता है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक्टिंग फिल्ममेकिंग एक ऐसा फेज हैं, जहां आप बस अपनी चीजों का ध्यान रखते हैं और अपना काम काम करके निकल जाते हैं, लेकिन एक प्रोड्यूसर के तौर पर, आपको स्क्रिप्ट, सबके शेड्यूल, डेट्स, कॉस्ट्यूम्स, बजट और लोकेशन्स समेत हर छोटी-बड़ी चीज का ध्यान रखना होता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'आप कभी यह नहीं कह सकते कि नहीं, यह प्रोड्यूसर का काम नहीं है। एक प्रोड्यूसर के तौर पर आपको अलग-अलग डिपार्टमेंट, अलग-अलग चीजें संभालनी पड़ती हैं, लेकिन जब भी कोई गड़बड़ होती है, तो आपको ही आगे आकर उसे सुलझाना पड़ता है।'



विक्की कौशल की 'महावतार' में तारा सुतारिया की हो सकती है एंट्री

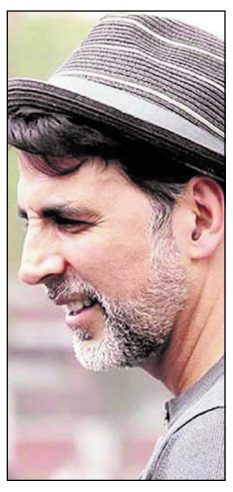
विक्की कौशल की आगामी पौराणिक फिल्म 'महावतार' की हीरोइन को लेकर चर्चाएं तेज हैं। फिल्म में विक्की के अपोजिट मुख्य भूमिका के लिए तारा सुतारिया का नाम सबसे आगे चल रहा है। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी तारा के नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तारा ने भी इस प्रोजेक्ट में खास दिलचस्पी दिखाई है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स कर रही है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, 'महावतार' की कास्टिंग को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार बदलाव हो रहे हैं। मेकर्स ऐसी एक्ट्रेस की तलाश में हैं, जो फिल्म की भव्य और काल्पनिक दुनिया में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा सके। वहीं 'छावा' के बाद 'महावतार' विक्की और मैडॉक फिल्म्स की ये एक और बड़ी फिल्म है।

संजय लीला भंसाली की फिल्म 'महाकाल' में साथ दिखेंगे अक्षय और राणा

संजय लीला भंसाली एक भव्य पौराणिक फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'महाकाल' नाम की इस फिल्म मैं अक्षय कुमार और राणा दग्गुबाती लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता चंदू मोंडेटी को मिलने की बात कही जा रही है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भंसाली को चंदू का पिछला काम पसंद आया था। चंदू ने 'कार्तिकेय 2' का निर्देशन किया था, जिसे काफी पसंद किया गया। भंसाली ने इसी वजह से 'महाकाल' के निर्देशन के लिए उनसे संपर्क किया है। 'महाकाल' पौराणिक फिल्म बताई जा रही है। इसकी शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा वाराणसी में किया जा सकता है। फिल्म में पौराणिक दुनिया के साथ अलौकिक और थ्रिलर एलिमेंट्स भी होने की बात कही जा रही है। इसकी कहानी किसी एक देवता के इर्द-गिर्द नहीं होगी। इसमें हिंदू पुराणों के कई संदर्भों के साथ अलग-अलग दिव्य किरदार देखने को मिल सकते हैं। अक्षय-राणा इससे पहले 'बेबी' में साथ नजर आ चुके हैं।





रणदीप हुड्डा ने याद किए 'मैचबॉक्स' की शूटिंग के दिन



अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपनी हाल ही में रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्म 'मैचबॉक्स: द मूवी' के सेट से कई तस्वीरें साझा कीं। । इसमें कई जगह वह पत्नी लिन और फिल्म के बाकी एक्टर्स के साथ एंजॉय करते नजर आए। वहीं दूसरी खास फोटो में वह स्टार जॉन सीना के साथ भी दिखाई दिए। इस फोटो में दोनों ही अभिनेता काफी खुश नजर आ रहे थे।

रणदीप हुड्डा ने फोटोज के साथ एक शानदार कैप्शन भी लिखा। उन्होंने इन फोटोज को कैप्शन देते हुए लिखा, 'मैचबॉक्स मेरे एक्सट्रैक्शन टीम के दोस्तों से मिलने-जुलने और नई यादें बनाने का एक शानदार बहाना था।' इसके साथ ही फिल्म के निर्देशक सैम हार्ग्रेव के लिए लिखा, 'हमें फिर से थोड़ा साथ खेलने का मौका मिला... सैम, फिर से खेलो।' मैचबॉक्स: द मूवी 2026 में रिलीज़ हुई एक अमेरिकी एक्शन कॉमेडी फिल्म है। फिल्म का निर्देशन सैम हरग्रेव ने किया है इस फिल्म की पटकथा डेविड कॉगेशल ने लिखी है। यह फिल्म मैटल के खिलौना ब्रांड मैचबॉक्स पर आधारित है। इसमें रणदीप हुड्डा के अलावा जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो और टेयोना पैरिस ने अहम किरदार निभाए हैं।

कांची कौल ने रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' के साथ टीवी पर वापसी की

अभिनेत्री कांची कौल ने रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' के साथ करीब एक दशक बाद टीवी पर वापसी की है। कांची इस नई शुरुआत को लेकर काफी उत्साहित हैं। टीवी पर वापसी के बारे में बात करते हुए कांची ने कहा कि बीते कुछ सालों में जिंदगी को देखने का उनका नजरिया काफी बदल गया है। अब वह पुराने दौर में लौटने के बजाय अपने अनुभवों के साथ एक नई शुरुआत करना चाहती हैं। कांची ने कहा, ''मेरा मानना है कि आप जहां पहले थे, वहां लौटने और आज जो इंसान बन चुके हैं, उसके रूप में आगे बढ़ने के बीच फर्क होता है। मैं अपने पुराने दौर को दोबारा जीने के लिए वापस नहीं आई हूं बल्कि एक नए अनुभव का हिस्सा बनने आई हूं। पिछले एक दशक ने काम, महत्वाकांक्षाओं और जिंदगी को लेकर मेरा नजरिया कई तरह से बदला है और मैं इन बदलावों को काफी अहम मानती हूं।'' उन्होंने कहा, ''पति, पत्नी और पंगा' के जरिए मुझे दर्शकों से एक नए अंदाज में जुड़ने का मौका मिल रहा है और यह मेरे लिए काफी रोमांचक है। जिंदगी के इस पड़ाव पर मैं अपने सफर का आनंद लेना चाहती हूं, अपनी सहज सोच पर भरोसा करना चाहती हूं और ऐसे काम चुनना चाहती हूं जो वास्तव में मेरे दिल के करीब हों।'

करीब 10 साल तक टीवी से दूर रहने के बाद कांची ने 'पति, पत्नी और पंगा' के साथ छोटे पर्दे पर वापसी की है। इस शो में वह अपने पति और अभिनेता शब्बीर अहलूवालिया के साथ नजर आ रही हैं। दोनों की जोड़ी को एक बार फिर साथ देखना उनके फैंस के लिए खास है। शो के नए सीजन को सोनाली बेंद्रे बहल और मुनव्वर फारूकी होस्ट कर रहे हैं। इसमें शादीशुदा जिंदगी के रोजमर्रा के अनुभवों को मनोरंजक अंदाज में दिखाया जा रहा है। शो में शामिल कपल्स को कई मजेदार और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस सीजन में राहुल वैद्य और दिशा परमार, अर्जुन बिजलानी और नेहा स्वामी बिजलानी, शब्बीर अहलूवालिया और कांची कौल, दीपिका सिंह और रोहित राज गोयल, दिव्यांका त्रिपाठी दहिया और विवेक दहिया, मनोज तिवारी और सुरभि तिवारी के साथ अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी भी हिस्सा ले रहे हैं। 'पति पत्नी और पंगा' हर शनिवार और रविवार को जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होता है।



सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी के बाद सीजेपी प्रमुख ने जारी किया वीडियो संदेश, समर्थकों से नफरत से दूर रहने की अपील; दोनों की न्यायिक हिरासत 21 अक्टूबर तक बढ़ाई

अभिजीत दीपके बोले- हिंसक आंदोलनों से अलग है हमारा विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने मंगलवार को वीडियो संदेश जारी कर अपने समर्थकों से आंदोलन के दौरान शांति और अहिंसा का रास्ता अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत में चल रहे प्रदर्शनों की तुलना नेपाल और बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के दौरान हुए हिंसक आंदोलनों से करना उचित नहीं है। दीपके ने पार्टी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए समर्थकों से शांत रहने और अपने ऊपर नफरत को हावी नहीं होने देने की अपील की। उनके मुताबिक, आंदोलन को शांति, प्रेम और अहिंसा के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए। 'मैसेज टू ऑल कॉकरोचेस' शीर्षक से जारी वीडियो में दीपके ने सौरव दास और आशुतोष रांका के जेल जाने को गांधीवादी सत्याग्रह से जोड़ते हुए कहा कि दोनों शांतिपूर्वक जेल गए। उन्होंने दावा किया कि दोनों के मन में गुस्सा या नफरत नहीं थी और उन्होंने विरोध के लिए हिंसा का रास्ता नहीं चुना। दीपके ने कहा कि आंदोलन की पहचान उसके तरीके से होती है और उनका संगठन शांतिपूर्ण विरोध जारी रखने के पक्ष में है। दीपके ने अपने संदेश में फ्रांस में हुए हिंसक युवा प्रदर्शनों के साथ नेपाल और बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन से जुड़े आंदोलनों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत में हो रहे प्रदर्शनों को इन घटनाओं के समान नहीं माना जाना चाहिए। उनके अनुसार, सौरव दास और आशुतोष रांका को पता था कि उन्हें गलत तरीके से जेल भेजा जा रहा है, इसके बावजूद उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से गिरफ्तारी स्वीकार की। सीजेपी प्रमुख ने कहा कि उनके आंदोलन की तुलना हिंसक सत्ता परिवर्तन से नहीं की जा सकती। उन्होंने अपने विरोध के तरीके को महात्मा गांधी के सत्याग्रह और अहिंसा के सिद्धांतों से जोड़ते हुए कहा कि संगठन इसी रास्ते पर आगे बढ़ेगा। दीपके ने यह भी कहा कि जेल से बाहर आने के बाद सौरव दास और आशुतोष रांका फिर मुस्कुराते हुए लोगों के बीच आएंगे और 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा लगाते हुए शांति तथा अहिंसा का संदेश देंगे। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सौरव दास और आशुतोष रांका को 12 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बिना अनुमति पहुंचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बताया गया कि दोनों निजी परिसर से होकर उस स्थान तक पहुंचे थे, जहां प्रदर्शन को लेकर प्रतिबंध लागू था। गिरफ्तारी के बाद दोनों को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। पांच दिन की न्यायिक हिरासत सोमवार को समाप्त हुई। इसके बाद उनकी न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ाकर 21 अक्टूबर तक कर दी गई। इस घटनाक्रम के बीच दिल्ली पुलिस ने दोनों नेताओं के खिलाफ दर्ज मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी है। अब मामले की जांच क्राइम ब्रांच करेगी वीडियो संदेश में दीपके ने समर्थकों को स्पष्ट संदेश दिया कि गिरफ्तारी के बाद भी आंदोलन को शांतिपूर्ण बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विरोध के दौरान नफरत को हावी नहीं होने देना चाहिए और संगठन को प्रेम तथा अहिंसा के सिद्धांतों पर कायम रहना चाहिए। उन्होंने दोनों नेताओं की गिरफ्तारी



को शांतिपूर्ण प्रतिरोध के उदाहरण के रूप में पेश किया। दीपके के बयान के बाद अब मामले में पुलिस की जांच और दोनों नेताओं की न्यायिक हिरासत पर आगे की कार्रवाई महत्वपूर्ण रहेगी। फिलहाल दोनों 21 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में हैं और उनके खिलाफ दर्ज मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपे जाने की जानकारी सामने आई है।

अमेरिका के हर बच्चे को स्पेसएक्स का शेयर देने के एलान पर ट्रम्प ने मस्क को कहा धन्यवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमेरिका। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उद्योगपति इलॉन मस्क को अमेरिका के हर बच्चे को उनकी रॉकेट निर्माण कंपनी स्पेसएक्स का एक शेयर देने के प्रस्ताव पर धन्यवाद दिया है। मस्क ने 19 अक्टूबर को एलान किया था कि अगले साल अमेरिका के हर बच्चे को स्पेसएक्स का एक शेयर उपहार में दिया जाएगा। ट्रम्प ने इस पहल को बच्चों के भविष्य में निवेश करने और उन्हें 'अमेरिकन ड्रीम' का हिस्सा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। हालांकि, इस योजना को लागू करने की प्रक्रिया और शेयर वितरण की शर्तों के बारे में अभी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर मस्क की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि हमारे दिग्गज दोस्त इलॉन मस्क का बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने 'ट्रम्प अकाउंट्स' के जरिए लाखों अमेरिकी बच्चों को स्पेसएक्स के शेयर देने का एलान कर दरियादिली दिखाई है। ट्रम्प के अनुसार, जब 'ट्रम्प अकाउंट्स' की शुरुआत की गई थी, तब इसका उद्देश्य भी बच्चों के भविष्य को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए निवेश की व्यवस्था करना था। ट्रम्प ने कहा कि निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों, इलॉन मस्क और अन्य लोगों को एक साथ लाकर बच्चों के भविष्य में निवेश किया जा सकता है। उन्होंने बच्चों को देश की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण संपत्ति बताते हुए कहा कि इस तरह की पहल से हर अमेरिकी बच्चे को 'अमेरिकन ड्रीम' में हिस्सेदारी देने का अवसर मिलेगा। पोस्ट के अंत में उन्होंने मस्क को धन्यवाद दिया।



कच्छ में पूरी रात खूनी खेल चलता रहाः पत्नी से कथित प्रेम संबंध के शक में खूनी डबल मर्डर, पूरे इलाके में सन्नाटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भुज/कच्छ। कच्छ जिले से एक बहुत ही सनसनीखेज, रोंगटे खड़े कर देने वाली और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। प्रेम संबंध के शक और अंधविश्वास के काले बादलों ने ऐसा खूनी खेल खेला कि दो बेगुनाह युवकों की जान चली गई। पत्नी से प्रेम संबंध या प्रेम संबंध के शक में बेरहम आदमियों द्वारा की गई इस डबल मर्डर की घटना से पूरे कच्छ इलाके में हंगामा मच गया है और लोगों में डर का माहौल है।B मिली जानकारी के मुताबिक, कच्छ के एक संवेदनशील इलाके में लंबे समय से आपसी रंजिश चल रही थी। आरोपी को बहुत शक था और उसे अंधविश्वास था कि उसकी पत्नी का दूसरे लड़कों के साथ कथित तौर पर लव अफेयर चल रहा है। इसी अंधविश्वास और घमंड में अंधे होकर हमलावरों ने बदला लेने के लिए जानलेवा प्लान बनाया। मौके पर ही मौतः हमला इतना खतरनाक और बेरहम था कि दोनों युवकों को भागने या अपना बचाव करने का कोई मौका नहीं मिला और खून से लथपथ दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जैसे ही दो युवकों की एक साथ हत्या की खबर जंगल में आग की तरह फैली, लोकल पुलिस फोर्स में भारी हड़कंप मच गया।



योगीनगर के बाद अब पीज गांव में 'आद्या विला' के नाम पर करोड़ों रुपये ठगे, ग्राहक सड़क पर भटके

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नडियाद/पीज। खेड़ा जिले के हेडक्वार्टर नडियाद और आसपास के ग्रामीण इलाकों में रियल एस्टेट के नाम पर लोगों की मेहनत की कमाई लूटने वाले बिल्डरों का एक चर्चित और बड़ा स्कैम सामने आया है। नडियाद के योगीनगर इलाके में बिल्डरों की असली पहचान सामने आने के बाद अब पीज गांव के बाहरी इलाके में बनी 'आद्या विला' सोसायटी में बिल्डरों की जानलेवा और सुनियोजित ठगी का खुलासा हुआ है। अपने सपनों के घर की उम्मीद में अपनी मेहनत की कमाई जमा करने वाले कस्टमर्स के नाम पर बैंकों से करोड़ों रुपये का होम लोन निकालने के बाद भी बिल्डरों ने घरों का काम पूरी तरह अधूरा छोड़ दिया है। इतना ही काफी नहीं था, घर का पज़ेशन न मिलने पर परेशान मालिकों ने लोन की किश्तें देना बंद कर दिया और अब इन अधूरे घरों को बैंकों ने सील कर दिया है, जिससे कस्टमर्स पर कहर टूट पड़ा है! मिली जानकारी के मुताबिक, पीज गांव के बाहरी इलाके में मौजूद इस प्रोजेक्ट में कस्टमर्स के साथ खुलेआम धोखा और ठगी की गई है। 7 साल पहले जब बिल्डरों ने स्कीम दिखाई थी, तो जो ऑफिशियल प्लान और सड़कें कस्टमर्स को दिखाई थीं, आज हैरानी की बात है कि वहां दूसरी सोसायटी बन गई हैं! सड़कें गायबः असली मैप के हिसाब से सड़कें कागजों पर ही रह गईं और उस जमीन पर दूसरे स्ट्रक्चर खड़े कर दिए गए। अधूरा कंस्ट्रक्शनः कस्टमर्स से पूरा पेमेंट और बैंक से लोन का 100' अमाउंट मिलने के बाद भी, घरों का काम बीच में ही रोक दिया गया। कस्टमर्स शक की हालत मेंः घर मिला भी नहीं और बैंकों ने सील कर दिया बिल्डर्स के इस गंदे खेल में मिडिल क्लास और गरीब कमाने वाले परिवार सबसे ज़्यादा प्रभावित हुए हैं। परेशान घर के मालिकों ने अपने हक के घर का पज़ेशन न मिलने और बिल्डर्स से कोई संतोषजनक जवाब न मिलने से तंग आकर बैंक की EMI देना बंद कर दिया। मामला पुलिस स्टेशन पहुंचेगाः बिल्डर माफिया की मुश्किलें बढ़ेंगी!

सुरेंद्रनगर में आमने-सामने की लड़ाई में खून-खराबाः लिंबडी के पंशिना में दो ग्रुप्स के बीच आमने-सामने की भयानक झड़प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर/लिंबड़ी। झालावाड़ का दिल माने जाने वाले सुरेंद्रनगर ज़िले से एक बहुत ही सनसनीखेज और खूनी घटना सामने आई है। लिंबडी तालुका के पंशिना गांव में पुरानी रंजिश या कुछ देर के गुस्से की वजह से दो ग्रुप्स के बीच झड़प हो गई। धारदार हथियारों, लाठियों और डंडों से हुए आमने-सामने के भयानक हमले में दोनों तरफ के 10 से ज़्यादा लोग लहूलुहान और गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हिंसक झड़प से पूरे पंशिना गांव और लिंबडी पंथक में डर और सन्नाटे का माहौल बन गया है। आमने-सामने के हमले और चीख-पुकारः 10 से ज़्यादा घायलों को लिंबडी सिविल में शिफ्ट किया गया मिली जानकारी के मुताबिक, पंशिना गांव में दो ग्रुप के बीच अचानक हुई कहासुनी के बाद मामला तूल पकड़ गया। कानून के डर से दोनों तरफ के लोग सड़क पर उतर आए और एक-दूसरे पर हमला कर दिया। आमने-सामने की इस झड़प में 10 से ज़्यादा लोगों के शरीर और सिर पर गंभीर चोटें आईं। घटना की गंभीरता को देखते हुए, स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। खून से लथपथ सभी घायलों को तुरंत लिंबडी सिविल हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया, जहां हॉस्पिटल परिसर चीख-पुकार से गूंज उठा। दोनों तरफ के घायलों और उनके समर्थकों-परिवारों के एक ही हॉस्पिटल में बड़ी संख्या में जमा होने से, हॉस्पिटल परिसर में फिर से हिंसक झड़प या गरमागरमी की पूरी संभावना थी। DYSP समेत पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी तुरंत लिंबडी सिविल हॉस्पिटल पहुंची। हॉस्पिटल कैंपस और पंशिना गांव में कड़ी पुलिस सिक्योरिटी का इंतज़ाम किया गया है। पुलिस ने हालात पर काबू पा लिया है और इलाके को पुलिस छावनी में बदल दिया है।



अपने भीतर के रावण का वध ही विजयादशमी की सच्ची सार्थकताः स्वामी चक्रपाणि महाराज

24वें द्वारका रामलीला महोत्सव में मुख्य अतिथि स्वामी चक्रपाणि जी ने किया प्रभु श्रीराम का राज्याभिषेक



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर-11 स्थित डीडीए रामलीला ग्राउंड में आयोजित 24वें द्वारका रामलीला महोत्सव 2026 का भव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच समापन हुआ। इस अवसर पर अखिल भारत हिन्दू महासभा एवं संत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा श्री राम जन्मभूमि मामले में सर्वोच्च न्यायालय के पक्षकार रहे स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष श्री मुकेश सिन्हा, महोत्सव की संयोजिका श्रीमती सुधा सिन्हा तथा कमेटी के समस्त पदाधिकारियों द्वारा स्वामी जी का पारम्परिक एवं भव्य स्वागत किया गया। उपस्थित अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने विजयादशमी के गूढ़ आध्यात्मिक संदेश को रेखांकित किया। उन्होंने कहा 'रावण वेद, शास्त्र और पुराणों का प्रकांड ज्ञाता था, किंतु अहंकार और नारी के अनादर के कारण उसका सर्वनाश हुआ। आज के युग में विजयादशमी की सच्ची सार्थकता इसी में है कि हम अपने भीतर छिपे काम, क्रोध, लोभ और अहंकार रूपी रावण का वध करें। अपने अंतर्मन के विकारों को मारना ही इस पर्व का मूल संदेश है। वामी जी ने अपने संबोधन में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सनातन भाव पर बल देते हुए सभी से एकजुट होकर राष्ट्र को सशक्त बनाने का आह्वान किया। रावण वध के पश्चात स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने प्रभु श्रीराम का विधि-विधान से राज्याभिषेक किया। उन्होंने प्रभु श्रीराम को मुकुट पहनाकर, तिलक लगाकर आरती उतारी। इस दौरान पूरा प्रांगण 'जय श्री राम' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम के दौरान मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कलाकारों एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को स्वामी जी द्वारा सम्मानित किया गया

विशेष सम्मानः रावण की जीवंत भूमिका निभाने वाले कलाकार को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रभु श्रीराम, माता सीता, वीर हनुमान तथा अन्य पात्रों का अभिनय करने वाले कलाकारों को प्रशस्ति व आशीर्वाद प्रदान किया गया। आयोजक सम्मानः स्वामी चक्रपाणि जी ने कार्यक्रम के मुख्य प्रणेता श्री मुकेश सिन्हा एवं श्रीमती सुधा सिन्हा को पटका पहनाकर तथा प्रभु श्रीराम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया और निरंतर धर्म सेवा का आशीर्वाद दिया। रावण दहन के साथ ही आकाश में भव्य आतिशबाजी हुई। हज़ारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः,की मंगलकामना और विश्व कल्याण के प्रार्थना-उद्घोष के साथ इस 24वें द्वारका रामलीला महोत्सव का सफलतापूर्वक विश्राम हुआ।

वडोदरा में काले मुंह वाले डंपर का जानलेवा पंजा

वाडीवाड़ी ब्रिज पर एक युवती को कुचलकर मार डाला

हानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक शहर वडोदरा अब 'डंपर सिटी' या 'मौत की सड़क' बनता जा रहा है, जानलेवा माहौल बन गया है। शहर के गोरवा इलाके में वाडीवाड़ी फायर स्टेशन के पास ब्रिज पर एक बेहद डरावना और दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। तेज रफ्तार एक लापरवाह डंपर ड्राइवर ने ब्रिज से गुजर रही एक मासूम बच्ची को टक्कर मार दी और ट्रक का पिछला पहिया उसके ऊपर चढ़ा दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस भयानक घटना से पूरे वडोदरा जिले में हड़कंप मच गया है। लड़की की बेजान बॉडी सड़क पर बिखरी पड़ी थी। मिली जानकारी के मुताबिक, मरने वाली लड़की की पहचान हेतवी जितेंद्रभाई मांडगे के तौर पर हुई है, जो गोरवा इलाके के हाथीभाईनगर, मारुति धाम, दिवालीपुरा में रहती थी। हेतवी अपने काम या आने-जाने के लिए वाडीवाड़ी ब्रिज से गुज़र रही थी, तभी गलत समय पर आए एक लापरवाह डंपर ड्राइवर ने उसे बुरी तरह टक्कर मार दी। डंपर का भारी और डगमगाता पिछला टायर हेतवी की बॉडी पर चढ़ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही, मरने वाली हेतवी के परिवार वाले और दोस्त मौके पर पहुंचे। हॉस्पिटल और घटनास्थल पर परिवार वालों की चीख-पुकार देखकर पत्थर दिल लोगों की आंखें भी नम हो गईं। पुलिस ने बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए गोत्री हॉस्पिटल भेज दिया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। बिना नंबर प्लेट का डंपर और मालिक थाने भागता हुआ। इस हादसे के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिस डंपर से यह खूनी खेल खेला जा रहा था, उस पर नंबर प्लेट नहीं थी! इससे साफ है कि शहर में कितनी गैर-कानूनी और खतरनाक गाड़ियां ऋ्लह्र के नियमों को ताक पर रखकर और पुलिस की मिलीभगत से खुलेआम घूम रही हैं।

राजपूतों के भोज के बीच, अकेली महिला मंत्री रीवाबा जडेजा ने रिवॉल्वर से किया शस्त्रपूजन

जामनगर में दशहरा सच्चे क्षत्रिय का रंग लेकर आया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जामनगर। अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की जीत के महापर्व विजयादशमी (दशहरा) के मौके पर जहां पूरे राज्य में शस्त्रपूजन की परंपरा मनाई जा रही है, वहीं जामनगर के रंगसागर शहर से एक बहुत ही आकर्षक और गर्व करने वाली तस्वीर सामने आई है। जामनगर उत्तर की रूऔर सरकार की एक शानदार महिला मंत्री रीवाबा जडेजा ने राजपूत और क्षत्रिय समाज के नेताओं के बीच बैठकर अपनी रिवॉल्वर की पूजा की और पारंपरिक क्षत्रिय धर्म की एक अनूठी मिसाल पेश की। राजपूतों की मौजूदगी में शस्त्र पूजनः क्षत्रिय और नारी शक्ति का अद्भुत संगम जामनगर में हुए इस भव्य विजयादशमी उत्सव में बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज और राजपूत नेता मौजूद थे। इस भव्य सभा के बीच, रिवाबा जडेजा ने अकेली महिला मंत्री के तौर पर हिस्सा लिया और पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार शस्त्र पूजन किया। शस्त्र पूजनः रिवाबा जडेजा ने हाथ में रिवॉल्वर लेकर कुमकुम तिलक किया, माला चढ़ाई और शास्त्रों के अनुसार शस्त्र पूजन पूरा किया। नारी शक्ति का वीरतापूर्ण नारा भारतीय संस्कृति में महिलाएं सिर्फ रसोई तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर भवानी का रूप धारण करके हथियार उठाने की भी ताकत रखती हैं--इसका जीता-जागता उदाहरण इस मौके पर रिवाबा जडेजा ने पेश किया।



जामनगर में वीरता और परंपरा का शानदार माहौल

शस्त्र पूजन के बाद पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति और क्षात्रत्व के नारे गूंजते रहे। मौजूद नेताओं ने कहा कि हथियार सिर्फ हिंसा का हथियार नहीं हैं, बल्कि कमजोरों और धर्म की रक्षा के लिए पवित्र कवच हैं। जामनगर के मैदान में हुए इस शस्त्र पूजा प्रोग्राम ने पूरे इलाके में खूब चर्चा और आकर्षण पैदा किया है। रीवाबा जडेजा ने जिस तरह से राजपूतों के बीच बैठकर स्टाइल और बहादुरी के साथ विजयादशमी की परंपरा को निभाया है, उसने सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक हलचल मचा दी है!

अमेरिका भी समझ गया.. मोदी कुछ ही दिनों के मेहमान हैं? पहली बार.. डायरेक्ट अंबानी-अडानी डील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। इंटरनेशनल डिप्लोमेसी और घरेलू पॉलिटिक्स के गलियारों में इस समय एक ऐसी दरार दिख रही है जिसने दुनिया भर के पॉलिटिकल एनालिस्ट को चौंका दिया है। अमेरिका के पॉलिसी-मेकर्स, बड़े थिंक टैंक और ग्लोबल मीडिया में अब इस बात पर चर्चा शुरू हो गई है कि क्या भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पॉलिटिकल इक्वेशन में कोई बड़ा बदलाव होने वाला है? इस बीच, अमेरिकी स्ट्रैटेजिस्ट और कॉर्पोरेट वर्ल्ड के गलियारों से एक सनसनीखेज दावा सामने आया है--कि स ने भारत के भविष्य के पॉलिटिकल डेवलपमेंट को भांपते हुए अब देश के दो सबसे बड़े इंडस्ट्रियल घरानों, मुकेश अंबानी (रिलायंस) और गौतम अडानी (अडानी ग्रुप) के साथ डायरेक्ट डीलिंग और स्ट्रैटेजिक बातचीत बढ़ा दी है। 1. अमेरिकी रवैये में बदलावः पारंपरिक डिप्लोमेसी से आगे कॉर्पोरेट सेंटर पर एक नज़र आम तौर पर, इंटरनेशनल डिप्लोमेसी में, सरकार या उसकी एजेंसियां किसी भी देश की सरकार और प्रधानमंत्री से सीधे बातचीत करना पसंद करती हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से वॉशिंगटन के स्ट्रेटेजिक सर्कल में यह चर्चा चल रही है कि भारत के अंदरूनी पॉलिटिकल समीकरणों और भविष्य के लीडरशिप के बारे में विदेशी ताकतों का अंदाज़ा बदल रहा है। 'चांद दिनों के मेहमान' जैसी चर्चाओं का बाज़ार गर्म हैः अमेरिकी मीडिया और कुछ विदेशी फोरम जानबूझकर ऐसे नैरेटिव बना रहे हैं कि भारतीय पॉलिटिक्स में बदलाव हो सकता है। सरकार को बायपास करके सीधे डीलः यही वजह है कि स ने अब पॉलिटिकल चेहरों पर भरोसा करने के बजाय, सीधे इंडस्ट्रियलिस्ट मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के साथ स्ट्रेटेजिक और बिज़नेस डील फाइनल करना शुरू कर दिया है, जिन्हें भारत की असली इकॉनमी और इंफ्रास्ट्रक्चर की रीढ़ माना जाता है।

15 साल में भारत में 1.90 लाख करोड़ रुपये निवेश करने की योजना, आईटी से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं तक भारतीय पेशेवरों के लिए खुलेंगे अवसर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 20 अक्टूबर से लागू हो गया है। इसके तहत न्यूजीलैंड में भारतीय उत्पादों को सभी टैरिफ श्रेणियों में 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त प्रवेश देने की व्यवस्था की गई है। इससे भारतीय निर्यातकों को न्यूजीलैंड के बाजार में अपने उत्पाद बेचने में मदद मिलने की उम्मीद है। समझौते के तहत न्यूजीलैंड अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर यानी करीब 1.90 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना भी बना रहा है। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना और कारोबार के नए अवसर पैदा करना है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने समझौते की घोषणा करते हुए बताया कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच मौजूदा व्यापार को बढ़ाकर वर्ष 2030 तक करीब 7 अरब न्यूजीलैंड डॉलर यानी लगभग 38 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। समझौते के तहत भारतीय उत्पादों को न्यूजीलैंड के बाजार में पहले से अधिक प्रतिस्पर्धी स्थिति मिलने की उम्मीद है।

सभी उत्पाद श्रेणियों में शुल्क-मुक्त प्रवेश

इस समझौते की प्रमुख विशेषता यह है कि न्यूजीलैंड ने भारत के लिए 100 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शून्य आयात शुल्क की सुविधा दी है। इसका मतलब है कि भारतीय उत्पादों की सभी संबंधित श्रेणियों को न्यूजीलैंड में आयात शुल्क से छूट मिलेगी। इस तरह भारतीय निर्यातकों को उन शुल्क संबंधी बाधाओं से राहत मिल सकती है, जिनका सामना उन्हें समझौते से पहले करना पड़ता था। दी गई जानकारी के अनुसार, पहले कुछ उत्पादों पर 10 प्रतिशत तक शुल्क लगता था, जिससे भारतीय सामान की लागत बढ़ जाती थी और स्थानीय बाजार में प्रतिस्पर्धा प्रभावित होती थी। शुल्क में कमी से कपड़ा, विनिर्माण और अन्य निर्यात क्षेत्रों के कारोबारियों को लाभ मिलने की संभावना है। हालांकि, वास्तविक लाभ उत्पादों की मांग, कीमतों, गुणवत्ता, आपूर्ति क्षमता और बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। संवेदनशील उत्पादों को समझौते से बाहर रखा भारत ने घरेलू किसानों, उद्योगों और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए कई उत्पाद श्रेणियों को शुल्क रियायतों से बाहर रखा है। इनमें डेयरी उत्पादों के तहत दूध, क्रीम, मट्ठा, दही और पनीर शामिल हैं। पशु उत्पादों में भेड़ के मांस को छोड़कर अन्य कई उत्पादों को भी बाहर रखा गया है।



printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.